▶▶ वर्ष 73 ▶▶ अंक 168 ▶▶ पृष्ठ 12+8= 20
रीवा, बुधवार 18 मार्च, 2026
▶▶ चैत्र कृष्ण पक्ष 14, विक्रम संवत् 2082
▶▶ नगर ▶▶ मूल्य 5 रुपए ■ ■
आज के अंक के साथ सत्यकथा

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

अक्सर लोग उस नकारात्मक पक्ष पर ध्यान देते हैं कि वे क्या नहीं कर सकते। मैं हमेशा उस सकारात्मक पक्ष को देखता हूं कि मैं क्या कर सकता हूं।
– चक नॉरिस

ऑफ बीट

पति 'किराए' पर दिया मामला कोर्ट में पहुंचा

थाईलैंड से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपने पति को दूसरी महिला के साथ रहने के लिए 'किराए' पर देने का समझौता कर लिया। यह अनोखा मामला अब कानूनी विवाद में बदल गया है और कोर्ट तक पहुंच चुका है। खुन क्वांग नाम की महिला को शक था कि उसका पति किसी दूसरी महिला के साथ रिश्ते में है। शक के आधार पर उसने अपने पति की जासूसी की और जांच में पति के अफेयर की पुष्टि हुई। इस खुलासे के बाद जहां आमतौर पर तलाक की स्थिति बनती, वहीं इस महिला ने अलग रास्ता चुना। महिला ने तलाक लेने के बजाय एक अनोखा प्रस्ताव रखा। पति को उसकी प्रेमिका के साथ रहने की अनुमति दी जाएगी। इसके बदले पति को हर महीने पत्नी को 85 हजार रुपए देने होंगे।

केंद्रीय स्कूलों में ईडब्ल्यूएस बच्चों को प्रवेश, नवोदय में क्यों नहीं: हाईकोर्ट

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब; 2019 से अब तक लाखों छात्र रहे वंचित

जबलपुर, जेएनएन। देशभर के 650 से अधिक नवोदय विद्यालयों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों को प्रवेश नहीं दिए जाने के मुद्दे पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब तलब किया है। कोर्ट ने इस मामले में एक सप्ताह के भीतर जवाब देने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को इस मामले की सुनवाई जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ में हुई। अदालत ने सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से डिप्टी सॉलिसिटर जनरल भी उपस्थित रहे। याचिका में अथर्व चतुर्वेदी बनाम राज्य मामले का उल्लेख किया है, जिसमें ईडब्ल्यूएस छात्रों को अवसर न मिलना गंभीर मुद्दा माना गया था। देश में नवोदय विद्यालयों में करीब 2.9 लाख छात्र अध्ययनरत हैं। ऐसे में 2019 से अब तक बड़ी संख्या में ईडब्ल्यूएस छात्र प्रवेश से वंचित रहे हैं।

यह है मामला

जबलपुर निवासी छात्रा नव्या तिवारी की ओर से उनके अभिभावक धीरज तिवारी ने याचिका दायर की है। इसमें कहा गया है कि नवोदय विद्यालयों की स्थापना का उद्देश्य ग्रामीण और वंचित वर्ग के प्रतिभाशाली छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना था, लेकिन वर्तमान प्रवेश नीति में ईडब्ल्यूएस वर्ग को शामिल नहीं किया गया है।

मुख्य आपत्ति: नवोदय में ईडब्ल्यूएस क्यों नहीं?

याचिका में कहा गया है कि नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के दौरान एससी, एसटी, ओबीसी, ग्रामीण छात्र, बालिकाएं और दिव्यांग छात्रों के लिए आरक्षण मौजूद है, लेकिन ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए कोई प्रावधान नहीं है।

संवैधानिक आधार का दिया गया हवाला

103वें संविधान संशोधन के तहत ईडब्ल्यूएस वर्ग को शैक्षणिक संस्थानों में 10 फीसदी आरक्षण दिया जाना अनिवार्य है। इसके बावजूद नवोदय विद्यालयों में इसे लागू न करना संवैधानिक प्रावधानों की अनदेखी है।

एक ही मंत्रालय, अलग नियम क्यों?

शिक्षा मंत्रालय के केंद्रीय विद्यालयों में ईडब्ल्यूएस वर्ग को प्रवेश का लाभ मिलता है, लेकिन उसी मंत्रालय के तहत संचालित नवोदय विद्यालयों में यह सुविधा नहीं है। इसे भेदभावपूर्ण बताया गया है।

क्या है ईडब्ल्यूएस

- ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए बनाया जाता है।
- इसके तहत सामान्य श्रेणी के आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थियों को शिक्षा व सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी आरक्षण मिलता है।
- यह लाभ केवल उन्हीं लोगों को मिलता है, जिन्हें एससी, एसटी या ओबीसी जैसे किसी अन्य आरक्षण का फायदा नहीं मिलता।
- वर्ष 2019 में केंद्र सरकार ने संविधान संशोधन के जरिए ईडब्ल्यूएस आरक्षण का प्रावधान लागू किया।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण कब क्या हुआ

- **8 जनवरी 2019:** लोकसभा में बिल पास हुआ, 323 सांसदों ने समर्थन किया।
- **10 जनवरी 2019:** राज्यसभा में 165 वोट समर्थन में और 7 विरोध में पड़े।
- **31 जनवरी 2019:** ईडब्ल्यूएस आरक्षण को लेकर नोटिफिकेशन जारी हुआ।
- **103वां संविधान संशोधन:** इसके लिए अनुच्छेद 15(6) व 16(6) में संशोधन किया।

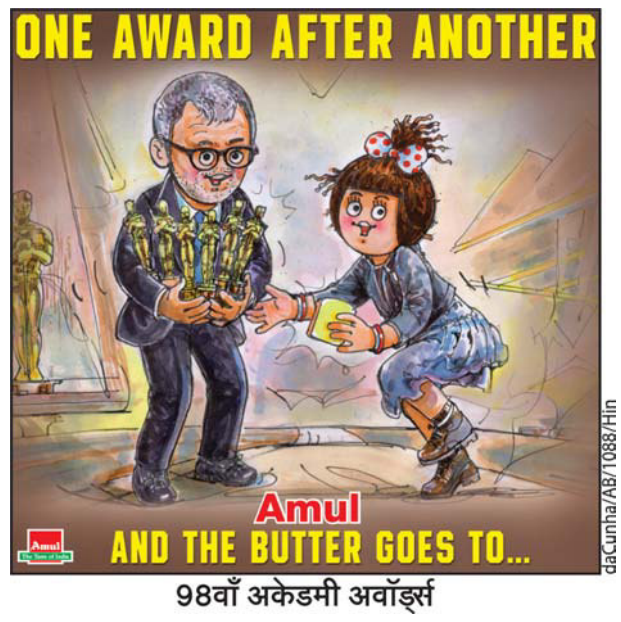

98वाँ अकेडमी अवॉर्ड्स

लोकसभा से आठ विपक्षी सांसदों का निलंबन हटा

स्पीकर की नसीहत- पोस्टर और एआई तस्वीरें न दिखाएं

नई दिल्ली, जेएनएन। लोकसभा में मंगलवार को बजट सत्र के पहले चरण में निलंबित किए गए 8 विपक्षी सांसदों का सस्पेंशन वापस ले लिया गया। इनमें कांग्रेस के 7 और लेफ्ट का एक सांसद शामिल है। इन सभी सांसदों को 4 फरवरी को पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित किया गया था।

सांसदों पर आरोप था कि हंगामे के दौरान उन्होंने पीठासीन अधिकारी कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी की कुर्सी की ओर कागज फेंके थे। यह विवाद उस समय हुआ था जब राहुल गांधी सदन में पूर्वी लद्दाख में 2020 के भारत-चीन सीमा विवाद का मुद्दा उठा रहे थे।

कांग्रेस सांसद के. सुरेश समेत तीन सांसदों ने निलंबन वापस लेने का प्रस्ताव रखा, जिसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने भी इसका समर्थन किया। हंगामे के बीच लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सदस्यों को सख्त निर्देश देते हुए कहा, 'सदन में प्लेकार्ड और एआई से बनाई गई तस्वीरें प्रदर्शित न करें।'

ई-फार्मेसी पर सख्त नियम बनाने की मांग

राजद सांसद मनोज कुमार झा ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दवाओं की बिक्री के लिए सख्त नियम बनाने की मांग उठाई।

महिला आरक्षण पर सर्वदलीय बैठक

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू को पत्र लिखकर महिला आरक्षण कानून के क्रियान्वयन पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की।

रिहाई के बाद सोनम बोले- 'यह विन-विन स्थिति'

केंद्र ने संवाद के लिए बढ़ाया हाथ

नई दिल्ली, जेएनएन। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने जेल से रिहा होने के बाद पहली बार सार्वजनिक तौर पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे 'विन-विन' स्थिति बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने लद्दाख के लोगों के साथ विश्वास बहाल करने और सार्थक संवाद शुरू करने के लिए हाथ बढ़ाया है। दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में वांगचुक अपनी पत्नी और एचआईएएल की सह-संस्थापक गीतांजलि जे. आंगमो के साथ मौजूद थे। वांगचुक ने कहा, 'हमें कोर्ट में जीत का भरोसा था, लेकिन सिर्फ जीत काफी नहीं थी। मैं चाहता था कि यह 'विन-विन' स्थिति बने।' उन्होंने सरकार के फैसले को संवाद की दिशा में सकारात्मक कदम बताया। वांगचुक ने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य केवल संवाद की प्रक्रिया शुरू करना है। उन्होंने कहा, 'हमने दिल्ली तक पदयात्रा की, अनशन किया, सिर्फ इसलिए कि बातचीत शुरू हो। आम तौर पर लोग हथियार उठाते हैं और सरकार संवाद की अपील करती है, लेकिन यहां लोग खुद बातचीत की मांग कर रहे हैं।'

यूएस के शीर्ष आतंकरोधी अफसर का इस्तीफा

ट्रंप प्रशासन के फैसले पर उठाए सवाल, कहा– 'ईरान से नहीं था कोई तात्कालिक खतरा'

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका के नेशनल काउंटरटेररिज्म सेंटर (एनसीटीसी) के निदेशक जो केंट ने ईरान के खिलाफ युद्ध के फैसले का विरोध करते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। केंट, जिन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में नियुक्त किया गया था, ने इस फैसले को अपनी अंतरात्मा के खिलाफ बताया। जो केंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'मैं अच्छे विवेक के साथ ईरान में जारी युद्ध का समर्थन नहीं कर सकता। ईरान से हमारे देश को कोई तात्कालिक खतरा नहीं था।'

आरोप: इजराइल, उसकी अमेरिकी लॉबी के दबाव में शुरू किया युद्ध

जो केंट ने यह भी आरोप लगाया कि यह युद्ध इजराइल और उसके अमेरिकी लॉबी के दबाव में शुरू किया गया। अपने इस्तीफे के आधिकारिक पत्र में केंट ने कहा कि लंबे विचार-विमर्श के बाद उन्होंने पद छोड़ने का फैसला लिया। ईरान युद्ध को लेकर सरकार की नीति से वे सहमत नहीं हैं। यह निर्णय उनके सिद्धांतों और नैतिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने ट्रंप प्रशासन और एनसीटीसी के साथ काम करना अपने लिए सम्मान की बात माना।

युद्ध पर गंभीर सवाल

- ईरान ने अमेरिका के लिए कोई तत्काल खतरा पैदा नहीं किया था
- युद्ध के पीछे बाहरी दबाव प्रमुख कारण रहा
- अमेरिका को ऐसे संघर्षों में शामिल होने से बचना चाहिए

संदिग्ध जीवाश्म का वैज्ञानिक टीम द्वारा किया गया सर्वेक्षण

जागरण, सतना

सीधी जिले के सिहावल विकासखंड के अंतर्गत ग्राम कोरौली कला के पास स्थित अतरैला पहाड़ी क्षेत्र में हाल ही में प्राप्त संदिग्ध जीवाश्म अवशेषों के संबंध में प्राचार्य डॉ एससी राय के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना की एक वैज्ञानिक टीम द्वारा स्थल का प्रारंभिक सर्वेक्षण किया गया। पहाड़ी क्षेत्र में बड़े आकार की अस्थियों और दांतों जैसे अवशेषों के मिलने का उल्लेख किया गया था। इस वैज्ञानिक दल का नेतृत्व प्राणीशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ हर्षित कुमार सोनी ने किया। टीम में डॉ ऋषभ देव साकेत तथा परामर्शदाता पुरातत्वविद् डॉ धीरेंद्र शर्मा भी शामिल थे। टीम ने स्थल पर पहुंचकर उपलब्ध अवशेषों का निरीक्षण किया उनका

प्रारंभिक प्रलेखन किया तथा स्थल की भूवैज्ञानिक और पर्यावरणीय परिस्थितियों का अवलोकन किया। स्थल निरीक्षण के दौरान कई प्रकार के जीवाश्मीय अवशेषों की पहचान की गई। इनमें विशेष रूप से बड़े आकार के शाकाहारी स्तनधारी जीवों के दांतों के टुकड़े और कुछ अस्थि खंड शामिल हैं। इन दांतों में एनामेल प्लेट डेंटिन तथा घिसाव से उत्पन्न विशिष्ट संरचनाएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं जो प्रारंभिक रूप से हाथी कुल प्रोबोसिडियन से संबंधित प्राचीन जीवों की ओर संकेत करती हैं। इस प्रकार के दांत सामान्यतः बड़े शाकाहारी जीवों में पाए जाते हैं जो कठोर वनस्पति को पीसकर खाने के लिए अनुकूलित होते हैं। इसके अतिरिक्त कुछ अस्थि खंड भी प्राप्त हुए हैं जिनमें आंतरिक स्पंजी संरचना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है जो जीवाश्मीकरण की प्रक्रिया से गुजरी अस्थियों का संकेत देती है। इन जीवाश्मीय अवशेषों के साथ.साथ स्थल से कठोरित अवसादी मिट्टी के कई खंड भी प्राप्त हुए हैं जिनमें पौधों की जड़ों के चिह्न और सूक्ष्म छिद्र संरचनाएं दिखाई देती हैं। इस प्रकार के अवशेष प्राचीन मिट्टी या पैलियोसोल के संकेत हो सकते हैं जो उस समय के पर्यावरण और वनस्पति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं। इन नमूनों का वैज्ञानिक अध्ययन भविष्य में प्राचीन पारिस्थितिकी और जलवायु परिस्थितियों को समझने में सहायक हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के ओबीसी फैसले पर सफल यूपीएससी अभ्यर्थियों ने गणेश सिंह से की मुलाकात

सतना। संघ लोक सेवा आयोग से जुड़े अन्य पिछड़ा वर्ग अभ्यर्थियों के पक्ष में आए सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले के संदर्भ में सफल अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को नई दिल्ली में सतना सांसद एवं अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष गणेश सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात में अभ्यर्थियों ने गणेश सिंह के निरंतर प्रयासों और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल में अंशु यादव, बसंत, केतन, स्वप्निल, निलेश सहित अन्य सफल अभ्यर्थी शामिल थे। भेंट के दौरान ओबीसी अभ्यर्थियों को न्यायपूर्ण अवसर प्रदान करनेए प्रतियोगी परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा सभी वर्गों की समान भागीदारी बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। अभ्यर्थियों ने 2018.19 में गठित अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण संबंधी संसदीय समिति की रिपोर्ट का विशेष उल्लेख किया जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया है। उस समय इस समिति की अध्यक्षता भी गणेश सिंह कर रहे थे। रिपोर्ट ने इस प्रकरण के विभिन्न तथ्यात्मक पहलुओं को प्रभावी ढंग से सामने रखा थाए जिससे ओबीसी अभ्यर्थियों को राहत मिली। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में स्पष्ट किया गया है कि ओबीसी में क्रीमी लेयर का निर्धारण केवल माता.पिता की आय के आधार पर नहीं किया जा सकताए बल्कि उनके पदए सामाजिक एवं प्रशासनिक स्थिति को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।

मैहर एसपी ने की जनसनुवाई

जागरण, सतना। प्रत्येक मंगलवार की भांति इस मंगलवार को भी पुलिस अधीक्षक कार्यालय मैहर में जनसुनवाई आयोजित की गई इस दौरान मैहर पुलिस अधीक्षक ने लंबे समय से चल रहे सभी प्रकरण को जल्द से जल्द निराकरण करने हेतु संबंधित थाना प्रभारी कर्मचारी को निर्देशित किया।

विश्वविद्यालय व महाविद्यालय की कार्यप्रणाली के चलते छात्र-छात्राओं का बिगड़ रहा भविष्य

रामनगर। मैहर जिले के अंतर्गत शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर में 2024.25 में पूरक प्रथम वर्ष द्वितीय अवसर में नियमित अध्ययन रत छात्र छात्राओं की परीक्षा वचन पत्र के आधार पर संचालित करबाई गई लेकिन आज दिनांक तक महाविद्यालय से लेकर विश्वविद्यालय तक परीक्षा आवेदन पत्र नही भरवाया जा सका जबकि छात्राएं सत्र 2024 .25 में द्वितीय वर्ष में अध्ययन रत थी जिसके चलते तृतीय वर्ष में भी उनका नुकसान होना तय है महाविद्यालय की बीए प्रथम वर्ष की पूरक छात्रा अंकी शुक्ला रितु केवट आरती सिंह सत्य प्रजापति को शासकीय हितग्राही मूलक योजनाओं की पात्रता भी हासिल नही हो पाई वही महाविद्यालय की छात्रा दुर्गा सिंह जो राजनीति शास्त्र में पूरक थी उसे वचन पत्र के आधार पर भी परीक्षा देने से वंचित कर दिया गया और तो और विश्व विद्यालय प्रशासन द्वारा वचन पत्र के आधार पर परीक्षा देने के लिए विशेष अवसर भी प्रदान किया गया थाएलेकिन राजनीति शास्त्र विषय मे उक्त नियम लागू नही हो पाया जबकि कई बार उक्त परीक्षार्थी स्वयं के व्यय पर महाविद्यालय,विश्वविद्यालय, एमपी ऑन लाइन के कई बार फेरे लगाए आवेदन दिया लेकिन उक्त विद्यार्थियों की कही कोई सुनवाई नही हो सकीएइस सम्बन्ध में बच्चो के भविष्य के साथ खिलवाड़ कौन कर रहा है जिम्मेवारी व जबाबदेही किसकी हैएविचार होना ही चाहिए उक्त सम्बन्ध में जब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर के प्रभारी प्राचार्य डॉ एस केण्वर्मा अमरपाटन शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य से मामले पर जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा कि सम्बन्धित बच्चो को महाविद्यालय भेज दीजिए उनकी समस्याओं का उचित निराकरण हो जाएगा।

सरकार लगाए पुनर्विचार याचिका : नागेन्द्र सिंह

शासकीय शिक्षक संगठन की मांग पर शिक्षक पात्रता परीक्षा एवं सेवा समाप्ति के आदेश निरस्तगी को लेकर लिखा पत्र

जागरण, सतना। शासकीय शिक्षक संगठन के प्रान्तीय आवाहन पर अनिल सिंह परिहार के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में शिक्षकों ने पूर्व मंत्री सांसद एवं वर्त्तमान नागौद विधायक नागेंद्र सिंह से मुलाकात कर टीईटी परीक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर शिक्षकों की पात्रता परीक्षा अनुत्तीर्ण होने पर सेवा समाप्त के आदेश से अवगत कराते हुए आग्रह किया कि इस विषय को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री से चर्चा कर रिव्यू पिटीशन दायर करने हेतु व परीक्षा की बाध्यता को समाप्त करने की मांग की गई जिस पर विधायक ने 2011 के पूर्व नियुक्त शिक्षक जो 20 से 30 वर्ष की सेवा कर चुके हैं उनकी परीक्षा लेना व्यावहारिक नहीं है उनके अनुभव एवं प्रदेश के शिक्षा में दिए गए योगदान को दृष्टिगत रखते हुए लोक शिक्षण

NAGENDRA SINGH
(M.L.A. NAGOD)
Ex - Member of Parliament (Khajuraho) M.P.
Ex - Minister of M.P. Govt.

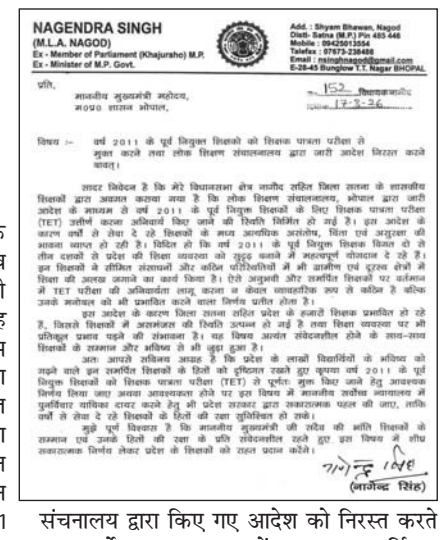

Add. : Shyam Bhawan, Nagod
Distt- Satna (M.P.) Pin 485 446
Mobile : 09425013554
Telefax : 07673-238488
Email : nsinghnagod@gmail.com
E-28-45 Bunglow T.T. Nagar BHOPAL

प्रति,
माननीय मुख्यमंत्री महोदय,
म०प्र० शासन भोपाल,

क्र. 152 विधायक नागौद
दिनांक 17-3-26

विषय :- वर्ष 2011 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से मुक्त करने तथा लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश निरस्त करने बावत्।

सादर निवेदन है कि मेरे विधानसभा क्षेत्र नागौद सहित जिला सतना के शासकीय शिक्षकों द्वारा अवगत कराया गया है कि लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल द्वारा जारी आदेश के माध्यम से वर्ष 2011 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) उत्तीर्ण करना अनिवार्य किए जाने की स्थिति निर्मित हो गई है। इस आदेश के कारण वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के मध्य अत्यधिक असंतोष, चिंता एवं असुरक्षा की भावना व्याप्त हो रही है। विदित हो कि वर्ष 2011 के पूर्व नियुक्त शिक्षक विगत दो से तीन दशकों से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इन शिक्षकों ने सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों में भी ग्रामीण एवं दुरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा की अलख जगाने का कार्य किया है। ऐसे अनुभवी और समर्पित शिक्षकों पर वर्तमान में TET परीक्षा की अनिवार्यता लागू करना न केवल व्यावहारिक रूप से कठिन है बल्कि उनके मनोबल को भी प्रभावित करने वाला निर्णय प्रतीत होता है।

इस आदेश के कारण जिला सतना सहित प्रदेश के हजारों शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं, जिससे शिक्षकों में असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है तथा शिक्षा व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। यह विषय अत्यंत संवेदनशील होने के साथ-साथ शिक्षकों के सम्मान और भविष्य से भी जुड़ा हुआ है।

अतः आपसे सविनय आग्रह है कि प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को गढ़ने वाले इन समर्पित शिक्षकों के हितों को दृष्टिगत रखते हुए कृपया वर्ष 2011 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) से पूर्णतः मुक्त किए जाने हेतु आवश्यक निर्णय लिया जाए अथवा आवश्यकता होने पर इस विषय में माननीय सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करने हेतु भी प्रदेश सरकार द्वारा सकारात्मक पहल की जाए, ताकि वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सके।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि माननीय मुख्यमंत्री जी सदैव की भांति शिक्षकों के सम्मान एवं उनके हितों की रक्षा के प्रति संवेदनशील रहते हुए इस विषय में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर प्रदेश के शिक्षकों को राहत प्रदान करेंगे।

(नागेन्द्र सिंह)

संचनालय द्वारा किए गए आदेश को निरस्त करते हुए सर्वोच्च न्यायालय में सरकार पुनर्विचार याचिका दायर करने का पत्र मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया है जिसमें लाखों छात्रों का भविष्य बढ़ाने वाले समर्पित शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित रखने एवं उनके मनोबल को बचाए रखने के लिए सरकार स्तर से प्रयास किए जाने की पहल की गई है विधायक नागेंद्र सिंह ने सभी की बात गम्भीरता से सुनी और हम शिक्षकों की बात से सहमति जताते हुए पूरी संवेदनशीलता के साथ शिक्षकों के हित में मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए रिव्यू पिटीशन दायर करने का पत्र लिखा साथ ही आगे भी इस मामले में अपना सहयोग देने एवं सदैव शिक्षकों के साथ का आश्वासन दिया स आगामी दिवसों पर जिले के समस्त जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर सरकार से इसी प्रकार का आग्रह किया जाएगा गया इस अवसर पर विवेक सिंह बघेल रवि शंकर तिवारी अतुल सिंह बालकृष्ण अच्युत, दिलकश जैब,जितेंद्र सिंह,संजय सिंह, गणेश शंकर सरावगी,नीरज निगम, केशव नाथ चौरसिया , विनय शंकर तिवारी राजेश अग्निहोत्री, यादवेन्द्र सिंह अरुण गौतम, विजय नारायण तिवारी बुद्धराज सिंह, रामकिशोर पाण्डेय,संतोष वर्मा, आनंद द्विवेदी वीरन प्रजापति, रंजीत रजक,प्रदीप पयासी, बी के पाण्डेय, राजकुमार गौतम, प्रीतेश श्रीवास्तव, अरविंद चतुर्वेदी, योगेश पाठक सहित सैकड़ो शिक्षक उपस्थित रहे।

गोल्डन गर्ल अस्मि भारती ने रचा इतिहास

सतना। उज्वेकिस्तान की राजधानी तासकेंट के ओलिंपिक सिटी खेल परिषर मे 12 अप्रैल से 17 अप्रैल तक आयोजित होने वाली जूनियर गर्ल्स वर्ल्ड ताइक्कांडो चैंपियनशिप.2026 मे भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी गोल्डेन गर्ल अस्मि भारती। अस्मि भारती अपने पिता और जिला ताइक्कांडो संघ के सचिव डा संदीप भारती से वर्ष 2021 से ताइक्कांडो की ट्रेनिंग ले रही है जिसमे राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं मे 10 से ज्यादा स्वर्ण पदक जीतकर पूरे विंध्य का नाम रोशन किया है। अस्मि विगत 08 महीनो से खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित मार्शल आर्ट एकैडमी टीटी नगर भोपाल मे एकैडमी के कोच जगजीत सिंह माड और अर्जुन सिंह रावत से ट्रैनिग ले रही है। 18 से 23 जनवरी तक जयपुर के सवाईमानसिंह स्टेडियम मे आयोजित हुई राष्ट्रीय फेडरेशन कप प्रतियोगिता मे अस्मि ने गोल्ड जीतकर वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए अपनी दावेदारी पेश की थीए उसी क्रम मे फाइनल ट्रायल का आयोजन सोनीपत मे 13 मार्च से 15 मार्च तक हुआ जिसमे गोल्डेन गर्ल ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए गोल्ड पर कब्ज़ा जमाया और वर्ल्ड कप का टिकट पक्का किया।

अदाणी एयरपोर्ट और इंडिगो की साझेदारी से ड्यूटी.फ्री खरीदारी पर मिलेंगे इंडिगो ब्लूचिप्स

सतना। भारत की पसंदीदा एयरलाइन इंडिगो और देश की सबसे बड़ी निजी एयरपोर्ट ऑपरेटर कंपनी अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड एएएचएल ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत अब इंडिगो ब्लूचिप के सदस्य एएएचएल द्वारा संचालित एयरपोर्ट्स पर ड्यूटी.फ्री खरीदारी करने पर भी रिवॉर्ड कमा सकेंगे। इस साझेदारी के तहत सदस्य अदाणी प्लेटफॉर्म के जरिए पहले से बुक किए गए ड्यूटी.फ्री प्रोडक्ट्स पर हर 100 रुपए खर्च करने पर पांच इंडिगो ब्लूचिप्स अर्जित कर सकेंगे। यात्री यात्रा से पहले ऑनलाइन प्रोडक्ट्स देख सकते हैंए उन्हें रिज़र्व और भुगतान कर सकते हैं और फिर एयरपोर्ट पर आसानी से अपनी खरीदारी प्राप्त कर सकते हैं। नीतन चोपड़ा, चीफडिजिटल और इंफॉर्मेशन ऑफिसर, इंडिगो, ने कहा इंडिगो में हम अपने लॉयल्टी प्रोग्राम को और बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। अदाणी ड्यूटी.फ्री के साथ यह साझेदारी उड़ानों से आगे बढ़कर ग्राहकों को उपयोगी रिवॉर्ड देने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

35 संघर्षशील महिलाओं का हुआ सम्मान

जागरण, सतना। जरियारी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पखवाड़ा में श्महिला सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ रश्मि सिंह पटेल उपस्थित रहीं जिनके नेतृत्व और प्रेरणादायक उद्बोधन ने पूरे आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा महिला प्रकोष्ठ जिला इकाई मैहर द्वारा किया गया जिसमें सर्वसमाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि डॉ रश्मि सिंह पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला नहींए बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। जब तक महिलाओं को समान अधिकार और सम्मान नहीं मिलेगाए तब तक समाज का समग्र विकास संभव नहीं है।उन्होंने महिलाओं के अधिकारोंए शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि

आज हर महिला को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना आवश्यक है।

विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में सरपंच ललिता बौद्ध एवं डॉ निकिता सेन स्त्री रोग विशेषज्ञ अनीता मिश्रा,सविता पटेल, पूजा पटेल, प्रीति वमा राधा कोल, देवरति विश्वकर्मा, कविता पटेल, पूर्णिमा पटेल, विक्रम सूर्यवंशी, अयोध्या सिंह, अखिलेश सिंह, अनिल सूर्यवंशी, सीपीसिंह सुरेंद्र सिंह सहित अन्य सम्मानित अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इन सभी अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए महिलाओं को आगे बढ़ने, शिक्षा ग्रहण करने और समाज में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यालय आबकारी आयुक्त, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
चतुर्थ तल, संयुक्त राजस्व भवन, नीडम रोड, चन्द्रवदनी नाका, ग्वालियर
E-mail : ec.ecogwl@mp.gov.in Ph.: 0751-2452810

ग्वालियर, दिनांक .03.2026

:: विज्ञप्ति ::

सर्वसाधारण की जानकारी एवं भाँग, भाँगघोटा तथा भाँग मिठाई की फुटकर बिक्री की दुकानों के लायसेंसियों की विशेष जानकारी के लिये यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि वर्ष 2026-27 हेतु भांग, भाँगघोटा तथा भाँग मिठाई की फुटकर बिक्री की दुकानों के लायसेंसों का निष्पादन मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) क्रमांक 71 दिनांक 16 मार्च, 2026 में प्रकाशित विज्ञप्ति क्रमांक 7-ठेका/भाँग/E-1085629/2026 ग्वालियर, दिनांक 16 मार्च, 2026 में वर्णित शर्तों/प्रक्रिया/ प्रतिबंधों के अधीन पात्र आवेदकों के हित में संबंधित जिला कलेक्टर द्वारा किया जायेगा।

वर्ष 2026-27 के लिए प्रत्येक भाँग, भाँगघोटा तथा भाँग मिठाई की फुटकर बिक्री की दुकानों का आरक्षित मूल्य, उसके वर्ष 2025-26 के परिगणित वार्षिक लायसेंस फीस में 10 प्रतिशत वृद्धि कर निर्धारित किया जाएगा।

भाँग, भाँगघोटा तथा भाँग मिठाई की फुटकर बिक्री की दुकान/दुकानों के समूह के लायसेंस/लायसेंसों का नवीनीकरण/टेण्डर द्वारा निष्पादन कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा -

(1) वर्ष 2026-27 हेतु नवीनीकरण द्वारा निष्पादन कार्यक्रम :-

1.	नवीनीकरण हेतु आवेदन पत्र क्रय करने की तिथियां एवं समय	संबंधित जिला कार्यालय से दिनांक 18 मार्च 2026 को प्रात: 10.00 बजे से दिनांक 23 मार्च 2026 को अपरान्ह 02.00 बजे तक
2.	नवीनीकरण आवेदन पत्र जमा करने की तिथियां एवं समय	संबंधित जिला कार्यालय में दिनांक 18 मार्च 2026 को प्रात: 10.30 बजे से दिनांक 23 मार्च 2026 को अपरान्ह 03.00 बजे तक
3.	नवीनीकरण हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों का परीक्षण करने एवं निराकरण किये जाने की तिथि एवं समय	दिनांक 23 मार्च 2026 को अपरान्ह 03.30 बजे से कार्यवाही पूर्ण होने तक।

(2) वर्ष 2026-27 हेतु टेण्डर द्वारा निष्पादन कार्यक्रम :-

1.	टेण्डर प्रपत्र क्रय करने की तिथि एवं समय	संबंधित जिला कार्यालय से दिनांक 25 मार्च 2026 को प्रात: 10.00 बजे से दिनांक 27 मार्च 2026 को अपरान्ह 02.00 बजे तक
2.	टेण्डर प्रपत्र जमा करने की तिथि एवं समय	संबंधित जिला कार्यालय में दिनांक 25 मार्च 2026 को प्रात: 10.30 बजे से दिनांक 27 मार्च 2026 को अपरान्ह 03.00 बजे तक
3.	टेण्डर प्रपत्र खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 27 मार्च 2026 को अपरान्ह 03.30 बजे से कार्यवाही पूर्ण होने तक।

टेण्डर के प्रथम चरण की कार्यवाही के बाद निष्पादन से शेष भाँग दुकानों हेतु टेण्डर की तिथियां जिला स्तर पर स्थानीय तौर पर नियत की जाएगी।

भांग, भांगघोटा तथा भांग मिठाई की फुटकर बिक्री की दुकानों के नवीनीकरण एवं टेण्डर के माध्यम से निष्पादन की प्रक्रिया, शर्तें एवं निर्बन्धन, संबंधित जिला कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

उपरोक्त जानकारी मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) क्रमांक 71 दिनांक 16 मार्च, 2026 में प्रकाशित विज्ञप्ति क्रमांक 7-ठेका/भाँग/E-1085629/2026 ग्वालियर, दिनांक 16 मार्च, 2026 को वेबसाईट https://govtpress.mp.gov.in एवं मध्यप्रदेश आबकारी विभाग की बेवसाईट https://excise.mp.gov.in से डाउनलोड भी की जा सकती हैं।

(उपरोक्तानुसार ई-साईन)
आबकारी आयुक्त
मध्यप्रदेश

G-27544/25

मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी से रामनवमी महोत्सव की तैयारियों को मिली नई ऊर्जा

सतना। हिंदू पर्व समन्वय समिति द्वारा आयोजित श्री रामनवमी के 22वें सोपान की भव्य शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर सरस्वती कृष्णनगर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में शहर की मातृशक्तियों की विशाल बैठक जानकी सभा का आयोजन किया गया। अस्तित्व महिला सशक्तिकरण एवं संरक्षण के आतिथ्य में आयोजित इस सभा में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष मणिकांत माहेश्वरी उत्तम बनर्जी, इंजी रमेश जैन प्रणामी समाज की साध्वी निर्मला दीदी एवं समाजसेविका मोना चौपड़ा मंचासीन रहे। सभा का संचालन अर्पिता सोनी ने कियाए जबकि दीप मंत्र आयुषी तिवारीए विजय महामंत्र अंजना तिवारी एवं रामस्तुति डॉ मनीषा सोई द्वारा प्रस्तुत की गई। स्वागत भाषण मणिकांत माहेश्वरी ने दिया एवं आभार लता केजरीवाल ने किया।

विट्स में टेक्नों मैनेजमेंट फेस्ट का शानदार आगाज

सतना। विट्स महाविद्यालय में स्टूडेंट्स कोर कमेटी के तत्वाधान एवं प्रो0 श्रीकृष्ण अग्निहोत्री के मार्गदर्शन में दो दिवसीय टेक्नो मैनेजमेंट फेस्ट 2026 का उत्साहपूर्ण षुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों की तकनीकी, प्रबंधकीय, रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना था। पूरे दिन चले इस आयोजन में विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन किया गया । डांस क्लब द्वारा आकर्षक प्रस्तुति देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद प्राचार्य डा0 पी के षुक्ला ने अपने प्रेरक उद्बोधन में छात्रों को नवाचार और नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रारंभिक सत्र का समापन बॉलीवुड वॉक प्रस्तुति से हुआ। इसके बाद विभिन्न तकनीकी और रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। तकनीकी गतिविधियों में हैकाथॉन, 3 डी मॉडलिंग, टेक फेस्ट ओलंपियाड तथा बुक कवर डिजाइन प्रतियोगिताएं प्रमुख रहीं, जिनमें छात्रों ने अपनी तकनीकी दक्षता और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। प्रबंधन से संबंधित प्रतियोगिताओं में इन्वेस्टोमेनिया और शार्क टैंक आयोजित किए गए, जहां प्रतिभागियों ने अपने व्यावसायिक विचारों और निवेश योजनाओं को प्रस्तुत किया।

रामपुर क्षेत्र में एचपीवी टीकाकरण जारी

सतना। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गोरइया में टीकाकरण अभियान के तहत 14 से 15 वर्ष की बालिकाओ का टीकाकरण किया जा रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में ग्राम पंचायत गोरइया बर्दाडीह,जनार्दनपुर,पिथेपुर आदि ग्रामो की बालिकाओ को ग्राम पंचायत सचिवों एसहायक सचिवों आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ,आशा कार्यकर्ता व स्कूल स्टाफ के विशेष सहयोग व प्रचार प्रसार से टीकाकरण का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोरइया के चिकित्सक डॉक्टर सुमित सिंह बघेल,सुपरवाईजर वीरेंद्र सिंह,सचिव पुष्पेन्द्र गुप्ता,प्रमोद पयासी,राजेन्द्र तिवारी,सहायक सचिव राजेन्द्र सेन व समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा कार्यकर्ता हॉस्पिटल स्टाफ,स्कूल स्टाफ उपस्थित रहे।

सांसद के प्रयासों से कैंसर पीड़ितों को मिला पीएम राहत कोष से उपचार

सतना। सांसद सतना गणेश सिंह के प्रयासों से गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से आर्थिक सहायता मिलने की स्वीकृति सामने आई हैं। सांसद द्वारा मरीजों की ओर से प्राप्त गुहार और उनके पत्राचार के बाद पीएम राहत कोष से फंड स्वीकृत होकर सीधे अस्पताल के खाते में ट्रांसफर किया जाता हैए जिससे इलाज में आर्थिक बोझ कम होता है।.भरहुत नगर निवासी प्रकाश चंद्र सतीजा गंभीर बीमारी से पीड़ित थे जिन्हें बोनमैरो ट्रांसप्लांट की आवश्यकता थी। सांसद गणेश सिंह ने उनकी स्थिति पर ध्यान देते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोश में अनुशंसा की। इसके परिणामस्वरूप 2.5 लाख रुपये की सहायता मंजूर हुई। यह राशि इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल कैंसर सेंटर में उपचार के लिए सीधे अस्पताल के खाते में ट्रांसफर की गई ताकि मरीज को समय पर उच्च स्तरीय इलाज मिल सके।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं जया पाण्डेय पति श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय ससुर विपिन कुमार पाण्डेय उम्र 35 वर्ष निवासी ग्रा.पो.मेहुती तह.बिरसिंहपुर जिला सतना म.प्र. की निवासी होकर शपथ पूर्वक कथन करती हूॅ की मेरे पुत्र का आधारा कार्ड बना हुआ है जिसका क्रमांक 695059237790 है उक्त आधार कार्ड में भूलवस मेरे पुत्र का नाम जितयाद्र चौधरी लिख गया है जबकि मेरे पुत्र का सही नाम सूर्या पाण्डेय है जो उसके जन्म प्रमाण पत्र में भी अंकित है। अतः उसके आधार कार्ड में जन्म प्रमाण पत्र के मुताबिक उसका नाम सूर्या पाण्डेय दर्ज किया जाये।

▶▶ वर्ष 73 ▶▶ अंक 168 ▶▶ पृष्ठ 12
रीवा, बुधवार 18 मार्च, 2026
▶▶ चैत्र कृष्ण पक्ष 14, विक्रम संवत् 2082
▶▶ नगर ▶▶ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

जब आप अपने काम के प्रति उत्साही होते हैं, तो आप सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करते हैं। यह बहुत सरल है।
–पाउलो कोएलो

संक्षिप्त खबरें

संजय-नोरा के गाने पर केंद्र सख्त

अश्लील सामग्री पर कार्रवाई करे सेंसर बोर्ड

नई दिल्ली, जेएनएन। संजय दत्त और नोरा फतेही के एक गाने को लेकर बढ़ते विवाद के बीच केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को निर्देश दिए हैं कि अश्लील सामग्री पर तुरंत कार्रवाई की जाए और जरूरत पड़ने पर ऐसे गानों को सभी मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाया जाए। सरकार ने यह भी संकेत दिए हैं कि यदि आवश्यक हुआ तो फिल्म सर्टिफिकेशन से जुड़े नियमों में बदलाव भी किया जा सकता है। मंत्रालय अब डिजिटल और फिल्मी कंटेंट पर निगरानी और कड़ी करने की तैयारी में है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'कौन सभ्य परिवार साथ बैठकर यह देख सकता है?'

5 दशक नीतीश के साथ रहे त्यागी ने जेडीयू छोड़ी

पटना, जेएनएन। जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता, सलाहकार और पूर्व राज्यसभा सांसद केसी त्यागी ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। करीब पांच दशक तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ समाजवादी राजनीति में सक्रिय रहे त्यागी अब नई राजनीतिक पारी की तैयारी में हैं। सूत्रों के मुताबिक, त्यागी जल्द ही किसी अन्य पार्टी में शामिल हो सकते हैं और उत्तर प्रदेश की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने की योजना बना रहे हैं। वे अपने अगले राजनीतिक कदम का खुलासा 22 मार्च को नई दिल्ली में होने वाली एक बैठक में कर सकते हैं। केसी त्यागी ने कहा, 'मैं जेडीयू की सदस्यता नवीनीकृत नहीं कर रहा हूं। नीतीश कुमार के प्रति मेरा सम्मान हमेशा रहेगा। हम 50 साल से साथ रहे हैं और हमारा संबंध आगे भी बना रहेगा।'

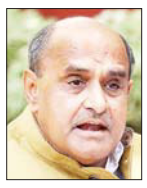

करूर भगदड़ मामला

द्रमुक विधायक सेंथिल सीबीआई के समक्ष पेश

नई दिल्ली, जेएनएन। तमिलनाडु के करूर से द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) विधायक वी सेंथिल बालाजी, तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय की पिछले साल हुई एक रैली के दौरान भगदड़ के संबंध में मंगलवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष पेश हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीबीआई ने इस संबंध में उनसे पूछताछ की। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद एसआईटी से सीबीआई को यह मामला सौंपा गया। टीवीके प्रमुख एवं अभिनेता विजय की करूर रैली के दौरान भगदड़ मच गई थी जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी। पिछले साल अक्टूबर में सीबीआई निदेशक को जांच का जिम्मा संभालने के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी को नियुक्त करने के साथ-साथ जांच की निगरानी के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में एक पर्यवेक्षी समिति गठित करने का निर्देश दिया था।

एलपीजी संकट: पाइप्ड गैस नेटवर्क बढ़ाने की तैयारी, केंद्र ने राज्यों को लिखा पत्र

पीएनजी विस्तार तेज करें, राज्य विकल्प भी अपनाएं: केंद्र सरकार

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण देश में रसोई गैस की सप्लाई प्रभावित होने के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) नेटवर्क के विस्तार को तेज करने को कहा है, ताकि लोगों को वैकल्पिक गैस आपूर्ति उपलब्ध कराई जा सके। सरकार ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों को पाइपलाइन बिछाने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए हैं।

होर्मुज के लगभग बंद होने से भारत की गैस सप्लाई पर बड़ा असर पड़ा है। भारत अपनी 60 फीसदी एलपीजी जरूरत आयात से पूरी करता है इनमें से 90 फीसदी सप्लाई होर्मुज मार्ग से आती है। इससे करीब 55 फीसदी सप्लाई प्रभावित हो गई है। सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी है, लेकिन कमर्शियल और इंडस्ट्रियल सेक्टर में भारी कमी देखी जा रही है।

सरकार के अनुसार, करीब 60 लाख घर ऐसे हैं, जहां पीएनजी नेटवर्क पहले से उपलब्ध है। देश में एलपीजी कनेक्शन 33.3 करोड़ है और पीएनजी कनेक्शन करीब 1.5 करोड़ हैं।

राज्यों को दिए गए यह निर्देश

- पाइपलाइन बिछाने की मंजूरी जल्द दी जाए।
- लंबित आवेदनों को तुरंत निपटाया जाए।
- नई मंजूरियां 24 घंटे के भीतर दी जाएं।
- रोड कटिंग और परमिशन शुल्क में छूट दी जाए।
- काम के समय और नियमों में ढील दी जाए।
- समन्वय के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं।

लोगों से अपील–पीएनजी और इंडक्शन अपनाएं

- सरकार ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि जहां संभव हो, पीएनजी कनेक्शन लें।
- वैकल्पिक उपकरण इंडक्शन कुकटॉप का इस्तेमाल करें।
- एलपीजी का उपयोग सावधानी और बचत के साथ करें।
- कुछ कंपनियां पीएनजी कनेक्शन के लिए फ्री गैस और कनेक्शन शुल्क में छूट जैसे ऑफर भी दे रही हैं।

गैस कनेक्शन बंद होने पर सरकार की सफाई, कहा- केवल अधूरे रिकॉर्ड वाले ग्राहक कराएं ई-केवॉयसी

देशभर में गैस कनेक्शन बंद होने की आशंका से जुड़ी खबरों के बीच केंद्र सरकार ने स्थिति स्पष्ट की है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा है कि ई-केवॉयसी सभी उपभोक्ताओं के लिए अनिवार्य नहीं है, बल्कि यह केवल उन ग्राहकों के लिए जरूरी है जिनका वेरिफिकेशन अब तक पूरा नहीं हुआ है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यह कोई नया नियम नहीं है, बल्कि पहले से चल रहे अभियान का हिस्सा है। इसका उद्देश्य महज इतना है कि अधिक से अधिक उपभोक्ता अपना बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन करवा लें।

ई-केवॉयसी के लिए यह हैं नियम

- जिन एलपीजी ग्राहकों ने पहले ही ई-केवॉयसी करवा लिया है, उन्हें दोबारा इसकी जरूरत नहीं है।
- यह प्रक्रिया केवल उन उपभोक्ताओं के लिए जरूरी है जिनका डेटा या वेरिफिकेशन अधूरा है।
- उज्जवला योजना के लाभार्थियों के लिए नियम अलग हैं। उन्हें हर वित्तीय वर्ष में कम से कम एक बार बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन कराना होता है।
- हालांकि, यह भी सिर्फ उन ग्राहकों के लिए आवश्यक है जो साल में 7 सिलेंडर लेने के बाद 8वें और 9वें रिफिल पर मिलने वाली टारगेटेड डीबीटी सब्सिडी का लाभ लेना चाहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में 'उद्योग' की परिभाषा पर सुनवाई शुरू

9 सदस्यीय संविधान पीठ आज दे सकती है फैसला

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार से एक अहम संवैधानिक सुनवाई शुरू हुई है। इसमें 'उद्योग' शब्द की परिभाषा तय की जाएगी। यह सुनवाई 9 जजों की संविधान पीठ कर रही है, जिसकी अध्यक्षता भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत कर रहे हैं। यह मामला औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत 'उद्योग' की परिभाषा को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद से जुड़ा है। इस फैसले से यह तय होगा कि किन संस्थाओं पर श्रम कानून लागू होंगे और कर्मचारियों के अधिकार किस हद तक प्रभावित होंगे। 17 मार्च को शुरू हुई सुनवाई में शुरुआती दलीलें रखी गईं। आज 18 मार्च को इसमें फैसला आने की संभावना है।

इसलिए अहम है मामला

- इस फैसले का सीधा असर लाखों कर्मचारियों और संस्थाओं पर पड़ेगा।
- यह तय करेगा कि किन संस्थानों पर लेबर लॉ (श्रम कानून) लागू होंगे
- कर्मचारियों के अधिकार जैसे छंटनी, वेतन, यूनियन बनाने का अधिकार प्रभावित हो सकते हैं

विवाद की जड़: 1978 का फैसला

1978 में सुप्रीम कोर्ट ने बेंगलुरु वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड केस में 'उद्योग' की व्यापक परिभाषा दी थी। बेंच ने कहा था कि जहां नियोक्ता-कर्मचारी संबंध है और कोई सेवा/कार्य हो रहा है, उसे उद्योग माना जा सकता है। इसके बाद सरकारी विभाग, अस्पताल, स्कूल एनजीओ आदि 'उद्योग' की श्रेणी में आए और उन पर श्रम कानून लागू हो गए।

इन सवालों पर फैसला करेगा सुप्रीम कोर्ट

- **उद्योग की सही परिभाषा:** क्या हर संगठित गतिविधि उद्योग है, या परिभाषा को सीमित किया जाए?
- **क्या सरकारी विभाग उद्योग हैं?:** नगरपालिका, अस्पताल, शिक्षा संस्थान–क्या ये भी उद्योग माने जाएंगे?
- **एनजीओ और चैरिटी संस्थाओं की स्थिति:** क्या गैर-लाभकारी संस्थाएं भी उद्योग की श्रेणी में आएंगी?
- **श्रमिक-नियोक्ता संबंध:** क्या केवल स्पष्ट नियोक्ता-कर्मचारी संबंध वाले संस्थान ही उद्योग होंगे?
- **सॉवरेन फंक्शन का दायरा:** क्या पुलिस, रक्षा जैसे सरकारी कार्य उद्योग से बाहर रहेंगे?
- **1978 के फैसले की समीक्षा:** क्या 'बेंगलुरु वाटर सप्लाई' केस की व्यापक परिभाषा सही है या इसे बदला जाए?

सरकार का फैसला: समर्थन मूल्य पर किसानों को दिया जाएगा बोनस

मध्यप्रदेश कार्य आवंटन नियम में संशोधन प्रस्ताव पर बनी सहमति

विशेष संवाददाता, भोपाल। डॉ. मोहन यादव मंत्रि परिषद ने मंगलवार को मध्यप्रदेश कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। कैबिनेट ने रबी फसलों को समर्थन मूल्य पर उपार्जन करने वाले किसानों के लिए बोनस देने के प्रस्ताव पर भी सहमति जता दी। इनके अलावा उज्जैन में 945 करोड़ के कॉरिडोर के प्रस्ताव पर भी कैबिनेट की हरी झंडी मिल गई है।

मंत्रालय में शाम पांच बजे हुई कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। बैठक के उपरांत एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने निर्णयों से अवगत कराते हुए बताया कि कैबिनेट ने मध्यप्रदेश कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन के प्रस्ताव पर मंजूर करते हुए मध्यप्रदेश भण्डार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम को वित्त विभाग के अंतर्गत किए जाने का अनुमोदन कर दिया। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश भंडार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम को एमएसएमई से वित्त विभाग को आवंटित किये जाने से राज्य पर कोई वित्तीय भार नहीं आयेगा।

विभाग का बदला नाम

कैबिनेट ने सर्वसम्मति से पशुपालन विभाग का नाम गौपालन एवं पशुपालन किये जाने पर सहमति जता दी। मंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश कार्य (आवंटन) नियमों की अनुसूची में संशोधन की स्वीकृति दी है।

माइक्रो परियोजना पर लगी मुहर

जल संसाधन विभाग की पनावर माइक्रो सिंचाई परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति भी दी गई है। मंत्रिपरिषद ने इस बात पर सहमति जताई कि उपार्जित गेहूं में से भारत सरकार द्वारा स्वीकार न की जाने वाली सरप्लस मात्रा का निस्तारण मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन द्वारा खुली निविदा के माध्यम से किया जाएगा। किसानों को बोनस का भुगतान विभागीय मद में तथा सरप्लस मात्रा के निस्तारण व्यय की प्रतिपूर्ति कृषक फसल उपार्जन सहायता योजनांतर्गत से होगी।

पीडब्ल्यूडी को मिलेंगे 4,525 करोड़

मंत्रि-परिषद ने लोक निर्माण विभाग के लिए 4 हजार 525 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। उज्जैन में ऐलिवेटेड कॉरीडोर के निर्माण के लिए 945 करोड़ 20 लाख की स्वीकृति दी है। इसी तरह मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट प्रोग्राम की 2028 और जन भागीदारी अंतर्गत विकास की 2031 तक की योजनाओं के लिए 7 करोड़ 38 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। एनडीबी से वित्त पोषण पुल और सड़क निर्माण की योजना की निरंतरता के लिए 50 करोड़ 10 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

अमेरिका का एक व यूक्रेन के छह नागरिक गिरफ्तार

भारत के खिलाफ आतंकी साजिश का आरोप

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 7 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें 6 यूक्रेनी और 1 अमेरिकी नागरिक शामिल हैं। एजेंसी का आरोप है कि ये लोग भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों की साजिश रच रहे थे। अमेरिकी नागरिक को कोलकाता एयरपोर्ट पर, जबकि 6 यूक्रेनी नागरिकों में से 3 को लखनऊ एयरपोर्ट और 3 को दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ा गया। यूक्रेन ने भारत के सामने आधिकारिक विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि ऐसा कोई पुख्ता सबूत नहीं है जो उनके नागरिकों की आतंकी संलिप्तता साबित करे उन्हें तुरंत रिहा किया जाए।

यूक्रेन ने किया विरोध मांगी तत्काल रिहाई

यह है आरोप

एनआई के मुताबिक, आरोपी भारत के खिलाफ आतंकी हमलों की साजिश रच रहे थे। इनकी गतिविधियों से सीमा पार खतरे की आशंका बढ़ गई थी। इनके खिलाफ यूएपीए की धारा 18 समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। जांच में यह भी सामने आया है कि ये लोग यूरोप से ड्रोन की बड़ी खेप भारत के रास्ते म्यांमार भेज रहे थे।

म्यांमार कनेक्शन जांच एजेंसियों के अनुसार, करीब 14 यूक्रेनी नागरिक टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे। ये पहले गुवाहाटी पहुंचे, फिर मिजोरम गए। वहां से अवैध तरीके से सीमा पार कर म्यांमार पहुंच गए। इससे नेटवर्क के और बड़े होने की आशंका जताई जा रही है।

गैर-सनातनियों को चार धाम में एफिडेविट से एंट्री

देहरादून, जेएनएन। उत्तराखंड के बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम में गैर-सनातनियों के प्रवेश को लेकर नई व्यवस्था की तैयारी शुरू हो गई है। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने इसके लिए एक सब-कमेटी गठित की है, जो जल्द ही मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करेगी। समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एसओपी के आधार पर केवल उन्हीं लोगों को प्रवेश दिया जाएगा, जो सनातन धर्म में आस्था रखते हैं। मंदिर समिति के अनुसार, सनातन धर्म में आस्था न रखने वाले लोगों के प्रवेश को प्रतिबंधित किया जा सकता है। इसके लिए परंपराओं और शंकराचार्य काल की व्यवस्थाओं का अध्ययन किया गया है। केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के 50-60 मीटर के दायरे में मोबाइल फोन ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। धाम में फोटोग्राफी के लिए विशेष स्थान तय किए जाएंगे। श्रद्धालुओं को केवल उन्हीं निर्धारित स्थानों पर मोबाइल ले जाने की अनुमति होगी, जिन्हें कमेटी की ओर से तय किया जाएगा।

फोटोग्राफी के लिए तय होंगे अलग स्थान

एपस्टीन फाइल कांड: हरदीप पुरी की बेटी को राहत

24 घंटे में विवादित कंटेंट हटाएं: हाईकोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी हिमायनी पुरी को बड़ी राहत देते हुए सोशल मीडिया पर प्रसारित विवादित कंटेंट पर रोक लगा दी है। अदालत ने गूगल, मेटा और लिंक्डइन समेत सभी प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया है कि वे 24 घंटे के भीतर आपत्तिजनक सामग्री हटाएं।

हाईकोर्ट की एकल पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला मानहानि का बनता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि इस कंटेंट को तुरंत नहीं हटाया गया, तो याचिकाकर्ता को अपूरणीय क्षति हो सकती है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि कई आरोपों को गलत तरीके से उनके नाम से जोड़ा गया आपत्ति दर्ज कराने के बावजूद कुछ प्लेटफॉर्म्स ने कंटेंट नहीं हटाया। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष पत्रकारिता जरूरी है, लेकिन बिना प्रमाण किसी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना मानहानि है।

यह है मामला

हिमायनी पुरी ने अपनी याचिका में कहा कि उन्हें जैफ्री एपस्टीन से जुड़े आरोपों से गलत तरीके से जोड़ा गया। इससे उनकी व्यक्तिगत और पेशेवर छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा। याचिका में उन्होंने 10 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की। साथ ही सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स से विवादित सामग्री हटाने की अपील की।

वाराणसी: गंगा में नाव पर इफ्तार, 14 गिरफ्तार

वीडियो वायरल होने के बाद कार्रवाई; धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप

लखनऊ/वाराणसी, जेएनएन। वाराणसी में गंगा नदी में नाव पर इफ्तार पार्टी आयोजित करने के मामले में पुलिस ने 14 युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इफ्तार के दौरान बिरयानी के अवशेष गंगा में फेंके गए, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया। इसके बाद भारतीय जनता युवा मोर्चा के शहर अध्यक्ष रजत जायसवाल ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत में कहा गया कि गंगा सनातन धर्म के लोगों की आस्था से जुड़ी है और इस तरह की गतिविधि निंदनीय है। कोतवाली पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद तुरंत केस दर्ज किया और 8 घंटे के भीतर 14 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी कोतवाली विजय प्रताप सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई और दो पुलिस टीमें बनाकर छापेमारी की गई। आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की गई। मामले की जांच अभी जारी है।

शिकायतकर्ता ने घटना को 'निंदनीय' बताया। इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। नाव चालक का लाइसेंस रद्द करने की भी मांग की।

नाव पर नमाज और इफ्तार

जानकारी के मुताबिक रोजा रखने वाले लोगों को घाट पर बुलाया गया था। एक बड़ी नाव पहले से बुक की गई थी। नाव अस्सी घाट से नमो घाट तक गई। यात्रा के दौरान नाव पर नमाज अदा की गई। इसके बाद खजूर और फलों से इफ्तार किया गया एक अन्य वीडियो में लोगों को बड़े बर्तन से खाना खाते हुए भी देखा गया।

न्याय

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, केंद्र से पितृत्व अवकाश कानून बनाने को कहा

हर उम्र के बच्चे को गोद लेने पर मिलेगा मातृत्व अवकाश

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि अब किसी भी उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिला को 12 हफ्ते का मातृत्व अवकाश मिलेगा। कोर्ट ने साफ किया कि सिर्फ 3 महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने पर ही छुट्टी देने का नियम असंवैधानिक है।

जस्टिस जेबी परदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी। कोर्ट ने धारा 60(4) को असंवैधानिक घोषित करते हुए 3 महीने की आयु सीमा को रद्द कर दिया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि अब समय आ गया है कि पितृत्व अवकाश को भी कानूनी मान्यता दी जाए। कोर्ट के मुताबिक, बच्चे की परवरिश में पिता की भूमिका भी उतनी ही अहम है जितनी मां की।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां

- गोद लेने वाली मां को बच्चे की उम्र के आधार पर छुट्टी देना भेदभावपूर्ण है।
- यह नियम संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन करता है।
- अब किसी भी उम्र के बच्चे को गोद लेने पर मातृत्व अवकाश मिलेगा।
- कोर्ट ने केंद्र सरकार से पितृत्व अवकाश को भी कानून में शामिल करने को कहा।
- छुट्टी की अवधि माता-पिता और बच्चे की जरूरतों के अनुसार तय की जानी चाहिए।

यह है मामला

हमसानंदिनी नंदूरी ने इस मुद्दे पर जनहित याचिका दायर की थी। 2017 में उन्होंने दो बच्चों को गोद लिया (4.5 साल और 2 साल)। उन्हें सिर्फ 6-6 हफ्ते की छुट्टी मिली क्योंकि बच्चे 3 महीने से बड़े थे। 2021 में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की और आयु सीमा को असंवैधानिक बताया। 29 जनवरी 2025 को कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा।

मौजूदा नियम: भारत में अभी पितृत्व अवकाश को कानूनी रूप से मान्यता नहीं मिली है। वहीं महिलाओं के लिए मेटरनिटी लीव का प्रावधान है। पहले दो बच्चों तक 26 हफ्ते का वेतन सहित अवकाश और तीसरे पर पर 12 हफ्ते के अवकाश का नियम है। इसमें से 8 हफ्ते डिलीवरी से पहले ले सकते हैं।

कोर्ट रूम में दलीलें

याचिकाकर्ता पक्ष

- बच्चे की देखभाल केवल मां की जिम्मेदारी नहीं है, इसलिए पितृत्व अवकाश जरूरी है।
- 3 महीने की उम्र की शर्त भेदभावपूर्ण और गलत है।

सुप्रीम कोर्ट का जवाब

- बच्चे के शुरुआती विकास में मां और पिता दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है।
- पितृत्व अवकाश को सामाजिक सुरक्षा लाभ के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

सीजेआई का सुझाव- फैमिली कोर्ट में न हो काले चोंगे-वर्दी

जज-वकील, पुलिस न आएं यूनिफॉर्म में, बच्चे डरते हैं

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने फैमिली कोर्ट के माहौल को लेकर अहम सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि फैमिली कोर्ट में जज, वकील और पुलिस को पारंपरिक वर्दी या काले चोंगे में नहीं आना चाहिए, क्योंकि इससे बच्चों के मन में डर पैदा होता है।

सोमवार को दिल्ली के रोहिणी में एक फैमिली कोर्ट की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में सीजेआई ने कहा कि फैमिली कोर्ट का उद्देश्य केवल कानूनी फैसला देना नहीं, बल्कि पारिवारिक रिश्तों को समझना और सुधारना भी है। सीजेआई सूर्यकांत ने सवाल उठाया, 'जब हम फैमिली कोर्ट की नई अवधारणा बना रहे हैं, तो क्या काले चोंगे बच्चों में मनोवैज्ञानिक डर नहीं पैदा करते?' उन्होंने सुझाव दिया कि जज कोर्ट ड्रेस में न बैठें और वकील काले-सफेद चोंगे में न आएं। पुलिस भी वर्दी में न पहुंचे। उनका कहना है कि खासकर बच्चे, जो इन मामलों में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

फैमिली कोर्ट को 'समाधान केंद्र' बनाने पर जोर

सीजेआई ने कहा कि फैमिली कोर्ट को सिर्फ विवाद सुलझाने की जगह नहीं, बल्कि एक 'पारिवारिक समाधान केंद्र' के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हर व्यक्ति कोर्ट नहीं जाना चाहता। ये मामले संपत्ति विवादों जैसे नहीं होते। इनमें भावनात्मक और सामाजिक पहलू ज्यादा अहम होते हैं

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

पांच राज्यों में चुनाव आयोग की चुनौतियां

भारत निर्वाचन आयोग ने 5 राज्यों में चुनाव के तारीखों की घोषणा कर दी है। जिन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव होने जा रहा है उनमें असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और एक केंद्र शासित पुडुचेरी शामिल हैं। इन राज्यों में चुनाव से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के लिए कई चुनौतियां हो सकती हैं।

पांच राज्यों - असम, पश्चिम बंगाल , तमिलनाडु, केरल और एक केंद्र शासित पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। कहने के लिए ये राज्यों के इलेक्शन हैं, लेकिन इनमें जितने मतदाता रजिस्टर्ड हैं, उतने पूरे अमेरिका में नहीं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बहुत गर्व के साथ बताया भी कि ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा को मिलाकर कहीं 17.4 करोड़ वोटर्स होते हैं। लेकिन, इस चुनाव में संख्या इतनी बड़ी चुनौती नहीं है। सीईसी ने बताया कि आयोग ने सभी चुनावी राज्यों का दौरा कर तैयारी परखी है। हालांकि हकीकत यही है कि एसआईआर शुरू होने के बाद से ही विवाद ज्यादा हुए हैं। बड़े पैमाने पर नाम कटने को लेकर विपक्ष के कई आरोप हैं। पश्चिम बंगाल में खासकर आयोग और सत्ताधारी टीएमसी के बीच टकराव देखने को मिला है।

जब मुख्य चुनाव आयुक्त तैयारियों का जायजा लेने कोलकाता पहुंचे थे, तो उन्हें विरोध-प्रदर्शन का सामना करना पड़ा था। मुख्य चुनाव आयुक्त कोलकाता के प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर पहुंचे थे, वहां भी उनका विरोध किया गया। प्रदर्शनकारियों ने 'वापस जाओ' के नारे लगाए। कोलकाता में करीब तीन जगहों पर विरोध प्रदर्शनों का सामना किया। विरोध प्रदर्शनों के बीच ज्ञानेश कुमार ने चुनावी राज्य में लाखों बंगाली भाषी नागरिकों का दिल जीतने की कोशिश की। देश में इससे पहले ऐसा रवैया किसी भी राज्य की सरकार ने चुनाव आयोग के साथ नहीं अपनाया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अगले दो महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए वहां पहुंचे। सीएम ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर एसआईआर के बाद मतदाता सूची से वोटर्स के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए तीन दिन तक धरना दिया। पश्चिम बंगाल में इस तरह की हरकतें तब हो रही हैं, जब सुप्रीम कोर्ट मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को अंजाम देने में जुटा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ममता सरकार के प्रति नाराजगी तक जाहिर कर चुका है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती दी गई। राज्य में एसआईआर से लगभग 63.66 लाख नाम कटे हैं और 60 लाख से ज्यादा विचाराधीन हैं।

चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर इस समय सबसे ज्यादा सवाल हैं। सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव से जाहिर है कि विपक्ष का भरोसा पूरी तरह से टूट चुका है। यह प्रस्ताव टीएमसी की तरफ से लाया गया था और इस पर 193 सांसदों ने हस्ताक्षर किए। इसका मतलब, कम से कम इस मुद्दे पर विपक्ष एकजुट दिख रहा है।

इसमें बिहार एसआईआर का जिक्र है और यह भी आरोप कि सीईसी एक खास दल के हित में काम करते हैं। अब मसला यह नहीं है कि प्रस्ताव पास होता है या नहीं, महत्वपूर्ण यह है कि इन चुनावों के दौरान आयोग किस तरह से अपनी निष्पक्षता जाहिर करता है। चुनाव में सभी को बराबर मौके मिलें और किसी के साथ पक्षपात न हो, यह आयोग की जिम्मेदारी है। संवैधानिक संस्था होने के नाते यह जरूरी हो जाता है कि आयोग की मंशा पर सवाल उठाने का किसी को मौका न मिले। कभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और कभी एसआईआर जैसे विवाद आयोग के हित में नहीं हैं।

विधानसभा चुनाव

हिमंता के कार्यकाल में राज्य में ध्रुवीकरण की प्रक्रिया काफी तेज हुई है

असम में जीत की हैट्रिक लगाएगी भाजपा?

प्रभाकर मणि तिवारी

अगले महीने देश के जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं उनमें पूर्वोत्तर का सबसे बड़ा और एकमात्र राज्य असम भी शामिल है। राज्य में विधानसभा की 126 सीटें हैं। बीते दो विधानसभा चुनावों में भाजपा यहां लगातार जीतती रही है। यह बात दीगर है कि पिछली बार दोनों कार्यकाल में मुख्यमंत्री की कुर्सी अलग-अलग नेताओं के पास रही है। भाजपा के सामने सवाल है कि क्या वह पूर्वोत्तर के प्रवेशद्वार कहे जाने वाले इस राज्य में जीत की हैट्रिक लगा पाएगी और क्या हिमंता बिस्वा सरमा लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने वाले भाजपा के पहले नेता होंगे?

वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को 75 और कांग्रेस गठबंधन को 50 सीटें मिली थी। तब बदरुद्दीन अजमल की पार्टी आल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट भी कांग्रेस गठबंधन में शामिल थी। लेकिन इस बार वह अलग चुनाव लड़ रही है। 126 सदस्यीय विधानसभा में फिलहाल भाजपा के 64 और उसके सहयोगी दलों-असम गण परिषद के नौ, यूपीपीएल के सात और बोड़ो पीपुल्स फ्रंट के तीन विधायक हैं। दूसरी ओर, विपक्षी कांग्रेस के 26 विधायक हैं। उसके अलावा एआईयूडीएफ के 16 और सीपीएम के एक के अलावा एक निर्दलीय विधायक है।

हिमंता ने अपने पहले कार्यकाल में बांग्लाभाषी मियां मुसलमानों के खिलाफ जिस बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है उससे राज्य में ध्रुवीकरण की प्रक्रिया काफी तेज हुई है। मुख्यमंत्री पिछले चुनाव के बाद लगातार कहते रहे हैं कि उनको इन मिया मुसलमानो के समर्थन की जरूरत नहीं है। उनके नेतृत्व में सरकार ने कई ऐसे नए कानून बनाए हैं जिनके निशाने पर अल्पसंख्यक ही रहे हैं।

ममता बनर्जी और हिमंता सरमा

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की जो स्थिति है वहीं असम में हिमंता सरमा की है। यानी दोनों की स्थिति मजबूत नजर आती है। इसकी एक बड़ी वजह विपक्षी दलों का बिखराव और उनके पास इन दोनों को टक्कर देने वाले किसी चेहरे की कमी है। असम में हिमंता को पार्टी के भीतर या बाहर से किसी मजबूत चुनौती का सामना नहीं करना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के पुत्र गौरव गोगोई ही फिलहाल विपक्ष का सबसे बड़ा चेहरा है। लेकिन हिमंता सरकार उन पर पाकिस्तान से संबंध होने के आरोप लगाते हुए कटघरे में खड़ा करती रही है।

कांग्रेस ने हालांकि अपनी दो सूचियां पहले ही जारी कर दी हैं। लेकिन पार्टी फिलहाल आंतरिक गुटबाजी की शिकार है। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा बीते महीने ही भाजपा का दामन थाम चुके हैं। हिमंता ने दावा किया है कि गौरव गोगोई को छोड़ कर पूरी कांग्रेस खाली हो जाएगी।

तीसरी बार जीत का भरोसा

उधर, भाजपा ने राज्य में लगातार तीसरी बार जीत का भरोसा जताया है। पार्टी के विधायक दिगंत कलिता ने पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि पार्टी के कार्यकर्ता चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हम असम के विकास के लिए कृतसंकल्प हैं। इस बार एनडीए को पिछली बार के मुकाबले ज्यादा सीटें मिलेंगी। इस बार चुनाव में घुसपैठ के पारंपरिक मुद्दे के अलावा कई नए मुद्दों के छाए रहने की संभावना है। घुसपैठ का मुद्दा असम में दशकों पुराना है और असम आंदोलन के बाद लगभग हर चुनाव में यह प्रमुख मुद्दा रहा है। इस बार विपक्षी दल भाजपा के खिलाफ भारतीय नागरिकों को विदेशी करार देकर जबरन सीमा पार धकेलने का मुद्दा उठा सकते हैं। इसके अलावा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाने के लिए बड़े पैमाने पर चला अभियान भी अहम मुद्दे के तौर पर उभर सकता है। इस अभियान की चपेट में आने वाले ज्यादातर अल्पसंख्यक ही हैं।

कांग्रेस की नई रणनीति

जीत की राह तलाश रहे कांग्रेस ने पहले ही उम्मीदवारों की दो सूची जारी की है। राज्य के सीएम रहे दिवंगत तरुण गोगोई के पुत्र गौरव गोगोई को जोरहाट से उतारा गया है। साथ ही, नई रणनीति के तहत गठबंधन सहयोगी एआईयूडीएफ से दूरी बना ली है। इसकी जगह पार्टी ने असम जातीय परिषद, ऑल इंडिया हिल लीडर्स कांफ्रेंस और माकपा समेत 10 दलों से गठबंधन किया है। दूसरी ओर भाजपा ने पुराने साथी असम गण परिषद के अलावा बोडोलैंड में मजबूती के लिए नए साथी के रूप में बीपीएफ से गठबंधन किया है।

टूटा मुस्लिम वर्चस्व का मिथक

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के इर्द-गिर्द घूम रही असम की राजनीति दशकों तक मुस्लिम मतों (35 फीसदी) के ध्रुवीकरण पर टिकी रही। हालांकि 2016 और 2021 में भाजपा ने असम गण परिषद, यूपीपीएल जैसे दलों को साधा और एनडीए को धमाकेदार जीत दिलवाई। भाजपा ने उग्र हिंदुत्व और महिला को हथियार बनाया है। हिमंता सरकार ने 37 लाख महिलाओं को 8000 रुपये की सहायता दी है। इसके अलावा घुसपैठ पर सीएम के बयान पूरे पांच साल तक राज्य ही नहीं, देशभर में चर्चा का विषय बने हैं।

अपर असम भाजपा की ताकत

बीते दोनों ही चुनावों में अपर असम के नौ जिले की 43 सीटें भाजपा के लिए सत्ता की सीढ़ी साबित हुई। बीते चुनाव में पार्टी को 38 तो उससे पहले 37 सीटें हासिल हुई। इस क्षेत्र में पूर्व सीएम सर्बानंद सोनोवाल की गहरी पैठ है, जिनके वर्तमान सीएम हिमंता बिस्वा सरमा के साथ मतभेद की चर्चा है। खतरा भांप शीर्ष नेतृत्व ने सोनोवाल को मतदान तक अपर असम में डटे रहने और हिमंता को आक्रामक बयान से परहेज बरतने का निर्देश दिया है।

परिसीमन के बाद बदला सियासी गणित

असम में परिसीमन के बाद पहला विधानसभा चुनाव है। नई सीमाओं और बदले सामाजिक समीकरणों के बीच 126 सीटों का सियासी गणित पहले से अलग नजर आ रहा है। ऐसे में सत्तारूढ़ भाजपा व कांग्रेस के बीच मुकाबला पहले से अधिक रोचक माना जा रहा है। कई क्षेत्रों में मतदाताओं का स्वरूप बदल गया है, इससे पुराने समीकरण भी बदलते दिख रहे हैं। परिसीमन के बाद राज्य 9 सीटें अनुसूचित जाति और 19 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। नई सीमाओं के कारण कुछ सामान्य सीटें आरक्षित श्रेणी में चली गई हैं, जबकि कुछ आरक्षित सीटें सामान्य हो गई हैं।

क्षेत्रीय संतुलन भी बदल गया

नई सीमाओं के बाद अपर असम, लोअर असम और बराक घाटी के बीच सीटों का संतुलन भी राजनीतिक चर्चा का विषय बना हुआ है। अपर असम के जिलों में सीटों की सीमाएं बदलने से यहां भाजपा की स्थिति मजबूत मानी जा रही है, जबकि लोअर असम और बराक घाटी में विपक्षी दलों की पकड़ को लेकर भी चर्चा हो रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में पहली बार अलग तरह का सामाजिक समीकरण दिखाई देगा। इससे कई सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय भी हो सकता है।

खुला मंच

परमिशन लैटर का रुतबा

गुरमीत बेदी

लो जी, अपनी तो बल्ले बल्ले हो गई है। एक ही झटके में विरोधी चारों खाने चित हो गए हैं। अब जिधर देखो, उधर अपना ही जलवा है। मोहल्ले में जहां चार लोग निंदा चुगली करने बैठ रहे हैं, वहां अपना भी जिक्र हो रहा है। अहाते में भी लोग सुरूर में आकर अपुन की ही बात कर रहे हैं। चर्चा इस बात की हो रही है कि देखो बंदे में दम तो है। परमिशन लैटर जेब में डालकर मूंछों पर ताव देते हुए घूम रहा है।

अभी यह परमिशन किसी ऐरे गेरे नथू खैरे ने नहीं दी है, बल्कि इलाके के सबसे बड़े डॉन ने दी है। और भाई साहब, डॉन का परमिशन लैटर कोई मामूली चीज नहीं होता। यह लोकतंत्र का नया संस्करण है। सरकारी मुहर से ज्यादा भारी डॉन की नजर होती है। सरकारी कागज में तारीख होती है, डॉन के कागज में ताकत होती है। अब जमाना बदल गया है। अब फाइलें नहीं चलतीं, सिफारिश चलती है और सिफारिश भी कोई साधारण नहीं, सीधे डॉन स्तर की।

अब हम चलते नहीं, हमारे आगे लोग रास्ता छोड़ देते हैं क्योंकि जेब में परमिशन लैटर है। यह परमिशन लैटर ऐसा है कि पुलिस वाला भी सलाम ठोक देता है, अफसर भी कहता है आइए, आइए, आप तो हमारे खास मेहमान हैं। लोग कहते हैं भाई बड़ा आदमी बन गया है।

राजनीति भी बड़ी दिलचस्प चीज है, यहां आदमी पहले छोटा होता है, फिर बड़ा होता है, फिर बहुत बड़ा हो जाता है और अंत में इतना बड़ा हो जाता है कि कानून उससे छोटा हो जाता है। हमारे पास भी वही परमिशन है। अब हम जहां चाहें जा सकते हैं, जो चाहें बोल सकते हैं और अगर कोई पूछे भाई किसकी इजाजत से, तो हम धीरे से जेब थपथपा देते हैं। परमिशन लैटर की खनक सुनते ही सवाल अपने आप दम तोड़ देता है।

कल चाय की दुकान पर बैठे थे, चार लोग राजनीति पर चर्चा कर रहे थे कि देश कैसे चलेगा, लोकतंत्र का भविष्य क्या होगा। हमने धीरे से कहा भविष्य बहुत उज्ज्वल है। उन्होंने पूछा कैसे। हमने जेब से परमिशन लैटर निकालकर टेबल पर रख दिया। सब समझ गए। देश ऐसे ही चलता है। राजनीति में समझदार वही होता है जो बिना बोले समझ जाए।

यह परमिशन लैटर लोकतंत्र का सबसे सफल स्टार्टअप है। जिसके पास यह है उसके लिए नियम भी झुकते हैं। अब तो हाल यह है कि हमारी चर्चा संसद से ज्यादा चाय की दुकानों पर होती है और भारत में चाय की दुकान ही असली संसद है। हम जहां जाते हैं लोग कान में फुसफुसाते हैं, यही है वो आदमी जिसे परमिशन मिली है। हम मुस्कुरा देते हैं क्योंकि मुस्कुराहट भी एक राजनीतिक हथियार है।

प्रसंगवश

लोकतंत्र में आंदोलनों की भूमिका का प्रश्न

आखिरकार गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम हटाने से जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई हो गई है। वांगचुक गत वर्ष सितंबर से जोधपुर जेल में बंद थे, जिसको लेकर विपक्षी राजनीतिक दल व विभिन्न सामाजिक संगठन तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते रहे हैं। अब सरकार की दलील है कि यह फैसला लद्दाख में शांति, स्थिरता और संवाद का माहौल बनाने के लिये लिया गया है। वहीं विपक्षी राजनीतिक दलों का कहना है कि 17 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई होनी थी। गिरफ्तारी का आधार मजबूत न होने पर केंद्र सरकार को उन्हें रिहा करने को बाध्य होना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित जलवायु कार्यकर्ता, अभिनव शैक्षिक व वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए चर्चित सोनम वांगचुक को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत बीते साल सितंबर में गिरफ्तार किया गया था। दरअसल, वे लंबे समय से लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और उसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने वाले आंदोलन से जुड़े रहे। उन्होंने कई बार अनशन किया। पदयात्रा के जरिये दिल्ली पहुंचकर भी उन्होंने अनशन किया था। लेकिन सितंबर में आंदोलन के हिंसक होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं केंद्र सरकार की दलील है कि क्षेत्र के लोगों की मांगों का समाधान निकालने के लिये लद्दाख के अलग-अलग समुदायों, नेताओं और संगठनों से निरंतर बातचीत के प्रयास जारी हैं। साथ ही लद्दाख के लिये सभी जरूरी सुरक्षा उपाय करने की बात कही गई है।

वहीं विपक्षी दल सवाल पूछ रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तारी की तार्किकता क्या थी? क्या लोकतांत्रिक ढंग से अपनी बात कहने की आजादी का अतिक्रमण नहीं हो रहा है? नागरिक संगठनों से जुड़े लोगों ने वांगचुक को उनके ठंडे प्रदेश लद्दाख से 1400 किमी दूर गर्म प्रदेश राजस्थान की जोधपुर जेल में रखने पर भी सवाल उठाये थे। उल्लेखनीय है कि बीते माह शीर्ष अदालत ने भी सोनम वांगचुक की खराब सेहत के मद्देनजर, उनकी हिरासत पर पुनर्विचार करने को कहा था। दरअसल, बार-बार पेटदर्द की शिकायत पर उनकी पत्नी ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से जांच करवाने के लिये आवेदन किया था। साथ ही कोर्ट से मासिक स्वास्थ्य रिपोर्ट की भी मांग की थी। तब शीर्ष अदालत की पीठ ने टिप्पणी की थी कि यदि हिरासत के आदेश में कानूनी त्रुटियां हैं तो इसे रद्द भी किया जा सकता है।

59 वर्षीय वांगचुक को लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में इसे शामिल करने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों के हिंसक होने के बाद हिरासत में लिया गया था, जिसमें चार लोगों की जान चली गई और 45 अन्य घायल हो गए। हालांकि लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने वांगचुक की हिरासत रद्द करने के फैसले का स्वागत किया, यह भी कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में आंदोलन और हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। यह केंद्र द्वारा लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का माहौल बनाने की दिशा में उठाया गया एक सकारात्मक कदम है। लोगों की आकांक्षाओं और चिंताओं से संबंधित सभी मुद्दों को लद्दाख के विभिन्न हितधारकों, सामुदायिक नेताओं और नागरिकों के साथ संवाद के माध्यम से हल किया जाएगा।

जबकि वांगचुक को गिरफ्तार करते समस सरकार की दलील थी कि आंदोलन को हिंसक बनाने में भूमिका के चलते राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम लागू करने के पर्याप्त कारण मौजूद थे। वहीं विपक्षी कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि वांगचुक को 170 दिन हिरासत में रखने का हिसाब कौन देगा? वे इस मामले में केंद्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते रहे हैं। अन्य विपक्षी दल भी इस रिहाई के बाद केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। वे राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के बेजा इस्तेमाल के आरोप लगा रहे हैं। उनका आरोप है कि लद्दाख के पर्यावरण व हक की मांग उठाने की कीमत वांगचुक ने चुकाई है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष

पर्वतीय क्षेत्रों में यह समस्या भौगोलिक परिस्थितियों के कारण और अधिक जटिल हो जाती है।

टकरा रहे वन्यजीव और मानव समाज के अस्तित्व

जयसिंह रावत

भारत में मानव और वन्यजीवों के बीच बढ़ता टकराव अब केवल पर्यावरण तक सीमित मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जन सुरक्षा और विकास की नीतियों से जुड़ा एक गंभीर राष्ट्रीय प्रश्न बन चुका है। विशेष रूप से हिमालयी राज्य उत्तराखंड में पिछले कुछ वर्षों में इस संघर्ष की तीव्रता ने एक भयावह रूप ले लिया है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 से जनवरी 2026 तक राज्य में इस संघर्ष के कारण 1296 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, जबकि 6624 लोग घायल हुए हैं। केवल वर्ष 2025 के आंकड़े ही विचलित करने वाले हैं, जिसमें भालू के हमलों में 8 और तेंदुए के हमलों में 18 लोगों की मृत्यु हुई, जबकि घायलों की संख्या 200 के पार पहुंच गई। ये संख्याएं केवल सांख्यिकीय आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उस गहरे संकट का संकेत हैं जहां जंगल, वन्यजीव और मानव समाज के अस्तित्व आपस में टकरा रहे हैं।

भौगोलिक संवेदनशीलता और संघर्ष के कारक

उत्तराखंड जैसे पर्वतीय क्षेत्रों में यह समस्या अपनी विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों के कारण और अधिक जटिल हो जाती है। यहां के अधिकांश गांव वनों के अत्यंत समीप या उनके बीच बसे हैं, जिससे ग्रामीणों की दैनिक आजीविका—जैसे चारा, ईंधन और जल की आपूर्ति—पूरी तरह जंगलों पर निर्भर है। पिछले ढाई दशकों में वन्यजीवों के हमलों से हुई मौतों का विवरण इस संकट की गहराई को स्पष्ट करता है, जिसमें तेंदुए के हमलों से 548, हाथियों से 230 और बाघों से 106 मौतें दर्ज की गई हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि तेंदुए विशेष रूप से अधिक चुनौतीपूर्ण सिद्ध हो रहे हैं क्योंकि वे मानवीय बस्तियों के अनुकूल खुद को ढाल लेते हैं और पालतू पशुओं के शिकार के लालच में अक्सर मनुष्यों पर हमला कर देते हैं। वर्ष 2017 से 2024 के बीच हुई 444 मौतें प्रमाणित करती हैं कि यह समस्या समय के साथ सुलझने के बजाय और अधिक विकराल होती जा रही है।

सिकुड़ते आवास और विखंडित गलियारे

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इस संघर्ष का मूल कारण वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास का निरंतर संकुचित होना और वनों का विखंडन है। भारतीय वन्यजीव संस्थान सहित विभिन्न शोध संस्थाओं ने रेखांकित किया है कि सड़कों का जाल, बांध परियोजनाएं और बढ़ते पर्यटन ने जंगलों को बांट दिया है। इससे वन्यजीवों के पारंपरिक आवागमन मार्ग, जिन्हें 'माइग्रेशन कॉरिडोर' कहा जाता है, पूरी तरह बाधित हो गए हैं। विशेष रूप से एशियाई हाथियों के लिए उपयुक्त पर्यावास की कमी के कारण उनके प्रवास मार्ग बदल रहे हैं, जिससे वे मानवीय क्षेत्रों में प्रवेश करने को विवश हैं।

संरक्षण की सफलता और नई चुनौतियां

एक विरोधाभासी स्थिति यह भी है कि भारत में वन्यजीव संरक्षण के सफल अभियानों ने भी अप्रत्यक्ष रूप से इस संघर्ष को बढ़ाया है। उदाहरण स्वरूप, बाघ संरक्षण कार्यक्रमों की सफलता के चलते उत्तराखंड में बाघों की संख्या वर्ष 2006 में 178 से बढ़कर 2022 में लगभग 560 तक पहुंच गई है। हालांकि, बाघों की संख्या में जिस अनुपात में वृद्धि हुई, उनके रहने के लिए उपलब्ध वन क्षेत्र का विस्तार उस गति से नहीं हो सका। परिणामस्वरूप, युवा और बूढ़े बाघ अपने क्षेत्र की तलाश में संरक्षित सीमाओं से बाहर निकलकर मानव बस्तियों तक पहुँच रहे हैं। यह स्थिति केवल उत्तराखंड तक सीमित नहीं है, बल्कि असम, कर्नाटक और केरल जैसे राज्यों में भी हाथियों और बाघों के साथ बढ़ते संघर्ष के रूप में दिखाई देती है।

जलवायु परिवर्तन और सामाजिक प्रभाव

इस संकट में जलवायु परिवर्तन एक नए और घातक कारक के रूप में उभरा है। मौसम के अनिश्चित चक्र ने वन्यजीवों के प्रजनन, भोजन और शीतनिद्रा (हाइबरनेशन) के चक्र को प्रभावित किया है। हिमालयी क्षेत्रों में सर्दियों के तापमान में वृद्धि के कारण भालू अब लंबी शीतनिद्रा में नहीं जा रहे, जिससे उनकी सक्रियता की अवधि बढ़ गई है और मानवीय संपर्क की संभावनाएं प्रबल हुई हैं। इस पूरे परिदृश्य का सबसे अधिक खामियाजा ग्रामीण महिलाओं को भुगतना पड़ता है, जो ईंधन और चारे के लिए प्रतिदिन वनों में जाती हैं। यह समस्या केवल शारीरिक चोट तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे समुदायों में गहरा मानसिक आघात और सामाजिक असुरक्षा की भावना भी पैदा हो रही है।

विकास और प्रकृति के बीच संतुलन अनिवार्य

मानव-वन्यजीव संघर्ष का स्थायी समाधान केवल मुआवजे या तात्कालिक राहत में निहित नहीं है, बल्कि इसके लिए एक एकीकृत और वैज्ञानिक नीति की आवश्यकता है। वन्यजीव गलियारों का पुनर्रुद्धार, ड्रोन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीक के माध्यम से निगरानी, और स्थानीय समुदायों को संरक्षण प्रक्रिया में भागीदार बनाना अनिवार्य कदम हैं।

हालांकि, उत्तराखंड सरकार ने मुआवजे की राशि बढ़ाकर 10 लाख रुपये की है, किंतु विशेषज्ञों का मत है कि सौर बाड़ लगाना, फसल बीमा और त्वरित राहत तंत्र जैसे निवारक उपाय अधिक प्रभावी सिद्ध होंगे। अंततः, यह संघर्ष हमें चेतावनी देता है कि विकास और प्रकृति के बीच संतुलन अनिवार्य है।

यदि हम वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों की गरिमा सुरक्षित नहीं रख पाए, तो भविष्य में यह टकराव और भी विध्वंसक होगा। मानव और प्रकृति का सम्मानजनक सह-अस्तित्व ही भारत के पर्यावरणीय भविष्य की एकमात्र कुंजी है।

जीवन दर्शन

जानने वाला चैतन्य और जो जाना जाए वह जड़

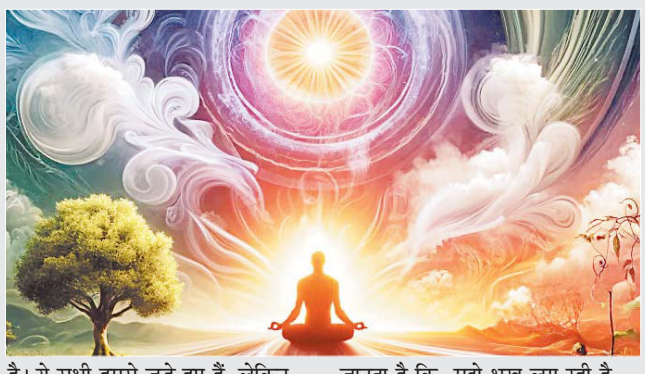

हम हर रोज अपने विचारों, वचनों और कार्यों का निरीक्षण करने से यह जान सकते हैं कि हम कहाँ खड़े हैं? हम पाएंगे कि हमारी आत्मा पर अनेकों दाग हैं जिन्हें हमें साफ करना है। आत्म-निरीक्षण का मतलबमान लिया कोई वस्तु है। उस वस्तु को देखते ही दो प्रश्न उठते हैं - वह वस्तु क्या है और उस वस्तु को जानने वाला कौन है। दोनों प्रश्नों के उत्तर अलग-अलग हैं। शरीर, ज्ञानेन्द्रियां, मन, बुद्धि, अहंकार, ज्ञान और अज्ञान - ये सभी वे वस्तुएं हैं, जिन्हें जानना है, यानी ये सब ज्ञेय हैं। वहीं, ब्रह्म या आत्मा वह सत्ता है, जो इन सभी को जानती है यानी वह ज्ञाता है।

महत्वपूर्ण यह है कि जो जड़ है, वह कभी खुद को नहीं जान सकता। उदाहरण के लिए, आंखें यह नहीं जानतीं कि वे देख रही हैं, मन यह नहीं जानता कि वह सोच रहा है, और बुद्धि यह नहीं जानती कि वह निर्णय ले रही है। ये सभी हमसे जुड़े हुए हैं, लेकिन इनमें यह चेतना नहीं होती कि ये क्या कर रहे हैं। केवल आत्मा ही जानती है कि ये सब कार्य हो रहे हैं।

सभी जानी जाने वाली वस्तुओं का अनुभव किया जा सकता है। जैसे मुझे भूख लग रही है... यह एक अनुभव है, और मैं सुखी या दुखी हूं... यह मन की अवस्था है, जिसे पहचाना जा सकता है। सभी वस्तुएं दृश्य हैं, जिन्हें देखा या जाना जा सकता है। जो व्यक्ति यह जानता है कि मुझे भूख लग रही है, या मैं सुखी या दुखी हूं%, वही आत्मा है। यह आत्मा, साक्षी और चैतन्य है, जो सदैव इन सभी घटनाओं को जानती है, पर यह स्वयं कभी ऐसी वस्तु नहीं बनती, जिसे जाना जा सके। शरीर, इंद्रियां, मन, बुद्धि - ये सब जड़ हैं, यानी इनमें खुद को जानने की कोई चेतना नहीं होती। जैसे आंखें खुद नहीं जानतीं कि वे देख रही हैं, या मस्तिष्क यह नहीं जानता कि वह सोच रहा है।

आत्मा या चैतन्य वह सत्ता है, जो यह जानती है कि आंख देख रही है, मन सोच रहा है और बुद्धि निर्णय ले रही है। आत्मा ही वह ज्ञाता है जो स्वयं को जानती है और अन्य सभी को भी जानता है। इसी को आत्मा, ब्रह्म, साक्षी, चैतन्य, अहम् आदि कहा जाता है। जैसे एक दर्पण में कोई वस्तु दिखाई देती है, लेकिन दर्पण स्वयं नहीं देखता, बल्कि कोई और देख रहा होता है, वैसे ही हमारी आंखें, मन और बुद्धि भी केवल दर्पण की तरह हैं। इन सभी में घटनाएं घट रही होती हैं, लेकिन इन घटनाओं को देखने वाला कोई और होता है। वह देखने वाला आत्मा है। ज्ञाता (आत्मा) और ज्ञेय (शरीर, मन, बुद्धि आदि) भिन्न होते हैं। ज्ञेय जड़ है, वह स्वयं को नहीं जान सकता। ज्ञाता चैतन्य है, वह स्वयं को और अन्य सभी को जानता है। आत्मा ही वह चेतना है, जो सबका साक्षी है- बिना किसी क्रिया के, केवल जानने वाला।

सुरक्षित गोस्वामी

गीता ज्ञान

श्लोक

समः शत्रौ च मित्रे च तथा मानापमानयोः।
शीतोष्णसुखदुःखेषु समः स विवर्जितः॥

भावार्थ

श्री कृष्ण कहते हैं- जो शत्रु और मित्र में, मान और अपमान में, सर्दी और गर्मी में, सुख और दुःख में समान रहता है तथा आसक्ति से मुक्त है, वही श्रेष्ठ योगी है।

सीधी जागरण
दैनिक जागरण रीवा 17 मार्च 2026 www.dainikjagranmpcg.com
11 राज्य 31 संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

सूर्य उदय - अस्त
06.09 अस्त : आज
06.15 उदय : कल

शहर का तापमान
37.0 ⁰ अधिकतम
17.0 ⁰ न्यूनतम

खेल शुल्क के बजट में वर्षों से चल रहा गोलमाल

जागरण मनमानी

खेलों में निजी स्कूलों की सहभागिता औपचारिक

स्पोर्टस के नाम पर की जाती है मोटी शुल्क वसूली

जागरण, सीधी

जिले में खेल शुल्क के नाम पर वर्षों से गोलमाल चल रहा है। विद्यार्थियों से काफी सख्ती के साथ खेल शुल्क की वसूली की जाती है लेकिन अधिकांशतः स्कूलों में खेल की कोई सुविधा नहीं मिलती। खेलों को बढ़ावा देने की मंशा से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा हर साल कई तरह के खेलों का आयोजन किया जाता है। लेकिन सीधी जिले की स्थिति देखें तों इनमें निजी स्कूलों की सहभागिता न के बराबर होती है। निजी स्कूल स्पोर्ट्स के नाम पर मोटी फीस वसूल तो करते हैं लेकिन खेल का यह पैसा कहां जाता है इसकी जानकारी नहीं मिलती। एक-दो स्कूलों को छोंड़ दें तो अन्य में खेल गतिविधियां शून्य हैं। जबकि खेलों के नाम पर हर साल स्कूल लाखों रुपए विद्यार्थियों से खेल शुल्क के नाम पर वसूलते हैं। मालूम रहे कि शासन के नियमानुसार किसी भी स्कूल की 100 प्रतिशत खेल फीस में से 45 प्रतिशत राशि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं 15 प्रतिशत राशि भोपाल स्कूल शिक्षा विभाग को भेजने का प्रावधान है। हैरत की बात तो यह है कि कुछ वर्षों से यह राशि शासकीय स्कूल भी जमा नहीं कर रहे हैं। वहीं जिस नाम से यह शुल्क ली जाती है उन बच्चों को भी खेल नहीं खिलाए जाते हैं। ऐसे में जिला एवं संभाग स्तर की प्रतियोगिताओं में इन्हें शामिल नहीं करने पर सवाल उठता है। बताया गया है कि जिले की निजी सकूलों के द्वारा बीते चार वर्षों से खेल शुल्क जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा नहीं की गई है। जिससे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से राज्य शासन के कोष में भी यह राशि जमा नहीं हो पाई है। खेल के साथ स्काउट, रेड क्रास की अंशदान राशि भी स्कूलों द्वारा जमा नहीं की गई है। जिले में करीब तीन सैकड़ा से ज्यादा निजी स्कूल संचालित हैं। पिछले वर्ष 5 स्कूलों द्वारा ही जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में खेल शुल्क की राशि जमा की गई थी। अन्य स्कूलों से विद्यार्थियों से राशि की वसूली तो हर वर्ष हो रही है किंतु राशि को जमा करना जरूरी नहीं समझा जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा भी इस बड़ी मनमानी पर कोई कार्रवाई करना उचित नहीं समझ जा रहा है। इस वर्ष भी स्कूलों द्वारा खेल शुल्क की राशि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा नहीं की गई। निजी स्कूलों के साथ ही शासकीय स्कूलों की भी खेल शुल्क की राशि में गोलमाल करने का खेल सालों से चल रहा है। यदि इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा सख्ती शुरू कर दी जाए तो स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों से वसूली गई खेल शुल्क की राशि जमा होना शुरू हो जाए।

स्कूलों में खेल शिक्षकों का अभाव

जिले की अधिकांश स्कूलों में खेल शिक्षकों का अभाव होने के कारण खेल की गतिविधियां नियमित रूप से नहीं हो पाती। यह अवश्य है कि कुछ स्कूलों में खेल के नाम पर शैक्षणिक सत्र के आखिरी के महीनों में कुछ औपचारिकताएं निभा ली जाती हैं। स्कूलों में खेल शिक्षकों की कमी के चलते विद्यार्थियों को भी खेल की बारीकियों को सीखने का अवसर नहीं मिल पाता। यदि कुछ विद्यार्थियों में खेल को लेकर दिलचस्पी है तो वह इसकी पूर्ति स्कूल की बजाए बाहर करते हैं। यदि स्कूलों में खेल शिक्षकों की पदस्थापना रहे तो निश्चित ही सीधी जिले के कई विद्यार्थी खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। खेल की दिलचस्पी रखने वाले विद्यार्थियों को स्कूलों में सही प्रशिक्षण एवं अवसर न मिलने के कारण उनकी खेल प्रतिभा बाहर नहीं आ पाती। जिले के विद्यार्थी बगैर खेल शिक्षक के कैसे खेल खेलना सीखें यह भी चिंता का विषय है। सीधी जिले में करीब ढ़ाई हजार स्कूलों के बीच मात्र 16 खेल शिक्षक सरकारी स्कूलों में पदस्थ हैं। खेल शिक्षकों के अभाव के चलते विद्यार्थी चाह कर भी अपने खेल में निखार नहीं ला पाते। वहीं अधिकांश निजी स्कूलों में भी खेल शिक्षकों की व्यवस्था नहीं है। निजी स्कूलों में किसी शिक्षक के जिम्मे ही खेल कार्यक्रमों की जिम्मेदारी सौंप दी जाती है जिसको स्वतः खेल के संबंध में कोई जानकारी नहीं होती। इसी वजह से प्रशिक्षित खेल शिक्षक न होने के कारण निजी स्कूलों की खेल गतिविधियों में जो सहभागिता होनी चाहिए वह सीधी जिले में नजर नहीं आती। खेल के नाम पर सरकारी एवं निजी स्कूलों में केवल औपचारिकताएं ही निभाने का सिलसिला सालों से शुरू है।

> खेल शुल्क की राशि जमा करने के लिए सभी निजी स्कूल संचालकों को निर्देशित किया गया है। इसके बाद भी यदि राशि जमा नहीं की जाती तो नियमानुसार विद्यालय की मान्यता समाप्त करने की कार्रवाई की जावेगी।
> **पवन कुमार सिंह**
> **जिला शिक्षा अधिकारी सीधी**

सांदीपनि स्कूल सेमरिया के सामने छात्रों ने की मारपीट

जागरण, सीधी। शासकीय सांदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के गेट के सामने परीक्षा देने पहुंचे एक छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को कक्षा 11वीं का छात्र परीक्षा देने के लिए स्कूल पहुंचा था। इसी दौरान आधा दर्जन से अधिक बाइक सवार युवक अचानक वहां पहुंचे और छात्र को घेरकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावरों ने छात्र को लात-घूंसों से पीटा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि घटना स्कूल गेट के सामने हुई, बावजूद इसके हमलावर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देते रहे। कुछ लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि मारपीट की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पीड़ित छात्र सेमरिया क्षेत्र के ही एक गांव का निवासी बताया जा रहा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। दिनदहाड़े इस तरह की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। लोगों का कहना है कि बदमाशों में पुलिस का जरा भी खौफ नहीं है।

> स्कूली बच्चे हैं, मारपीट की शिकायतें हमारे पास अभी तक नहीं आई है। किसी पक्ष द्वारा यदि थाने में शिकायत दर्ज कराई जाएगी तो जांच कराकर जो दोषी होंगे उन पर कार्रवाई करेंगे। फिलहाल इस मामले में कोई शिकायत पुलिस तक नहीं पहुंची है।
> **केदार परौहा, थाना प्रभारी सेमरिया**

शहर एवं ग्रामीण अंचल की खबरें

मारपीट के आरोपियों को 1-1 वर्ष का कारावास व अर्थदण्ड

जागरण, सीधी। मारपीट के आरोपियों को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी की न्यायालय के द्वारा 1-1 वर्ष का कारावास व अर्थदण्ड की सजा से सुनाई गई है। बताया गया कि फरियादी दयानंद पाण्डेय पिता बाबूलाल पाण्डेय उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम पतुलखी ने दिनांक 9 जनवरी 2023 को इस आशय की प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध कराई कि दिनांक 8 जनवरी 2023 को 8 बजे के लगभग उसकी छोटी बहन ममता पाण्डेय अपने घर के सामने खेत में सुबह 8 बजे गाय बांध रही थी उसी समय गंगा पाण्डेय आये और मां-बहन की गंदी-गंदी गालियां देते हुये बोले कि यहां खेत में गाय क्यों बांध रही हो। तब बहन बोली की हमेशा बांधती थी इसी कारण बांध रही हूं। तब गंगा पाण्डेय हाथ में लिये टांगी से बहन ममता पाण्डेय के सिर में मारा, जिससे सिर कट गया और खून बहने लगा तथा अभियुक्त रानी पाण्डेय पति लल्लू पाण्डेय आकर बहन ममता पाण्डेय को लात मुक्का से मारपीट करने लगी तथा मारपीट कर जाते समय दोनो बोल रहे थे कि अभी कम मारा है। दुबारा खेत में मवेशी बांधोगी तो जान से खत्म कर दूंगा, कहते दोनों अपने घर चले। उक्त सूचना के आधार पर थाना बहरी, जिला सीधी में अपराध क्रमांक 5/23 अंतर्गत धारा 294, 324/34 एवं 506 भाग-2 भादंसं पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना उपरांत अभियोग पत्र इस न्यायालय में पेश किया गया। जिसके न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 588/2023 में शासन की ओर से पैरवी करते हुए सहायक जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती पूजा गोस्वामी के द्वारा अभियुक्तगण को संदेह से परे प्रमाणित कराया गया, जिसके परिणामस्वरूप न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी की न्यायालय के द्वारा अभियुक्तगण गंगा पाण्डेय पिता शोभनाथ पाण्डेय उम्र 75 वर्ष एवं रानी पाण्डेय पति लल्लू पाण्डेय उम्र 36 वर्ष दोनों निवासी ग्राम पतलुखी थाना बहरी जिला सीधी मप्र को धारा 324/34 के अंतर्गत एक-एक वर्ष का सश्रम कारावास एवं एक-एक हजार रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।

सेमरिया में पांचवा साहित्यिक महोत्सव कल

जागरण, सेमरिया। सेमरिया अंचल में साहित्यिक सृजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पांचवीं बार सेमरिया महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 19 मार्च को स्थानीय सारा उत्सव घर में आयोजित होगा, जिसमें लोक कला, साहित्य और संस्कृति का संगम देखने को मिलेगा। कार्यक्रम के आयोजक अंचित गौतम ने बताया कि उनका जुड़ाव संगीत और कला से रहा है, लेकिन सेमरिया क्षेत्र को साहित्यिक धारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में इस बार भी भव्य साहित्यिक आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव का मुख्य आकर्षण अखिल भारतीय कवि सम्मेलन होगा, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से प्रसिद्ध कवि अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इनमें राजस्थान के हास्य कवि पार्थ नवीन, टीवी शो वाह भाई वाह से प्रसिद्ध कामता माखन, हाथरस उत्तर प्रदेश के ओज कवि राणा मुनिप्रताप, कटनी की श्रृंगार कवयित्री प्रियंका मिश्रा तथा सीधी के गीतकार अतुल उपाध्याय शामिल होंगे। आयोजक अंचित गौतम ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी विंध्य क्षेत्र की गौरवशाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। इस आयोजन से न केवल स्थानीय कलाकारों को मंच मिलेगा, बल्कि क्षेत्र में साहित्यिक वातावरण को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

मोहनिया हनुमान मंदिर में संगीतमय श्रीराम कथा 23 से

जागरण, सीधी। चुरहट क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बदवार स्थित मोहनिया नाथ हनुमान मंदिर प्रांगण में सामूहिक श्रीराम कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 22 मार्च को सुबह 9 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके पश्चात 23 मार्च से 31 मार्च तक संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन मंदिर प्रांगण में किया जाएगा। यह स्थल मोहनिया घाटी के बीच सड़क किनारे स्थित है, जो चुरहट से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर है। कथा वाचन के लिए अयोध्या धाम से पधार रहे राष्ट्रीय प्रवक्ता पंडित आकाश जी महाराज द्वारा भक्तों को श्रीराम कथा का रसपान कराया जाएगा। आयोजन समिति ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार पहुंचकर कथा श्रवण करें और धर्म लाभ अर्जित करें। इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

शानो शौकत के साथ मनेगा ईदुल फितर का त्योहार

जागरण, सीधी। मध्यप्रदेश मुस्लिम पिछड़ा वर्ग विकास परिषद के जिला सीधी के अध्यक्ष जनाब रनशेर अली खान बाबू भाई द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार ईदुल फितर का त्यौहार चांद दिखने की तस्दीक होने पर दिनांक 20 मार्च 2026 यानि शुक्रवार को मनाया जावेगा, चांद की तस्दीक न होने पर ईद का त्यौहार 21 मार्च 2026 दिन शनिवार को बड़ी शान व शौकत के साथ मनाया जावेगा। ईद की नमाज ईदगाह में सुबह 8:30 बजे पर मुकर्रर समय पर आली जनाब इमाम गौश साहब के जेरे इमामत में अदा होगी। साथ ही जो दूर दराज पास, पड़ोस के चंद मुस्लिम नमाजी किसी कारणवश छूट जायेगे, तो सीधी शहर के जामा मस्जिद में 9:00 बजे अदा कराई जायेगी। यही महीने में कुरान नाजिल हुई थी, ये महीना बहुत मुबारक महीना है, एक नेकी का सत्तर नेकी अता किया जाता है। यह त्यौहार मुस्लिम भाइयों का एक मात्र रमजानुल मुबारक के रोजा रखने पर अल्लाह की शुक्रिया अदा की जाती है। इस मुबारक महीने में नेकी का दरवाजा खुला रहता है। इसमें जिला प्रशासन/पुलिस प्रशासन/नगर प्रशासन का भरपूर सहयोग प्रति वर्ष किया जाता है, जो इस वर्ष भी इस उम्मीद की निर्धारित तिथि पर शहर की साफ-साफाई पेयजल व्यवस्था एवं विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से कराये जाने ईदगाह में टेन्ट व्यवस्था, माइक आदि की अपील की जाती है, शान्ति, भाई-चारा, अमर चैन के साथ ईदुल फितर की नमाज अदा की जावेगी।

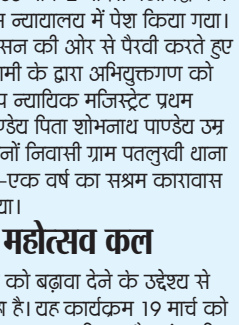

बाबूलाल पाण्डेय के निधन पर शोक की लहर

जागरण, सीधी। रामपुर नैकिन जनपद के कपुरी कोठार पंचायत के उपसरपंच सोमू प्रशांत पाण्डेय के ससुर व कपुरी पवाई निवासी वरिष्ठ समाजसेवी बाबूलाल पाण्डेय ऊर्फ बैझनाथ पाण्डेय का 74 वर्ष की उम्र में बीते सोमवार को भोपाल के निजी अस्पताल मे उपचार के दौरान दुःखद निधन हो गया। निधन की जानकारी लगते ही गांव व क्षेत्र मे शोक की लहर छा गयी। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर सदा सदा के लिए इस संसार से विदा हो गए। श्री पाण्डेय का पार्थिव शरीर मंगलवार की सुबह भोपाल से गृह ग्राम कपुरी लाया गया। पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन करने सुबह से 11 बजे तक हुजूम लगा रहा। अंतिम संस्कार उनके बड़े पुत्र विकास पाण्डेय द्वारा किया गया। इस दौरान हजारों की संख्या मे लोग उपस्थित थे।

4 एसडीएम सहित 11 नायब तहसीलदारों का तबादला

जागरण, सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा प्रशासनिक कार्य व्यवस्था की दृष्टि से जिले में 4 एसडीएम एवं 11 नायब तहसीलदारों का स्थानांतरण किया है। विकास कुमार आनंद संयुक्त कलेक्टर उपखंड अधिकारी कुसमी को उपखंड अधिकारी चुरहट, सुश्री प्रिया पाठक डिप्टी कलेक्टर एवं उपखंड अधिकारी सिहावल को नगर पालिका अधिकारी सीधी एवं अन्य प्रभार, राकेश शुक्ला प्रभारी डिप्टी कलेक्टर उपखंड अधिकारी गोपद बनास को सिहावल में उपखंड का अतिरिक्त प्रभार एवं शैलेश द्विवेदी प्रभारी डिप्टी कलेक्टर एवं उपखंड अधिकारी चुरहट को उपखंड अधिकारी कुसमी में पदस्थ किया गया है। इसी तरह जारी आदेश के तहत नायब तहसीलदारों का भी स्थानांतरण किया गया है। जिसमें श्रीमती बेदवती सिंह नायब तहसीलदार मझौली को कलेक्टर कार्यालय सीधी सीएम हेल्पलाईन के शाखा में पदस्थ किया गया। वहीं अमित दुबे को वृत्त पोंडी तहसील कुसमी से नायब तहसीलदार वृत्त गिर्द द्वितीय तहसील गोपद बनास, धनकुंवर टोप्पो प्रभारी नायब तहसीलदार वृत्त गिजवार तहसील मड़वास को कलेक्टर कार्यालय सीधी सीएम हेल्पलाईन शाखा में नोडल अधिकारी बनाया गया है। परमसुख बंसल प्रभारी तहसीलदार सिहावल को नायब तहसीलदार वृत्त रामपुर नैकिन में पदस्थ किया गया। इसी तरह महेन्द्र कुमार द्विवेदी प्रभारी नायब तहसीलदार वृत्त रामपुर नैकिन को प्रभारी नायब तहसीलदार वृत्त पोंड़ी तहसील कुसमी, जय प्रकाश पाण्डेय प्रभारी नायब तहसीलदार वृत्त कुबरी तहसील बहरी को तहसील सिहावल, उपेन्द्र कुमार द्विवेदी प्रभारी नायब तहसीलदार कलेक्टर कार्यालय सीधी से वृत्त गिजवार तहसील मड़वास, गणेश प्रसाद पाण्डेय प्रभारी नायब तहसीलदार कलेकटर कार्यालय सीधी से तहसीलदार वृत्त कुबरी तहसील बहरी, दीनबंधु प्रजापति प्रभारी नायब तहसीलदार कलेक्टर कार्यालय सीधी से वृत्त भुईमाड़ तहसील कुसमी, मनोज कुमार द्विवेदी प्रभारी नायब तहसीलदार कलेक्टर कार्यालय सीधी से वृत्त जोबा तहसील मझौली, हंशराज सिंह प्रभारी नायब तहसीलदार कलेक्ट्रेट कार्यालय सीधी से प्रभारी नायब तहसीलदार तहसील चुरहट में स्थानांतरित किया गया है।

सीईओ जिला पंचायत ने सुनी 122 आवेदकों की समस्याएं

जागरण, सीधी। जिला पंचायत सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए 122 आवेदकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदन पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर समस्याओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली तथा शीघ्र एवं पारदर्शी निराकरण के निर्देश दिए। सीईओ ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिन आवेदनों में समय-सीमा निर्धारित है, उन्हें विभागीय अधिकारी प्राथमिकता के साथ लेते हुए तत्काल समाधान सुनिश्चित करें। साथ ही हितग्राही को समय पर सूचना देना भी अनिवार्य है। उन्होंने निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों पर संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्रवाई की जाए, जिससे आम नागरिकों को त्वरित राहत मिल सके। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं सभी उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

मारपीट के आरोपियों को 1-1 वर्ष का कारावास व अर्थदण्ड

जागरण, सीधी। मारपीट के आरोपियों को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी की न्यायालय के द्वारा 1-1 वर्ष का कारावास व अर्थदण्ड की सजा से सुनाई गई है। बताया गया कि फरियादी दयानंद पाण्डेय पिता बाबूलाल पाण्डेय उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम पतुलखी ने दिनांक 9 जनवरी 2023 को इस आशय की प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध कराई कि दिनांक 8 जनवरी 2023 को 8 बजे के लगभग उसकी छोटी बहन ममता पाण्डेय अपने घर के सामने खेत में सुबह 8 बजे गाय बांध रही थी उसी समय गंगा पाण्डेय आये और मां-बहन की गंदी-गंदी गालियां देते हुये बोले कि यहां खेत में गाय क्यों बांध रही हो। तब बहन बोली की हमेशा बांधती थी इसी कारण बांध रही हूं। तब गंगा पाण्डेय हाथ में लिये टांगी से बहन ममता पाण्डेय के सिर में मारा, जिससे सिर कट गया और खून बहने लगा तथा अभियुक्त रानी पाण्डेय पति लल्लू पाण्डेय आकर बहन ममता पाण्डेय को लात मुक्का से मारपीट करने लगी तथा मारपीट कर जाते समय दोनो बोल रहे थे कि अभी कम मारा है। दुबारा खेत में मवेशी बांधोगी तो जान से खत्म कर दूंगा।

जिले में विभिन्न कार्यालय परिसरों के 100 मीटर क्षेत्र को कोलाहल प्रतिबंधित घोषित

उल्लंघन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा-223 के तहत होगी कार्रवाई

जागरण, सीधी

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी ने आदेश जारी कर मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 की धारा-18 के तहत जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यालय परिसरों के 100 मीटर की परिधि को कोलाहल प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया है। आदेश में उल्लेख किया गया है कि प्रायः व्यक्तियों, संस्थाओं एवं राजनीतिक दलों द्वारा धरना-प्रदर्शन किए जाने से आम नागरिकों को असुविधा, लोक शांति भंग होने तथा शासकीय कार्य में व्यवधान उत्पन्न होने की संभावना बनी रहती है। ऐसी परिस्थितियों के निवारण हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए यह निषेधात्मक आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर, कलेक्टर कार्यालय परिसर, जिला चिकित्सालय परिसर, संजय गांधी महाविद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय, बिडला अस्पताल, उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1 एवं 2, शासकीय कन्या महाविद्यालय, शासकीय कन्या स्कूल कोटहा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अमिलिया, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिनौती, उप स्वास्थ्य केन्द्र बहरी, सिविल न्यायालय चुरहट, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चुरहट, सिविल न्यायालय रामपुर नैकिन, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर नैकिन, सिविल न्यायालय मझौली एवं कुसमी क्षेत्र के 100 मीटर दायरे को कोलाहल प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है। उक्त आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा-223 के तहत विधि अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

लोकसभा में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने रखी क्षेत्रीय मांगें

प्रधानमंत्री एवं रेल मंत्री का जताया आभार

मड़वास को अमृत स्टेशन विकसित करने की मांग

जागरण, सीधी

सीधी लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने आज लोकसभा में रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों 2026 पर चर्चा के दौरान देश में हो रहे अभूतपूर्व अधोसंरचनात्मक विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा रेलवे के ऐतिहासिक कायाकल्प के लिए रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया। सांसद डॉ. मिश्रा ने अपने संसदीय क्षेत्र से भोपाल के लिए नियमित रेल सेवा प्रारंभ किए जाने पर विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ ही उन्होंने सीधी, सिंगरौली एवं ब्यौहारी क्षेत्र की विभिन्न महत्वपूर्ण मांगें सदन में रखीं, जिनमें मड़वास स्टेशन को अमृत स्टेशन के रूप में विकसित करना, शंकरपुर-भदौरा स्टेशन का उन्नयन, विजयसोता ब्यौहारी के बीच छुही ग्राम में आरयूबी निर्माण, प्रमुख ट्रेनों का विजयसोता में स्टॉपेज, गजराबहरा व सरई में आरओबी निर्माण, सिंगरौली-निजामुद्दीन ट्रेन का नियमितीकरण, सिंगरौली से इंदौर एवं प्रयागराज के लिए नई रेल सेवाएं, सीधी-शहडोल नई रेल लाइन का सर्वे तथा ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना से प्रभावित युवाओं को रोजगार प्रदान करना शामिल है। साथ ही उन्होंने रेलवे में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, जैसे महुआ से बने पौष्टिक उत्पादों को आहार में शामिल करने तथा आजीविका मिशन के उत्पादों की खरीद सुनिश्चित करने की भी मांग रखी। सांसद डॉ. मिश्रा ने क्षेत्र में बेहतर रेल सुविधाओं के लिए केंद्र सरकार से इन मांगों पर सकारात्मक विचार करने का आग्रह किया।

कृषि कार्य के लिए ट्रैक्टर ट्राली का नहीं हो रहा रजिस्ट्रेशन

ट्रैक्टर ट्राली का पंजीयन जबलपुर से कराने की मजबूरी

दो वर्ष से ऑनलाइन पोर्टल में बनी बड़ी समस्या

जागरण, सीधी

कृषि कार्य के लिए ट्रैक्टर ट्राली का पंजीयन न होने से किसानों का भटकाव काफी बढ़ गया है। तत्संबंध में एक एजेंसी संचालक का कहना था कि जिला परिवहन विभाग से ट्रैक्टर ट्राली का कृषि कार्य के लिए पंजीयन इस वजह से नहीं हो पा रहा है क्योंकि एचएसआरपी नंबर प्लेट पोर्टल से नहीं कट पा रहा है। इसकी सुविधा उपलब्ध नहीं है। यह दीगर बात है कि किसी अन्य तरीके से जबलपुर से ट्रैक्टर ट्राली का कृषि कार्य के लिए पंजीयन हो रहा है। वहां भी सही तरीके से पंजीयन नहीं होता लेकिन पोर्टल में कृषि कार्य के लिए ट्रैक्टर ट्राली दर्ज होना पोर्टल में प्रदर्शित होने लगता है। जबलपुर से उक्त सुविधा दलालों के माध्यम से मिल रही है। लेकिन इस कार्य के लिए करीब 15 हजार रुपए लिए जा रहे हैं। यदि यह सुविधा स्थानीय जिला परिवहन कार्यालय में उपलब्ध हो जाए तो 3 हजार से 3500 रुपए में कृषि कार्य के लिए ट्रैक्टर ट्राली का पंजीयन होना आसानी से शुरू हो जाएगा। जिला परिवहन कार्यालय सीधी के साथ ही सिंगरौली एवं रीवा में भी ट्रैक्टर ट्राली का कृषि कार्य के लिए पंजीयन नहीं हो रहा है। यह अवश्य है कि ट्रैक्टर ट्राली का व्यवसायिक के रूप में आसानी से पंजीयन हो रहा है। अधिकांश ट्रैक्टर खरीदने वाले किसान होते हैं इस वजह से वह अपनी ट्रैक्टर ट्राली का पंजीयन भी कृषि कार्य के लिए कराते हैं। कृषि कार्य के लिए ट्रैक्टर ट्राली का पंजीयन होने पर उसमें शुल्क भी काफी कम होता है। यदि उसी ट्रैक्टर ट्राली का पंजीयन व्यवसायिक के रूप में होगा तो उसमें किसानों को शुल्क भी काफी ज्यादा देना पड़ेगा। इसी वजह से अधिकांश किसान ट्रैक्टर ट्राली का पंजीयन कृषि कार्य के लिए ही कराते हैं। जिससे उन्हें अनावश्यक रूप से शुल्क जमा करने की मजबूरी निर्मित न हो। किंतु प्रदेश स्तर से परिवहन पोर्टल में ट्रैक्टर ट्राली के लिए एचएसआरपी नंबर प्लेट न कटने के कारण यह समस्या करीब दो वर्षों से बनी हुई है। उक्त समस्या के चलते सीधी जिले के जो किसान ट्रैक्टर की खरीदी करना चाहते हैं उनके समक्ष यह बड़ी समस्या सामने होने के कारण उनकी दिलचस्पी भी काफी कम हो रही है।

पुराने वाहनों के ट्रांसफर में भी बड़ा व्यवधान

ऐसे पुराने वाहन जो कि वर्षों पूर्व खरीदे गए थे और उस दौरान रजिस्ट्रेशन के दौरान एचएसआरपी नंबर प्लेट पोर्टल में कटने की सुविधा नहीं थी अब उनके ट्रांसफर में बड़ा व्यवधान आ रहा है। वाहन के ट्रांसफर कराने से पूर्व वाहन मालिक को एचएसआरपी नंबर प्लेट पोर्टल से कटाना अनिवार्य है। इसके बाद ही वाहन दूसरे को ट्रांसफर हो सकता है। साथ ही जो पूर्व में मैसी टैफे ट्रैक्टर बिकता था वह अब टैफे फार्म में कन्वर्ट हो चुकी है। इस वजह से जो पुराने मैसी टैफे ट्रैक्टर मालिक हैं यदि वह दूसरे के नाम से अपने वाहन को ट्रांसफर कराते हैं तो वह नहीं हो पा रहा है। कारण कि अब मैसी टैफे ट्रैक्टर का नाम टैफे फार्म हो चुका है। इस वजह से पोर्टल में यह सुविधा ही नहीं है कि पुराने मैसी टैफे ट्रैक्टर की एचएसआरपी नंबर प्लेट पोर्टल से कटाया जा सके। जब तक यह सुविधा पोर्टल में मुहैया नहीं होती तब तक मैसी टैफे ट्रैक्टर मालिक अपने वाहन का ट्रांसफर भी नहीं करा सकते हैं। तत्संबंध में जानकारों का कहना है कि प्रदेश के परिवहन पोर्टल में कई तकनीकि कमियों के चलते लोगों को विभिन्न समस्याओं का सामना लंबे समय से करना पड़ रहा है। उक्त समस्या का स्थाई समाधान पोर्टल में मौजूदा कमियों को दूर करने से ही हो सकेगी।

महापौर जनसुनवाई में 40 आवेदनों पर हुई सुनवाई

जागरण, कटनी। नगर निगम कटनी में आयोजित साप्ताहिक महापौर जनसुनवाई इस बार महज शिकायतों के निराकरण तक सीमित नहीं रही बल्कि यह नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधे संवाद का सशक्त एवं प्रभावी मंच बनकर उभरी है। मंगलवार को मेयर इन काउंसिल कक्ष में आयोजित जनसुनवाई में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं और सुझावों के माध्यम से शहर के विकास में सहभागिता भी सुनिश्चित की। सुबह 11 बजे प्रारंभ हुई जनसुनवाई में जलभराव, पेयजल संकट, स्वच्छता व्यवस्था, सड़कों की मरम्मत, अतिक्रमण, स्ट्रीट लाइट और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े मुद्दे प्रमुख रूप से सामने आए। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कई मामलों में मौके पर ही त्वरित निर्णय लेते हुए समाधान कर संबंधितों को राहत प्रदान की। जनसुनवाई के दौरान महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे केवल औपचारिकता या कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहें बल्कि समस्याओं के वास्तविक और स्थायी समाधान के लिए जमीनी स्तर पर सक्रियता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का मूल उद्देश्य नागरिकों को बार बार कार्यालयों के चक्कर लगाने से मुक्ति दिलाना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध एवं पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित करना है।

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कुल 40 आवेदन प्राप्त हुएए जिनमें से कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। महापौर श्रीमती सूरी ने कहा कि नगर निगम प्रशासन नागरिकों के विश्वास और संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। जनसुनवाई इसी विश्वास को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करने और प्राथमिकता के आधार पर उनका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि शहरवासियों को नगर निगम के माध्यम से बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें।

मातंगी धाम की भव्य शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

सनातन धर्म के संरक्षण का दिया संदेश

जागरण गोहपारू। सीमावर्ती क्षेत्र स्थित माइन्स कॉलोनी में चल रहे आध्यात्मिक उत्सव के तहत मातंगी धाम के तत्वावधान में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शाम 5 बजे सरस्वती शिशु मंदिर से प्रारंभ हुई इस शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे नगर में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। शोभायात्रा के दौरान पूरा नगर भगवामय नजर आया और चारों ओर जयकारों की गूंज सुनाई देती रही। श्रद्धालु भक्ति भाव से झूमते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में सनातन धर्मावलंबी इस आयोजन में शामिल हुए।मातंगी धाम के प्रेमासाईं ने बताया कि यह शोभायात्रा सनातन धर्म के संरक्षण और समाज को एक सूत्र में जोड़ने के उद्देश्य से निकाली गई है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक जागरूकता और एकता का संदेश जाता है।शोभायात्रा सरस्वती शिशु मंदिर से प्रारंभ होकर हनुमान मंदिर, काली मंदिर, पीपल चौक सहित नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः सरस्वती शिशु मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जगह-जगह स्वागत कर धर्म ध्वजा के साथ यात्रा में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। थाना प्रभारी विकास सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल नगर के प्रमुख चौराहों पर मुस्तैद रहा, जिससे शोभायात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सकी। साथ ही नगर पालिका के द्वारा दूर दराज से शोभायात्रा में सम्मिलित होने के आये लोगों के लिए भी वाहन की व्यवस्था की गई थी जिससे कि लोगों को वाहन के माध्यम से यज्ञ दिव्य दरबार तक पहुंचाया जा सके।आयोजन समिति ने पुलिस प्रशासन, नगरीय प्रशासन नगरवासियों, युवाशक्ति और मातृशक्ति के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी लोगों को बधाई दी।

महानदी पुल के पास मिला नर कंकालः कटनी। बरही थाना क्षेत्र के महानदी पुल के समीप मंगलवार को सुबह एक युवक का कंकाल देखे जाने के बाद समूचे क्षेत्र में खलबली निर्मित हो गई। बताया जाता है की जिस समय लगभग 40 वर्षीय युवक का कंकाल नदी में देखा गया उस समय मृतक के हाथ पांव बंधे हुए थे। मृतक के हाथ पांव बंधे होने के कारण समूचे क्षेत्र में हत्या की आशंका जताई जा रही है।

नाम सुधार सूचना

मै दीपांशु चतुर्वेदी तनय श्री संजय कुमार चतुर्वेदी उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम बहुरीबांध, थाना चोरहटा, तहसील हुजूर जिला रीवा म.प्र. का हूँ एवं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे विद्यालय के रिकार्ड में आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम दीपांशु चतुर्वेदी तनय श्री संजय कुमार चतुर्वेदी दर्ज है। यह कि गांव व घर में मुझे दीप चतुर्वेदी भी कहते है, दीप चतुर्वेदी तनय श्री संजय कुमार चतुर्वेदी एवं दीपांशु चतुर्वेदी तनय श्री संजय कुमार चतुर्वेदी निवासी ग्राम बहुरीबांध थाना चोरहटा, तहसील हुजूर जिला रीवा म.प्र. एक ही व्यक्ति का नाम हैं अर्थात मैं हूँ।

दिनांक 17.03.2026

RN- 83790 दीपांशु चतुर्वेदी

ॐ शान्तिः **शोक संदेश** ॐ शान्तिः

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि

लाल रमेश सिंह परिहार

(से. नि.वि.वि. अभियन्ता अ.प्र. सिंह.वि.वि. रीवा)

का देवलोकगमन दिनांक 07 मार्च 2026 दिन शनिवार को हो गया है। दिवंगत आत्मा की शांति हेतु वैदिक कार्यक्रम निम्नानुसार आयोजित है

कार्यक्रम विवरण

दशगात्र (शुद्ध)	17 मार्च 2026, मंगलवार
एकादशाह (कर्म) 'ग्राम कांकर से'	18 मार्च 2026, बुधवार
त्रयोदशाः एवं ब्राम्हण भोजन	20 मार्च 2026, शुक्रवार

शोकाकुलः
एड. लाल भगत सिंह, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. राकेश सिंह, पुत्र-पवित्र राज सिंह, पुन्य राज सिंह (महान) एवं समस्त शोकाकुल परिवार

मो. 9752715111, 7000411258

RN-85348

कार्यक्रम स्थलः आशियाना कांकर हाउस, मॉडल स्कूल के सामने, वि.वि. मार्ग, खुटेही, रीवा (म.प्र.)

कार्यालय नगर परिषद रामपुर बाघेलान जिला-सतना (म.प्र.)

Office No-07672-271336 E-mail:-cmorampurbaghelan@mpurban.gov.in

क्रमांक/582/न.प./ई-टेन्डर/2026 रामपुर बाघेलान दिनांक 16/03/2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है, कि नगर परिषद रामपुर बाघेलान द्वारा वर्ष 2026-27 हेतु विभिन्न सामग्रियां क्रय किया जाना है। जिस हेतु ई-निविदा प्रपत्र-सी निम्नलिखित तिथियों में ई-टेंडरिंग के माध्यम से तालिका में वर्णित सामग्रियों की ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यक्तियों द्वारा निविदा प्रपत्र क्रय डाउनलोड करने एवं निविदा से संबधित समस्त शर्ते एवं जानकारी वेबसाइट http://www.mptenders.gov.in से एवं कार्यालय नगर परिषद रामपुर बाघेलान से प्राप्त की जा सकती है। निविदा मे किसी प्रकार का संशोधन केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जावेगा।

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य का विवरण	निविदा राशि (365 दिवस हेतु)	धरोहर राशि (रू. में)	निविदा फार्म का शुल्क	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र भरने की अंतिम दिनांक
1	2	3	4	5	6	7
1.	2026_UAD_491322_1	हैण्डपम्प सामग्री	15.00 लाख	30000.00	2000.00	31.03.2026 समय 05.30 बजे तक
2.	2026_UAD_491322_2	जलप्रदाय सामग्री	25.00 लाख	30000.00	5000.00	
3.	2026_UAD_491322_3	विद्युत सामग्री	25.00 लाख	30000.00	5000.00	
4.	2026_UAD_491322_4	सफाई सामग्री	15.00 लाख	30000.00	2000.00	
5.	2026_UAD_491322_5	मुद्रण सामग्री	8.00 लाख	10000.00	2000.00	
6.	2026_UAD_491322_6	स्टेशनरी सामग्री	8.00 लाख	10000.00	2000.00	
7.	2026_UAD_491322_7	निर्माण सामग्री	15.00 लाख	30000.00	2000.00	

उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक 17.03.2026 समय 10:30 बजे से दिनांक 31.03.2026 समय 05:30 बजे तक बेवसाइट पर लागू प्रोसेसिंग शुल्क के ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त कर सकेंगे। विस्तृत निविदा सूचना तथा अन्य जानकारी कार्यालय में कार्यालयीन समय में एवं वेबसाईट http://wwwmptenders.gov.in पर से प्राप्त की जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जाएगा। **शर्तेः**-**1.** दरें केवल ऑनलाईन ही मान्य होगी। **2.** निविदा की शर्तों की पूर्ति के आभाव में निविदा अमान्य होगी एवं बंधनयुक्त निविदायें स्वीकार नहीं की जावेगी। **3.** विस्तृत जानकारी कार्यालयीन समय पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार मुख्य नगर पालिका अधिकारी के पास रहेगा।

(रामसखी कचेर)
अध्यक्ष
नगर परिषद रामपुर बाघेलान, जिला सतना (म.प्र.)

(अरुण कुमार श्रीवास्तव)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद रामपुर बाघेलान, जिला सतना (म.प्र.)

समाजसेवी मंजूषा गौतम को उत्तर प्रदेश में रक्तदाता सेवा समर्पण 2026 का मिला सम्मान

कटनी। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के दुद्धी नगर में आयोजित वीर बिरसा मुंडा रक्तदाता अंतरराष्ट्रीय सम्मान समारोह 2026 में समाज सेवी संस्था संघ मध्य प्रदेश कटनी से मुस्कान ड्रीम्स फाउंडेशन की सचिव संस्थापक एडवोकेट समाजसेवी मंजूषा गौतम को सोनभद्र के दुद्धी नगर में मुस्कान फाउंडेशन द्वारा आयोजित वीर बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय सम्मान समारोह सम्मान समारोह में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने पहुंची समाजसेवी मंजूषा गौतम को मुख्य अतिथि पदम श्री पुरस्कार लौंगी भुइयां जिन्होंने 30 साल तक पहाड़ को काटकर नहर निकली थी एवं आदिवासी नेता हरे राम चोरो विधायक दुद्धी नगर सोनभद्र एवं विशिष्ट अतिथि उड़ीसा की सीआईडी ऑफिसर संजुक्ता आचार्य चेयरपर्सन विकास अग्रहरि एवं पूर्व विधायक रूबी प्रसाद के द्वारा प्रमाण पत्र, मोमेंटो, मेडल, भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में देश-विदेश से आए 200 से भी अधिक रक्त वीरों वीरांगनाओं व समाजसेवियों को उनके उत्कृष्ट कार्यो को करने के लिए सम्मानित किया गया।

समाजसेवी मंजूषा गौतम वर्तमान समय में कटनी जिले से लेकर मध्य प्रदेश और भारतवर्ष के कोने कोने में अपने सामाजिक कार्यों के द्वारा परचम लहरा रही है। इनके द्वारा किया जाने वाला निःशुल्क शिक्षा, शैक्षिक जागरूकताए, अनाथ आश्रम, वृद्धाश्रम एवं शासकीय स्कूलों में निःशुल्क शिक्षण सामग्री भेंट करना एवं जरूरतमंद बच्चों की फीस भरना, रक्तदान, जरूरतमंदों को भोजन वस्त्र आदि का वितरण स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, दिव्यांग बेटियों की शादी करवाना, असहाय जरूरतमंदों झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले बच्चों की सेवा करने हेतु उन्हें उत्कृष्ट वरिष्ठ समाजसेवियों की श्रेणी में स्थान दिलाया है।

इश्तेहार

(उद्घोषणा)

हस्व धारा 109/110 म.प्र. भू राज संहिता न्यायालय तहसीलदार तहसील हुजूर जिला रीवा म.प्र. ग्राम पड़रा, तहसील हुजूर, जिला रीवा, मापक अंक खाता नं. खसरा नं. 177, भूमि खण्डन खसरा नं. X , क्षेत्रफल 0.3480 हे., माल गुजारी X , इसका इंद्राज शासकीय (दूरसंचार विभाग रीवा) नाम था अवधारा 109/110 मा.प्र.भू.रा. सं. के आधीन हस्तानंतरण के द्वारा जरिए आवंटन नाम भारत संचार निगम लिमिटेड निवास स्थान रीवा तहसील हुजूर जिला रीवा म.प्र. के नाम होना बताया गया है, अतः संबंधी जनों को सूचना दी जाती है कि उत्तराधिकारी के नाम भूमि स्वामी प्रमाणित किये जाने के विरोध में दिनांक 18.03.2026 तक अपनी आपत्ती प्रस्तुत करें।

आरएन-85343 **तहसीलदार तहसील हुजूर जिला रीवा म.प्र.**

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-मुख्यालय-2026-48

कार्य का नाम : झाँसी/वेस्ट- प्रोवीजन ऑफ़ डस्टबिन इन वेरियस लोकेशन इन वेस्ट रेलवे कॉलोनी अंडर एडीईएन एचक्यू - ।। झाँसी।

अनुमानित लागत रू : 6688630.85 | **अमानत राशि :** 133800.00

निविदा बन्द होने की तिथि : 13/04/2026 at 15:00 hrs.

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह

● निविदा दिनांक 13/04/2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 596/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

रजिस्ट्री सं.डी. एल.- 33004/99 REGD. No. D.L.- 33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-03032026-270656
CG-DL-E-03032026-270656
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II--खण्ड 3--उप-खण्ड(ii)
PART II--Section 3--Sub-section(ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1085] नई दिल्ली, मंगलवार, 3 मार्च, 2026/फाल्गुन 12, 1947
No. 1085] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 3, 2026/PHALGUNA 12, 1947

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
अधिसूचना
नई दिल्ली, 3 मार्च 2026

का. आ. **1137(E)**- केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने के पश्चात् कि मध्य प्रदेश राज्य के रीवा जिले के गाँव - डभौरा, सीगोटोला, रमगढवा, एवं पूछी, तालुक-जवा मे राष्ट्रीय राजमार्ग-135B के सिरमौर - डभौरा खंड के कि.मी. 36+700 से कि.मी. 73+813 तक के भू-खण्ड के निर्माण (चौड़ीकरण/पेव्ड शोल्डर सहित 2-लेन/4-लेन का बनाना आदि), अनुरक्षण, प्रबन्धन और प्रचालन के लोक प्रयोजन के लिए वह भूमि अपेक्षित है जिसका संक्षिप्त वर्णन नीचे अनुसूची में दिया गया है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

कोई भी व्यक्ति, जो उक्त भूमि में हितबद्ध है, उक्त अधिनियम की धारा 3ग की उप-धारा (1) के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के उपयोग पर राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर अपनी आपत्ति प्रकट कर सकेगा।

ऐसी प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी अर्थात् **अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जवा** को लिखित रूप मे प्रस्तुत की जाएगी और उसमें उसके आधार अधिकथित किए जाएंगे और सक्षम प्राधिकारी, आपत्तिकर्ता को व्यक्तिगत रूप मे या किसी विधिक पेशेवर द्वारा सुने जाने का अवसर देगा और ऐसी आपत्तियों की सुनवाई के पश्चात् तथा ऐसी और जाँच करने के पश्चात्, यदि कोई हो, जिसे सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे, आदेश द्वारा या तो आपत्तियों को अनुज्ञात कर सकेगा या अननुज्ञात कर सकेगा।

उक्त अधिनियम की धारा 3ग की उप-धारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा। इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली भूमि के रेखांक और अन्य ब्यौरे सक्षम प्राधिकारी के उक्त कार्यालय में उपलब्ध हैं और उनका हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा निरीक्षण किया जा सकता है।

अनुसूची

मध्य प्रदेश राज्य के रीवा जिले के गाँव - डभौरा, सीगोटोला, रमगढवा, एवं पूछी, तालुक-जवा मे राष्ट्रीय राजमार्ग-135B के सिरमौर - डभौरा खंड के कि.मी. 43+500 से कि.मी. 73+813 लिए अर्जन की जाने वाली संरचना रहित अथवा संरचना सहित भूमि का संक्षिप्त विवरण।

फाइल नंबर: CE-ROBPL/30010/77/23-24/3A
शेख अमीन खान, निदेशक

ज़िला: रीवा
https://egazette.gov.in
प्रकाशन तिथि:3 March 2026
https://egazette.gov.in
http://10.192.209.35

नोट : इस अधिसूचना की वास्तविक प्रति सीएएलए/पीआईयू/पीएमयू/आरओ/ईडी के कार्यालय में भी उपलब्ध है और भूमि मालिक वहां भी अधिसूचना देख सकते हैं।

जी-27518/25

कार्यालय कलेक्टर जिला रीवा एवं पदेन अपरसचिव मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

-: अधिसूचना :-

पत्र क्र.2066/भू-अर्जन/2026 रीवा दिनांक 20/02/2026

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है की इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके नीचे दिए गए सार्वजनिक/लोक प्रयोजन लिए आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यावस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी सम्बंधित व्यक्तियों की इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची खाने के (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के समबन्ध में धारा-11 की उपधारा 2 द्वारा दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है। साथ ही अधिनियम की धारा 11 (4) के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भमि का कोई संव्यवहार नहीं करेगा या कोई संव्यवहार नहीं कराएगा अथवा ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इस अध्याय के अधीन कार्यवाहियों के पूरा हो जाने के समय उस भूमि पर कोई विल्लंगम सृजित नहीं करेगा।

अनुसूची

भूमि का विवरण			लगभग क्षेत्रफल	धारा 12 के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक/लोक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम			
1	2	3	4	5	6
रीवा	सेमरिया	ओबरा	1.580 हे.	कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग क्र.1 जिला रीवा (म.प्र.)	रीवा सेमरिया रोड (S.H.-9) बसामन मामा से जदुआ, ककरेड़ी, मैनहा, जरमोड़ा, कुम्हरा, बरा, भमरा, सड़क निर्माण कार्य हेतु।

भूमि का नक्सा (प्लान) का अवलोकन कलेक्टर (भू-अर्जन शाखा) रीवा के कार्यालय में देखा जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(प्रतिभा पाल)
कलेक्टर
जिला रीवा एवं पदेन अपर सचिव
राजस्व विभाग

G-27542/25

कार्यालय कलेक्टर जिला रीवा एवं पदेन अपरसचिव मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

-: अधिसूचना :-

पत्र क्र.2048/भू-अर्जन/2026 रीवा दिनांक 20/02/2026

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है की इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके नीचे दिए गए सार्वजनिक/लोक प्रयोजन लिए आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यावस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी सम्बंधित व्यक्तियों की इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची खाने के (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के समबन्ध में धारा-11 की उपधारा 2 द्वारा दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है। साथ ही अधिनियम की धारा 11 (4) के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भमि का कोई संव्यवहार नहीं करेगा या कोई संव्यवहार नहीं कराएगा अथवा ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इस अध्याय के अधीन कार्यवाहियों के पूरा हो जाने के समय उस भूमि पर कोई विल्लंगम सृजित नहीं करेगा।

अनुसूची

भूमि का विवरण			लगभग क्षेत्रफल	धारा 12 के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक/लोक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम			
1	2	3	4	5	6
रीवा	सेमरिया	चौरा	1.768 हे.	कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग क्र.1 जिला रीवा (म.प्र.)	रीवा सेमरिया रोड (S.H.-9) बसामन मामा से जदुआ, ककरेड़ी, मैनहा, जरमोड़ा, कुम्हरा, बरा, भमरा, सड़क निर्माण कार्य हेतु।

भूमि का नक्सा (प्लान) का अवलोकन कलेक्टर (भू-अर्जन शाखा) रीवा के कार्यालय में देखा जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(प्रतिभा पाल)
कलेक्टर
जिला रीवा एवं पदेन अपर सचिव
राजस्व विभाग

G-27524/25

लापरवाही बरतने पर निगम के उप स्वच्छता पर्यवेक्षक रतन परिहार निलंबित : कटनी। नगर को स्वच्छ, सुंदर बनाने और आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण मे उत्कृष्ट रैंक हासिल करने हेतु निगम प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों के निर्वहन में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के कृत्य को अनुशासनहीनता की श्रेणी में मानते हुए निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने म.प्र.सिविल सेवा नियमों के तहत कार्यवाही करते हुए गुरुनानक वार्ड के उप स्वच्छता पर्यवेक्षक रतन परिहार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

पश्चिम मध्य रेल

यॉत्रिक शाखा ओपन टेंडर
सिंगल पैकेट सिस्टम
टेन्डर नोटिस संख्या. जबल-यॉत्रिक-टेन्डर-07-2026 दिनांक 13/03/2026

निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल यॉत्रिक इंजीनियर (कोचिंग), मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है । **निविदा सूचना क्रमांक :** जबल-यॉत्रिक-टेन्डर-07-2026 दिनांक 13/03/2026 **कार्य का नाम लोकशन सहित :** सी एंड डब्ल्यू रीवा के एबीसी प्रकार के अग्निशामक यंत्रों की रिफिलिंग, ओवरहालिंग, पेंटिंग और हाइड्रोलिक, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपये में :** Rs 860237.16, **ब्याना राशि रूपये में :** Rs 17200.00, **समापन अवधि :** 3 Years, **निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय :** 06/04/2026 11:00 Hrs, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय :** 06/04/2026 11:30 Hrs

उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी वेब साईट "https://fireps.gov.in" पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (यॉत्रिक) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिये कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी।

हस्ता.
मंडल रेल प्रबंधक (यॉत्रिक), पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

In The Court Of II Civil Judge Class-I, District Court Rewa
Presiding Officer श्रीमती आरती सिंह
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000037/2025)

भारती दुबे .... आवेदक
VS
शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक.......अनावेदक
Process Id:-/2026
पेशी दिनांक – 29/04/2026

प्रेषिती-
1. हर आम व खास पता-रीवा म.प्र.
2. आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक भारती दुबे पता ने मृतक निर्मला तिवारी पत्नी श्री अजय कुमार तिवारी निवासी वाणसागर कालोनी वार्ड नं. 25 रीवा तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) की राशि/ संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक /संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 29 अप्रैल 2026 को नियत है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 29 अप्रैल 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 25 फरवरी 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

यदि किसी कारणवस उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

मुद्रा
(आरती सिंह)
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, रीवा, जिला-रीवा (म.प्र.)

RN- 83791

10 सूत्रीय मांगों को लेकर मध्यप्रदेश लघु वेतन संघ ने ज्ञापन सौंपा

कटनी। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा कटनी के जिलाध्यक्ष पूर्णेश उइके एवं मीडिया प्रभारी अनिल पांडेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की अखिल भारतीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ एवं मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के संयुक्त आवाह्न पर आंदोलन के प्रथम चरण में भारत के समस्त जिलों में माननीय प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री भारत सरकार नई दिल्ली के नाम से 10 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जिला कलेक्टर के माध्यम से सौंपा गया है। उसी अनुक्रम में कटनी जिले में भी प्रदीप मिश्रा डिप्टी कलेक्टर को संघ कटनी के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया प्रमुख मांग 8वें वेतन आयोग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को कम से कम 40 प्रतिशत वेतन वृद्धि करते हुए केंद्र के समान राज्य कर्मचारी को भी लाभ प्रदान किया जाए।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज-शाखा) जिला रीवा (म.प्र.)

E-mail modgmrew@mp.gov.in

पत्र क्रमांक 368 /खनिज/2026 रीवा, दिनांक 06/03/202

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक रीवांचल सिलिका उद्योग पार्ट. विवेक गुप्ता निवासी वार्ड क्र. 05 लाईनपार पटहट रोड मोदी नगर शंकरगढ जिला प्रयागराज उ.प्र. द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 22/01/2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 30/03/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन पत्र ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/शासकीय	खनिज का नाम	रिमार्क
रीवा	त्योंथर	खम्हरा खुर्द	15	3.674 हे. मे से 3.000 हे.	शासकीय भूमि	एम सेण्ड	

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि इस प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

उप संचालक
(खनिज प्रशासन)
जिला रीवा, (म.प्र.)

जी-27541/25

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग क्र.01 रीवा जिला रीवा (म.प्र.)

संक्षिप्त निविदा विज्ञप्ति क्र.03/2025-26

क्रमांक 1939/ग्रा.यां.से./2026 रीवा, दिनांक 13/03/2026

मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद् पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधीन आदेश क्र. 1119/नरेगाएमपी/2020 भोपाल दिनांक 04.07.2020 के परिपालन में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्र. 01 एवं अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा रीवा मण्डल रीवा के अन्तर्गत पदस्थ कार्यपालन यंत्री एवं अधीक्षण यंत्री को निर्माण कार्यों के पर्यवेक्षण हेतु मासिक आधार पर वर्ष 2025-26 के लिये स्कार्पियो वाहन किराये पर उपलब्ध कराने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित कार्यों का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है :-

क्र.	ग्रा.यां.से. संभागीय कार्यालय	सिस्टम आई.डी.नम्बर	वाहन का प्रकार	वाहन की संख्या	अनुमानित लागत (लाख)	रिमार्क
1	संभाग क्र. 01 रीवा	2026_RES_490462	स्कार्पियो वाहन।	02	6.00	तृतीय आमंत्रण
			कुल योगः-		**6.00**	

उपरोक्त निविदाओं के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकते है। निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक 16.03.2026 से प्रारंभ होकर दिनांक 06.04.2026 समय 17:30 बजे शाम तक क्रय एवं निविदा प्रपत्र ऑनलाईन दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि निर्धारित है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है। संशोधन की सूचना अलग से प्रकाशित नहीं की जावेगी। संशोधन संबंधी सूचनाए केवल वेबसाईट पर ही अपलोड की जावेगी। समस्त निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम दिवस की प्रतीक्षा न करें। शीघ्रातिशीघ्र विड जमा करें। वेबसाईट में किसी प्रकार की असुविधा के लिए विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

कार्यपालन यंत्री,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग क्र.01 रीवा

G-27537/25

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

आवश्यकता है

सिक्यूरिटी गार्ड्स्, सिक्यूरिटी सुपरवाईजर, गनमैन तुरंत संपर्क करें:- कृष्णा कवच सिक्यूरिटी सर्विस, वार्ड नं. 15 सरदार पटेल काम्पलेक्स बाणसागर रोड, समान तिराहा के पास, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)
मो. नं. : 6263107475, 9755189198
RN.-G.M. Sir (20/3)

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

संक्षिप्त खबरें

एम्स ने आमजन को किया टीकाकरण के प्रति सजग

नगर संवाददाता, भोपाल। एम्स भोपाल निरंतर जनस्वास्थ्य से जुड़ी पहलों के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा दे रहा है। इसी क्रम में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अवसर पर संस्थान में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें टीकाकरण के महत्व और इससे होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बताया कि टीकाकरण के माध्यम से पोलियो, खसरा, डिप्थीरिया, टेटनस और हेपेटाइटिस जैसे कई रोगों से बचाव संभव है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्ध सभी टीके समय पर अवश्य लगवाएं। कार्यक्रम में चिकित्सकों, रेजिडेंट्स, नर्सिंग स्टाफ और विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। साथ ही उपस्थित लोगों को टीकाकरण से जुड़े मिथकों और तथ्यों के बारे में भी जानकारी दी गई, ताकि समाज में जागरूकता बढ़े और अधिक से अधिक लोग टीकाकरण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं।

कार्यशाला में हुई सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की चर्चा

भोपाल। वन्य जीव संस्थान देहरादून द्वारा ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क कंज़र्वेशन एरिया (जीएचएनपीसीए), साईरोपा कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) में 2 दिवसीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन 15-16 मार्च को किया गया। कार्यशाला में मध्यप्रदेश टाइगर फाउंडेशन बोर्ड (एमपीटीबी) द्वारा वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के लिए तैयार किए जा रहे नामांकन डोजियर की समीक्षा की गई। डोजियर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए तैयार किया जा रहा है। यह पहल सतपुड़ा क्षेत्र की वैश्विक स्तर पर पहचान स्थापित करने के साथ-साथ इसके संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और सतत पर्यटन को भी नई दिशा प्रदान करेगी।

सरपंच से रिश्वत लेते पंचायत सचिव रंगे हाथों पकड़ाया

जागरण, उज्जैन। लोकायुक्त ने पंचायत सचिव एवं उसके साथी ठेकेदार को 30000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। पंचायत सचिव ने सरपंच से राशि स्वीकृत करने के नाम पर 45000 रुपए की रिश्वत की मांग की थी। लोकायुक्त निरीक्षक दीपक सेजवार ने बताया कि ग्राम बोरदा मांडा के सरपंच राजेश चतुर्वेदी ने एसपी लोकायुक्त उज्जैन को शिकायत दर्ज की थी कि उसके द्वारा ग्राम पंचायत बोरदा मांडा में निर्माण कार्य कराए गए हैं, लेकिन ग्राम पंचायत सचिव दरबार सिंह राठौड़ द्वारा राशि स्वीकृति के लिए 45000 रुपए की रिश्वत की मांग रहा है। इससे पहले वो 15000 रुपए ले चुका है।

अदालत में धमाका, बम फूटने से मची अफरातफरी, वकील नाराज

जागरण, जबलपुर। जबलपुर जिला अदालत में सोमवार शाम जोरदार धमाके से अफरातफरी मच गई। धमाके की आवाज सुन वकील और न्यायाधीश बाहर निकल आए। पड़ोस के थाने से पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस को मौके से बम के टुकड़े और माचिस भी मिली है। किसी असामाजिक तत्व ने पाइप बम फोड़कर अशांति और भय फैलाने की कोशिश की। इस धमाके से अदालत की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ गए हैं। यह धमाका शाम पांच बजे के बाद सीजेएम कोर्ट नंबर दो के सामने किया गया। पुलिस ने तत्काल मोर्चा संभाल लिया और वकील भी सक्रिय हो गए। गनीमत रही कि कोई बड़ा मामला नहीं निकला और कोई घायल भी नहीं हुआ। मगर मौके से जले हुए बम के हिस्से और माचिस मिलने से वकीलों की नाराजगी बढ़ गई।

मप्र भाजपा को जल्द मिल सकता है प्रदेश संगठन महामंत्री, संघ ने सौंपे 50 प्रचारक

संघ की हरियाणा में हुई बैठक, मौजूदा स्वरूप में परिवर्तन सहित हुए कई निर्णय

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा को जल्द ही नया प्रदेश संगठन महामंत्री मिल सकता है। इसी सप्ताह इसका एलान हो सकता है। जानकारों की मानें तो नया राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने 50 से ज्यादा प्रचारक भाजपा को सौंपे हैं। इन्हीं में से मध्यप्रदेश सहित दूसरे प्रांतों में भाजपा अपनी संगठनात्मक नियुक्तियों की आश्यकताओं को पूरा करेगी। गौरतलब है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की हरियाणा के समालखा में सम्पन्न हुई, जिसमें संघ के मौजूदा स्वरूप में परिवर्तन सहित दूसरे निर्णय हुए। जानकारों की मानें तो संघ की इसी बैठक में भाजपा में विभिन्न दायित्वों के लिए 50 से अधिक स्वयं सेवकों (प्रचारको) को मुक्त किया गया है। इन्हीं प्रचारकों को भाजपा अपने हिसाब से अलग-अलग दायित्व सौंप सकती है। बताया गया है कि मध्यप्रदेश, राजस्थान सहित कई राज्यों में जहां भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री के पद खाली पड़े हुए है,तो वहीं छत्तीसगढ़ में पिछले 12 वर्षो से इस पद पर कोई बदलाव नहीं किया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि संघ के जो प्रचारक भाजपा में आए हैं, उन्हें इन राज्यों में दायित्व दिए जा सकते हैं। इनमें से कुछ ऐसे प्रचारक भी हैं, जो वर्तमान में संघ के विभिन्न अनुषांगिक संगठन का दायित्व संभाले हुए थे।

18 को होंगे अहम निर्णय

जानकारों की मानें तो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष के अंतिम दिन यानि कि 18मार्च को बड़े फैसले ले सकता है। जिसमें राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक के निर्णय शामिल हैं। चर्चा यह भी है कि संघ की पृष्ठभूमि वाले कुछ भाजपा नेताओं को पदोन्नत किया जा सकता है, तो कुछ वरिष्ठ पदाधिकारियों की संघ में वापसी हो सकती है। इसी बैठक में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपनी प्रांतीय ईकाईयों के स्थान पर संभाग कार्यक्षेत्र का स्वरुप देगा। इसे यदि मध्यप्रदेश के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए, तो यहां संघ के मालवा क्षेत्र,मध्य भारत क्षेत्र और महाकौशल क्षेत्र के स्थान पर अब इंदौर, उज्जैन, भोपाल, जबलपुर ,सागर और रीवा संभाग कार्यक्षेत्र स्थापित किए जाएंगे,जहां के प्रमुख अपने-अपने क्षेत्र में संघ की गतिविधियों को आगे बढ़ाएंगे। कहा तो यह भी जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी भी संघ के पदचिन्हों पर चलकर एक बार फिर से संभागीय संगठन महामंत्री की नियुक्ति करेगी। जिससे संगठन से जुड़े छोटे-बड़े सभी तरह के निर्णय संभाग स्तर पर ही लिए जा सके और कार्यकर्ताओं को अपनी समस्याओं या संगठनात्मक कार्यो के लिए भोपाल के ज्यादा चक्कर नहीं लगाने पड़े।

पुराने प्रभारियों को मिल सकता है दायित्व

भाजपा सूत्रों की माने तो प्रदेश भाजपा अपने संभागीय प्रभारियों के तौर पर उन नेताओं की नियुक्ति कर सकती है,जो संभागीय संगठन महामंत्री की व्यवस्था के दौरान कुछ जिलों और संभागों में यह दायित्व संभाल चुके है। हालांकि इनमें से कई नेता अब निगम मंडल की दौड़ में है। इस बार के संभागीय संगठन महामंत्रियों के पहले से ज्यादा अधिकार संपन्न बनाया जाएगा।

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री होंगे सबसे पॉवरफुल

कहा यह भी जा रहा है कि भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के पद को और अधिकार संपन्न बनाएगी। इस पद पर बैठने वाले पदाधिकारी की नजर सरकार और संगठन के समन्वय के अलावा पार्टी के सभी छोटे-बड़े निर्णयों में सीधा हस्तक्षेप रहेगा। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अपने प्रभार के प्रदेशों में ज्यादा से ज्यादा समय देंगे और संगठन को और कैसे मजबूत बनाया जाए,इसकी रणनीति पर काम करेंगे।

मंत्रियों के स्टाफ पर भी रहेगी नजर

जानकारों की माने तो पार्टी संगठन अपनी नई व्यवस्था में सरकार के मंत्रियों पर भी नजर बनाने के लिए संघ की पृष्ठभूमि के कार्यकर्ताओं को उनके निज स्टाफ में पदस्थ कराएगी। हालांकि अभी भी ये व्यवस्था है,लेकिन कई मंत्रियों के यहां तैनात ऐसे स्टाफ को लेकर शिकायतें भी सामने आई है। पार्टी चाहती है कि अब मंत्रियों के यहां ऐसे कार्यकर्ताओं को बैठाया जाए,जो कम से कम संघ प्रशिक्षित हो और उसके द्वारा पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम किया जाता रहा हो। बताया गया है कि ऐसे कार्यकर्ताओं की पार्टी द्वारा जल्द ही सूची तैयार कराई जाएगी। जिस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में प्रदेश संगठन द्वारा निर्णय लिया जाएगा।

हर पदाधिकारी को खुद को करना होगा सिद्ध : हाड़ा

भोपाल जिला ईकाई के नए पदाधिकारियों की बैठक

विशेष संवाददाता, भोपाल। भाजपा के भोपाल ईकाई के नए पदाधिकारियों से कहा गया है कि संगठन ने उन्हें जिन उम्मीदों के साथ पद सौंपे,उसमें उन्हें खरा उतरना होगा। हर पदाधिकारी को संगठन की विचारधारा और नीतियों को जन-जन पहुंचाना होगा। सोमवार को यह बातें भोपाल के जिला प्रभारी जसवंत हाड़ा ने नवनियुक्ति पदाधिकारियों की बैठक में कही। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित दल है,जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में सभी को इस बात पर ध्यान देना होगा कि पार्टी ने उन पर जिस विश्वास के साथ भरोसा किया है,उस पर उन्हें पूरी तरह से खरा उतरना पड़ेगा। इसलिए सभी को पूरे समर्पण और अथक मेहनत कर अपने आप को सिद्ध करना होगा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष रविन्द्र यती ने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और समर्पण से ही संभव है। पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। जब कार्यकर्ता पूरी निष्ठा, ईमानदारी और टीम भावना के साथ कार्य करते हैं, तब संगठन स्वाभाविक रूप से मजबूत होता है। हम सभी को केन्द्र की मोदी सरकार और प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से मिलकर कार्य करने, बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने और जनसेवा के कार्यों को गति देने का आह्वान किया। बैठक में पार्टी के जिला पदाधिकारियों के अलावा वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पानी की हर बूंद को बचाने के लिए सरकार करेगी प्रयास

19 मार्च से शुरू होगा जलगंगा संवर्धन अभियान

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को समृद्ध बनाने के लिए सरकार समाज के साथ मिलकर काम कर रही है। हम पानी की हर बूंद को बचाने के लिए काम करेंगे। इसके लिए जनभागेदारी को बढ़ावा दिया जाएगा। इस संबंध में सीएम ने अपने वक्तव्य में कहा कि जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है। इसे बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हम हर गांव, हर शहर और हर नागरिक को जल संरक्षण के कार्यों से जोड़ना चाहते हैं। समाज और सरकार जब साथ मिलकर काम करेंगे, तो मध्यप्रदेश समृद्धि की दिशा में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। नागरिकों को पानी बचाने के लिए सक्रिय रूप से जुड़ना होगा, इससे मप्र जल संचयन और प्रबंधन में देश का एक मॉडल स्टेट बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संबंधी जरूरतों की पूर्ति व भावी पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों की सुरक्षा की मंशा से प्रदेश सरकार एक बार फिर बड़े पैमाने पर जल गंगा संवर्धन अभियान शुरु करने जा रही है। भारतीय नववर्ष प्रतिपदा (गुढ़ी पड़वा) के शुभ अवसर पर 19 मार्च को उज्जैन की शिप्रा नदी तट से इस राज्य स्तरीय अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। अभियान 30 जून तक चलेगा। प्रदेश में जल संरक्षण की परम्परा सदियों पुरानी है। प्राचीन काल से ही तालाब, कुएं और बावड़ियां सिर्फ जल के स्रोत न होकर सामाजिक जीवन का केंद्र हुआ करते थे। सरकार उसी परम्परा को आधुनिक तकनीक और जनभागीदारी के जरिए पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य नई जल संरचनाएं बनाने के साथ ही प्रदेश में जल संरक्षण की संस्कृति को समृद्ध करना भी है।

कांग्रेस में एकला चलो की नीति पर संगठन लगाएगा विराम

दिल्ली में हुई बैठक, जीतू पटवारी और सिंघार हुए शामिल

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व मध्यप्रदेश में नेताओं के एकला चलो नीति से नाराज है। प्रदेश संगठन से साफ कहा गया है कि इस नीति पर जल्द ही विराम लगाया जाए। इसे लेकर सोमवार को दिल्ली में पार्टी की अहम बैठक हुई, जिसमें मध्यप्रदेश के नेता भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश संगठन को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को शिकायत मिली थी कि कई नेता एक मुद्दे पर अलग-अलग राह पर चलते है। जिससे कार्यकर्ता पार्टी में एकता को लेकर भ्रमित होता है, तो वह पार्टी के बैनर की बजाए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के लिए काम करने लगते है। जिससे पार्टी एक जुट होकर जनता की लड़ाई सड़क पर नहीं लड़ पाती है। बताया गया है कि इसी मुद्दे को लेकर सोमवार को नई दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के

मुख्यालय में बैठक हुई,जिसमें पार्टी के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी,प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन और सीडब्ल्यूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल सहित दूसरे नेता मौजूद रहे। जानकारों की माने तो बैठक में किसी भी विषय पर सरकार के खिलाफ एक जुटकर लड़ाई लड़ने की बात कही गई।

राज्यसभा को लेकर चर्चा

सूत्रों की मानें तो दिल्ली में हुई इस बैठक में अगले माह खाली हो रही राज्यसभा की एक सीट के लिए संभावित प्रत्याशी के नाम पर भी चर्चा की गई है। वरिष्ठ नेताओं ने प्रदेश नेतृत्व से कहा है कि वह अभी से यह तैयारी कर लें कि वरिष्ठ नेतृत्व जिसे भी प्रत्याशी बनाए, उसे पार्टी से सभी सदस्यों का समर्थन प्राप्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी तरह की गलत प्रयासों के बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बड़े नेता करेंगे जिलों का दौरा

बैठक में आगामी निकाय और पंचायत चुनावों को लेकर भी चर्चा होने की खबर है। बताया गया है कि केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देश पर पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता अलग-अलग समय पर जिला और ब्लाक स्तर पर दौरा करेंगे और कार्यकर्ताओं को संगठन को और मजबूत बनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

भाजपा नेताओं ने दिग्विजय व शुक्ला के खिलाफ चुनाव आयोग में की शिकायत

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने कहा-भ्रम फैला रहे हैं कांग्रेस नेता

विशेष संवाददाता, भोपाल। भाजपा ने राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह और कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला पर हिंदू मतदाताओं को परेशान करने और भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। इस संबंध में सोमवार को निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार भाजपा के मंडल अध्यक्ष नीरज पचौरी अपने वकीलों के साथ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय पहुंचे और इस संबंध में ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

पचौरी ने कहा है कि नरेला विधानसभा क्षेत्र से जुड़े मतदाताओं के संबंध में की गई शिकायत पूरी तरह से झूठी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और मनोज शुक्ला द्वारा हिंदू मतदाताओं को परेशान करने और भ्रम फैलाने के उद्देश्य से झूठी

शिकायत की गई थी। उन्होंने बताया कि संबंधित प्रकरण में रिटर्निंग ऑफिसर एवं बीएलओ द्वारा की गई जांच में सभी मतदाता सही पाए गए थे। इसके बावजूद दिग्विजय सिंह और मनोज शुक्ला द्वारा दबाव बनाकर कुछ लोगों से एफिडेविट दिलवाए गए।पचौरी ने निर्वाचन अधिकारी को रहवासी मतदाताओं द्वारा दिए गए काउंटर एफिडेविट भी सौंपे। रहवासी मतदाता पोखन लाल साहू और हमीर सिंह यादव ने भी अपने काउंटर एफिडेविट प्रस्तुत करते हुए स्पष्ट किया कि उनसे दबाव बनाकर हस्ताक्षर कराए गए थे। अधिवक्ता ओम पाटीदार ने बताया कि 7 मार्च को दिग्विजय सिंह और मनोज शुक्ला द्वारा चुनाव आयोग में शिकायत की गई थी, जिसमें नरेला विधानसभा की रतन कॉलोनी के एक घर में 30 मतदाताओं के नाम होने का दावा किया गया था। हालांकि एसडीएम स्तर पर हुई जांच में यह दावा पूरी तरह गलत और निराधार पाया गया। मंडल अध्यक्ष ने कहा कि एक विशेष वर्ग को लाभ पहुंचाने और हिंदू मतदाताओं को परेशान करने के उद्देश्य से इस प्रकार की मनगढ़ंत शिकायतें की जा रही हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग से मांग की कि इस प्रकार की झूठी शिकायत करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं होती है तो वे न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाएंगे।

प्रदेश में जीएसटी की हो रही चोरी, सिंघार ने लिखा पत्र

विसं भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि राज्य में जीएसटी की संगठित चोरी की जा रही है। उन्होंने इस संबंध में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। सिंघार ने अपने पत्र में लिखा है कि मध्यप्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों तथा प्रमुख औद्योगिक जिलों से प्राप्त विस्तृत जानकारी के आधार पर यह गंभीर विषय केंद्र सरकार के संज्ञान में लाना आवश्यक है कि विभिन्न राज्यों से मध्यप्रदेश में बड़े पैमाने पर संगठित तरीके से जीएसटी चोरी का एक नेटवर्क संचालित हो रहा है। इस नेटवर्क के माध्यम से भारी मात्रा में माल का परिवहन और व्यापार बिना वैध कर भुगतान के किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कि गुजरात, महाराष्ट्र तथा दक्षिण भारत के राज्यों से आयरन सामग्री, निर्माण सामग्री और मसालों सहित विभिन्न व्यापारिक वस्तुएं बड़े पैमाने पर ट्रकों के माध्यम से मध्यप्रदेश लाकर पूरे प्रदेश में वितरित की जा रही हैं। सिंघार ने कहा है कि इस संगठित व्यवस्था के संचालन में कई गंभीर अनियमितताएँ सामने आ रही हैं। बड़ी मात्रा में माल का परिवहन फर्जी अथवा हेरफेर किए गए ई-वे बिल के माध्यम से किया जा रहा है। कई मामलों में वास्तविक माल की मात्रा और कीमत कम दिखाकर अंडर-इनवॉइसिंग की जाती है, जिससे देय जीएसटी का भुगतान कम हो सके।

दौरा दिल्ली प्रवास के दौरान पीएम मोदी और लोकसभा अध्यक्ष बिरला से सीएम ने की मुलाकात

कृषि कल्याण वर्ष में प्रदेश में होगा बड़ा आयोजन

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की और उन्हें कृषि कल्याण वर्ष के दौरान प्रदेश की गतिविधियों से अवगत कराया। जानकारों की माने तो कृषि कल्याण वर्ष के दौरान प्रदेश में कोई बड़ा किसान सम्मेलन आहुत किया जा सकता है,जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उपस्थित हो सकते है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोमवार को अपने दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के साथ प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री को प्रदेश में किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों की ह्यजानकारी दी। साथ ही राज्य में किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों तथा प्रदेश की प्रगति से अवगत कराया। पीएम से मुलाकात के उपरांत सीएम डॉ. यादव ने

दिल्ली में पत्रकारों को बताया कि किसान कल्याण वर्ष में 17 विभिन्न विभागों के माध्यम से किसानों के लिए समेकित रूप से कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन शुरू कर दिया गया है। प्रदेश में गरीब, युवा, किसान और महिला वर्ग की बेहतरी के लिए राज्य सरकार पूरी लगन से कार्य कर रही है। इन चारों श्रेणी के समग्र विकास के लिए अलग-अलग मिशन बनाकर उन पर प्रभावी अमल किया जा रहा है। राज्य सरकार इनकी बेहतरी के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि किसान कल्याण वर्ष के तहत कृषि विकास, किसानों की आय वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रदेश में कई पहलें की जा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इन प्रयासों की सराहना करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया।

ओम बिड़ला से भी मिले सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से भी सौजन्य भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने एक दूसरे का आत्मीय स्वागत भी किया। कई मुद्दा पर चर्चा हुई

हो सकता है बड़ा आयोजन

भाजपा से जुड़े सूत्रों की माने तो सरकार कृषि कल्याण वर्ष के दौरान राज्य में कोई बड़ा आयोजन कर सकता है। जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति हो सकती है।

क्षेत्रीय दलों की भूमिका राष्ट्रहित में आवश्यक

भोपाल। दक्षिण पश्चिम भोपाल विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि लोकतंत्र की जीवंतता के लिए वैचारिक विविधता आवश्यक है, परंतु क्षेत्रीय दलों की सक्रियता और उनकी भूमिका सदैव राष्ट्रहित की परिधि में पल्लवित होनी चाहिए। सबनानी सोमवार को पंडित कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में संवैधानिक मूल्यों के प्रति चेतना जाग्रत करने का सशक्त माध्यम हैं। इस मौके पर अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. देव आनंद हिंडोलिया एवं संसदीय कार्य विभाग के अपर सचिव श्री राजेश गुप्ता उपस्थित रहे।अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. देव आनंद हिंडोलिया ने विद्यार्थियों को लोकतंत्र के सजग प्रहरी बनने हेतु प्रेरित किया।

आयुर्वेद कॉलेजों की फैकल्टी को अब कराना होगा रजिस्ट्रेशन

राज्य स्तर पर होगा पंजीकरण

नगर संवाददाता, भोपाल। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग आयुष मंत्रालय भारत सरकार ने मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, हरियाणा, नई दिल्ली समेत देशभर के आयुर्वेद, सिद्धा, यूनानी एवं सोवा-रिग्पा पैथी के मेडिकल कॉलेजों में काम कर रहे चिकित्सा शिक्षकों को संबंधित राज्य बोर्ड परिषद से अस्थाई अथवा स्थाई पंजीकरण को अनिवार्य किया है। राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों में कार्यरत ऐसे चिकित्सा शिक्षकों (डॉक्टर्स) के लिए अस्थाई अथवा स्थायी पंजीकरण कराने की जिम्मेदारी संबंधित राज्य बोर्ड परिषद को सौंपी गई है। उक्ताशय का पत्र आचार एवं पंजीयन बोर्ड एनसीआईएसएम नईदिल्ली के अध्यक्ष डॉ सुश्रुत कन्नौजिया ने जारी किया है। पत्र के अनुसार अब अस्थाई पंजीकरण भी हो सकेगा परंतु जब तक अस्थाई रजिस्ट्रेशन रहेगा तब तक स्थाई पंजीयन स्थगित रहेगा। केवल सरकारी रिक्ति के लिए आवेदन करने के लिये स्थाई पंजीयन वैध रहेगा। दरअसल एएसयूएस मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत बहुत सारे चिकित्सा शिक्षकों के पंजीयन अन्य राज्यों के हैं। जबकि नियमतः जिस राज्य में काम कर रहे हैं उसी राज्य के पैथीय बोर्ड का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। शिक्षकों के निवेदन के आधार पर अस्थाई पंजीयन का प्रावधान एनसीआईएसएम ने कर दिया है। कभी-कभी डॉक्टर्स एक राज्य में पंजीयन के बाद भी दूसरे अन्य राज्यों में नियमित प्रैक्टिस करते नजर आते हैं जो उचित नहीं कहा जा सकता। आयोग ने कड़ाई से पालन करने हेतु पूर्व में चिकित्सा शिक्षकों तथा अब संबंधित राज्यबोर्ड परिषद को भी निर्देशित किया है। इस बारे में आयुष मेडिकल एसोसिएशन के प्रवक्ता डॉ. राकेश पांडे का कहना है कि एनसीआईएसएम की स्पष्टता से अब राज्य बोर्ड परिषद व चिकित्सा शिक्षकों को मदद मिली है।

जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित

जागरण, छतरपुर। जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में आधार सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, आधार नामांकन एवं अद्यतन की प्रगति तथा विभिन्न योजनाओं में आधार के उपयोग की समीक्षा की गई। बैठक में प्रबंधक ई-गवर्नेंस राहुल तिवारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही डीडीजी यूआईडीएआई दिल्ली के नामांकित प्रतिनिधि वीसी से जुड़े रहे।

बैठक में निर्देश दिए गए कि सुदूर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन आधार अपडेशन कैम्पों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों का आधार बनवाया जाए। साथ ही सभी आयु वर्ग के आधार धारकों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

समीक्षा के दौरान यूआईडीएआई द्वारा जिला एवं ब्लॉक स्तर पर आधार सेवा केंद्रों की स्थापना, सीएससी ई-गवर्नेंस के माध्यम से आधार सेवाओं का संचालन, विभिन्न शासकीय योजनाओं में आधार के उपयोग तथा आधार नामांकन केंद्रों की गतिविधियों की निगरानी पर विशेष चर्चा की गई।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि आधार केंद्रों से संबंधित सीआरएमएस एवं शिकायतों का समय पर निराकरण किया जाए तथा ऑपरेटर एवं सुपरवाइजरों का नियमित प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। अन्य रजिस्ट्रारों के माध्यम से नए आधार केंद्र स्थापित करने, लोक सेवा केंद्रों में 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए नवीन आधार मशीनों की स्थापना तथा राज्य पोर्टल के माध्यम से 100 वर्ष से अधिक आयु के आधार धारकों के सत्यापन की प्रक्रिया को भी प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

प्रभारी कलेक्टर श्री अरजरिया ने कहा कि आधार आज विभिन्न शासकीय योजनाओं और सेवाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण दस्तावेज है, इसलिए इसका नामांकन, अद्यतन और उपयोग सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक छतरपुर द्वारा थाना हरपालपुर एवं चौकी काकुनपुरा का किया गया निरीक्षण

छतरपुर। पुलिस अधीक्षक छतरपुर श्री अगम जैन द्वारा जिले के अंतराज्यीय सीमावर्ती क्षेत्र थाना हरपालपुर एवं चौकी काकुनपुरा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लंबित अपराध, चालान, मर्ग, गुम इंसान प्रकरणों सहित अन्य लंबित मामलों एवं शिकायतों की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु प्रकरणवार आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

थाना के गुंडा, निगरानी, हिस्ट्रीशीटर रजिस्टर सहित इत्यादि रजिस्टरों की समीक्षा की गई। गुंडा, निगरानी बदमाशों पर नियमित निगरानी, आदतन अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु निर्देश दिए। क्षेत्र अन्तराज्यीय सीमावर्ती क्षेत्र है, पड़ोसी थानों से अपराधियों के संबंध में जानकारी का आदान-प्रदान करें, समन्वय बनाकर रखें, क्षेत्र में निरंतर भ्रमणशील रहें, आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त थाना एवं चौकी परिसर एवं आवासीय परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई, एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। साथ ही हवालात, मालखाना, कंप्यूटर कक्ष, महिला एफआईआर कक्ष, रिकॉर्ड रूम, थाना एवं चौकी परिसर के सीसीटीवी कैमरा एवं उपलब्ध उपकरणों एवं संसाधनों का भी निरीक्षण किया गया तथा डिजिटल फीडिंग एवं डाटा संधारण की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान थाने व चौकी में उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों से संवाद किया गया।

निरीक्षण उपरांत थाना प्रभारी हरपालपुर निरीक्षक संजय राय एवं चौकी प्रभारी काकुनपुरा उप निरीक्षक राजेंद्र बागरी को कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

प्रभारी कलेक्टर के निर्देशन में कृषि विज्ञान केंद्र नौगांव में नरवाई प्रबंधन पर कृषक संगोष्ठी आयोजित

छतरपुर। किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नमः शिवाय अरजरिया के निर्देशन में मुख्यमंत्री नरवाई प्रबंधन योजना के तहत कृषि विज्ञान केंद्र, नौगांव, जिला छतरपुर में कृषक संगोष्ठी (नरवाई प्रबंधन) का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को फसल अवशेष (नरवाई/पराली) जलाने से होने वाले पर्यावरणीय, मृदा स्वास्थ्य एवं कृषि उत्पादकता पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नरवाई के उचित प्रबंधन के वैकल्पिक एवं लाभकारी तरीकों की जानकारी देना था। संगोष्ठी में उपस्थित किसानों को बताया गया कि नरवाई जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है, मिट्टी की उर्वरता घटती है तथा जल धारण क्षमता कम हो जाती है। इसके साथ ही मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीव एवं केंचुए नष्ट हो जाते हैं, जिससे मृदा की संरचना प्रभावित होती है और फसल उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ता है। कार्यक्रम में डॉ. राजीव सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र नौगांव ने नरवाई जलाने के दुष्परिणामों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों को बताया कि पुषा डीकंपोजर जैसी जैविक तकनीकों के उपयोग से नरवाई को आसानी से खाद में परिवर्तित किया जा सकता है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और पर्यावरण को भी नुकसान नहीं होता। इस अवसर पर उपयंत्री अभिषेक जैन ने किसानों को नरवाई प्रबंधन में उपयोगी कृषि यंत्रों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुपर सीडर, हैपी सीडर, स्ट्रॉ रीपर, रीपर कम बाइंडर तथा बेलर जैसे यंत्रों के माध्यम से नरवाई का खेत में ही प्रभावी प्रबंधन किया जा सकता है। इन यंत्रों के उपयोग से किसानों की लागत कम होती है, मृदा स्वास्थ्य में सुधार होता है और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में कृषकों ने भाग लेकर नरवाई प्रबंधन से संबंधित तकनीकी जानकारी प्राप्त की।

मंडला में बीजाडांडी सीईओ को हटाने की मांग : सरपंच बोले- सचिवों को बुलाकर पैसों की मांग, कार्यों में जानबूझकर कमियां निकाली जाती

जागरण मंडला। मंडला जिले की बीजाडांडी जनपद पंचायत में मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) बसंती दुबे के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। जनपद अध्यक्ष करिश्मा राजेंद्र पुट्टा, जिला पंचायत सदस्यों और करीब 42 सरपंचों ने सीईओ पर भ्रष्टाचार और अभद्र व्यवहार के गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की है।मंगलवार को बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि कलेक्ट्रेट पहुंचे। विरोध का आलम यह था कि कई सरपंच अपने डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) और सील (मुहर) तक जमा करने की तैयारी में थे। हालांकि, प्रशासन ने इन्हें जमा करने के बजाय एक हफ्ते के भीतर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है।

भ्रष्टाचार और दुर्व्यवहार के आरोप

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि सीईओ बसंती दुबे के कारण विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं। सरपंचों का कहना है कि सीईओ सचिवों को बुलाकर पैसों की मांग करती हैं और मांग पूरी न होने पर जांच का डर दिखाती हैं।जिला पंचायत सदस्य पुष्पा मरकाम ने सीईओ पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि तकनीकी मंजूरी (टीएस) और मूल्यांकन होने के बाद भी जानबूझकर कमियां निकाली जाती हैं ताकि वसूली की जा सके।

समन्वय की कमी से विकास प्रभावित

जनपद सदस्य राजेंद्र पुट्टा के मुताबिक, सीईओ का व्यवहार जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों के प्रति ठीक नहीं है। आपसी तालमेल की कमी की वजह से क्षेत्र में व्यवस्थाएं बिगड़ रही हैं। जनप्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि अगर एक हफ्ते में सीईओ को नहीं हटाया गया, तो वे उग्र धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

प्रशासन ने सात दिन में मांगी जांच रिपोर्ट

मंडला कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ शाश्वत सिंह मीणा ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने शिकायत दर्ज कर जनप्रतिनिधियों को आश्वासन दिया है कि अगले 7 दिनों के भीतर मामले की पूरी जांच की जाएगी और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कड़ी कार्रवाई होगी।

छतरपुर में अवैध रेत परिवहन माफिया पर प्रशासन का कड़ी कार्रवाई

छतरपुर। जिला प्रशासन ने अवैध उत्खनन के विरुद्ध अब तक की सबसे बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है। गायत्री मंदिर क्षेत्र में पुलिस और माइनिंग विभाग की संयुक्त टीम ने अचानक छापा मारकर रेत से लदे 20 से अधिक अवैध ट्रैक्टरों को जब्त किया। गौर तलब हो कि अवैध रेत उत्खनन माफियाओ पर कार्यवाही नहीं की गयी। इस महत्वपूर्ण ऑपरेशन में माइनिंग अधिकारी अमित मिश्रा के साथ प्रशिक्षु आईपीएस लेखराज मीना ओरछा रोड थाना प्रभारी, ट्रस्क अरुण सोनी, अरविन्द सिंह दाँगी कोतवाली थाना प्रभारी पुलिस बल सहित मुस्तैद रहा। लंबे समय बाद हुई इस बड़ी घेराबंदी से रेत -परिवहन कर्ताओं में हड़कंप मच गया है। प्रशासन की यह सख्त कार्रवाई क्षेत्र में अवैध कारोबार पर लगाम लगाने का स्पष्ट संदेश है।

ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

जागरण मंडला। जनपद पंचायत मंडला के सभाकक्ष में मंगलवार को ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था एवं विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक जिला कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी श्री ओमप्रकाश सिरसे ने की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रतिमा शुक्ला, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री श्री विनेश उईके, जल जीवन मिशन से श्री उमा गणेश लोधी, जिला योजना से श्री राजाराम मरावी (बीपीओ), सीएम हेल्पलाइन प्रभारी श्री गजराज मरावी, निर्माण कार्य शाखा प्रभारी श्री भारत कुड़ापे सहित जनपद के सरपंच, सचिव एवं पीसीओ उपस्थित रहे।

बैठक में ग्रीष्मकालीन पेयजल आपूर्ति की विस्तृत समीक्षा करते हुए ग्राम स्तर पर जल उपलब्धता, संभावित जल संकट वाले क्षेत्रों की पहचान, हैंडपंपों एवं नल-जल योजनाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। सरपंचों एवं सचिवों ने अपने-अपने ग्रामों की समस्याएं एवं मांगें प्रस्तुत कीं, जिनमें खराब हैंडपंप, सूखते जल स्त्रोत एवं नल-जल योजनाओं में अनियमितता प्रमुख रही। इसके अलावा विधायक एवं सांसद निधि से स्वीकृत कार्यों की समीक्षा करते हुए अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर समय-सीमा में पूर्णता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जन्म एवं मृत्यु पंजीयन कार्य को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने तथा सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में सांख्यिकी बजट निर्माण, आंकड़ों के समय पर संकलन एवं विद्युत आपूर्ति की स्थिति पर भी चर्चा हुई। संबंधित विभागों से समन्वय बनाकर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए गए। अंत में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे सतत निगरानी रखते हुए सभी कार्यों को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें तथा शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

सैनिकों और उनके परिवारों पर बढ़ते उत्पीड़न पर सरकार से कड़ी गाइड लाइन की मांग

छतरपुर। जिले के पूर्व सैनिकों ने देश में सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों के साथ बढ़ रही उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने केंद्र तथा राज्य सरकार से इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल संज्ञान लेते हुए सख्त गाइडलाइन जारी करने की मांग की है ताकि ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लग सके। पूर्व सैनिकों ने स्पष्ट किया कि वे छतरपुर जिले के निवासी हैं तथा देश के संविधान में पूर्ण आस्था रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिक सदैव देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाजी लगाने को तैयार रहते हैं। वे ईमानदारी, अनुशासन और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर कर्तव्य निभाते हैं। पूर्व सैनिकों ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में सैनिकों तथा उनके परिवारों के साथ उत्पीड़न की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पहले ऐसी घटनाएं मुख्यतः आम लोगों द्वारा होती दिखती थीं, लेकिन अब पुलिस तथा प्रशासनिक तंत्र के स्तर पर भी सैनिकों के साथ दुर्व्यवहार के मामले बढ़ते जा रहे हैं, जो अत्यंत चिंताजनक और निंदनीय है।

मंडला में गाय के पेट से निकली 80 किलो पॉलीथिन, सर्जरी कर बचाई जान

पशु चिकित्सक डॉ. सुमित पटेल की टीम ने किया सफल ऑपरेशन, प्लास्टिक कचरा बना मवेशियों के लिए जानलेवा

जागरण मंडला। मध्यप्रदेश के मंडला जिले से इंसानियत और सेवा की एक मिसाल सामने आई है। यहां एक बीमार गाय के पेट से सर्जरी के दौरान करीब 80 किलो से अधिक पॉलीथिन और अन्य अपाच्य सामग्री निकाली गई। सफल ऑपरेशन के बाद गाय की जान बचा ली गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार करीब 10 वर्ष की यह गाय लंबे समय से बीमार थी। उसके पेट में लगातार गैस बन रही थी और पेट असामान्य रूप से फूल गया था। हालत बिगड़ने पर पशु मालिक उसे उपचार के लिए पशु चिकित्सक के पास लेकर पहुंचा।जांच के बाद पशु चिकित्सक डॉ. सुमित पटेल एवं उनकी टीम ने रूमिनोटॉमी सर्जरी करने का निर्णय लिया। ऑपरेशन के दौरान डॉक्टर भी उस समय हैरान रह गए, जब गाय के पेट से भारी मात्रा में पॉलीथिन, प्लास्टिक और अन्य अपाच्य सामग्री निकाली गई।डॉक्टरों ने बताया कि खुले में फेंकी जाने वाली प्लास्टिक सामग्री और पन्नी को मवेशी अक्सर खा लेते हैं, जिससे उनके पेट में गैस बनती है और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। समय पर उपचार न मिलने पर यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है। गाय के मालिक ने बताया कि गाय कई दिनों से बीमार थी। सर्जरी के बाद अब उसकी हालत स्थिर है और तेजी से सुधार हो रहा है।यह घटना समाज के लिए एक चेतावनी है कि प्लास्टिक और पॉलीथिन को खुले में फेंकना बेजुबान पशुओं के लिए घातक साबित हो सकता है। स्वच्छता और जिम्मेदारी ही ऐसे हादसों को रोक सकती है।

मंडला अस्पताल में मरीज ने पहली मंजिल से लगाई छलांग

जागरण मंडला। मंडला जिला अस्पताल में सोमवार रात एक मानसिक रूप से बीमार मरीज ने पहली मंजिल से कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। मरीज ने खिड़की का कांच तोड़कर छलांग लगाई, लेकिन नीचे लगे टीन शेड पर गिरने से उसकी जान बच गई और उसे गंभीर चोटें नहीं आईं।जानकारी के अनुसार, मरीज दुर्गेश राय अस्पताल के वार्ड क्रमांक 48 में एडमिट था। सोमवार रात करीब 8 बजे वह अचानक वार्ड से बाहर निकला और खिड़की का कांच तोड़कर नीचे कूद गया। इस घटना से अस्पताल परिसर में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया।

एंबुलेंस नहीं मिलने से रोका था

मरीज की पत्नी रानी राय ने बताया कि डॉक्टरों ने दुर्गेश राय को पहले ही मानसिक उपचार के लिए जबलपुर रेफर किया था। हालांकि, एम्बुलेंस उपलब्ध न होने के कारण वे उसे ले जा नहीं पाए थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान दुर्गेश अस्पताल परिसर में घूम रहा था और अचानक दौड़कर कांच तोड़ते हुए नीचे कूद गया। अंदरूनी चोटों के बारे में अभी उन्हें जानकारी नहीं है।

गंभीर चोट नहीं

जिला अस्पताल के आरएमओ डॉ. हिमेन्द्र चौहान ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि सोमवार रात करीब 8 बजे मरीज ने पहले वार्ड के सामने सीढ़ियों से कूदने की कोशिश की थी, लेकिन सफल नहीं हो पाया। उसने खिड़की का कांच तोड़कर नीचे छलांग लगा दी थी। हालांकि उसे गंभीर चोट नहीं लगी है।डॉ. चौहान के अनुसार, मरीज की मानसिक स्थिति को देखते हुए उसे आगे के इलाज और मनोरोग विशेषज्ञ से जांच के लिए जबलपुर रेफर कर दिया गया है।

श्रीमद् भागवत कथा का हुआ भव्य समापन

जागरण मण्डला। जिले के ग्राम हिरदेनगर स्थित कालिका झरोपी कुंज में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महापुराण ज्ञान यज्ञ का भव्य समापन हुआ। समापन अवसर पर हवन-पूजन भंडारा के साथ प्रसादी वितरण किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किए। कथा का आयोजन 10 मार्च से प्रारंभ होकर 17 मार्च तक चला जिसमें प्रतिदिन दोपहर से सायं तक श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए उपस्थित रहे। कथा के अंतिम दिवस यज्ञ, हवन एवं पूर्णाहुति के साथ पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। कथावाचक परम पूज्य संत प्रवर सिया बल्लभदास वेदांती जी महाराज अयोध्या धाम द्वारा श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भक्ति, धर्म और मानव जीवन के मूल्यों का विस्तार से वर्णन किया गया। कथा के दौरान महारास, श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह, गोवर्धन लीला एवं सुदामा चरित्र जैसे प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। समापन दिवस पर विधि-विधान से हवन-पूजन किया गया जिसके पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन स्थल पर सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी जिससे पूरा वातावरण भक्ति रस में डूबा नजर आया। इस धार्मिक आयोजन के मुख्य यजमान श्री प्रकाश-ज्योति मिश्रा परिवार रहे जिनके द्वारा पूरे आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। आयोजक भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, अनिल मिश्रा एव समस्त मिश्रा परिवार ने भागवत कथा के आयोजन में उपस्थित धर्मप्रेमियों का आभार व्यक्त किया है। वहीं कथा का श्रवण करने प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल, सासंद फग्गन सिंह कुलस्ते, कैबिनेट मंत्री श्रीमति सम्पतिया उईके सहित अनेक जनप्रतिनिधि समाजसेवी एवं धर्मप्रेमी पहुंचे।

मंडला में कार ने फुल्की ठेले को टक्कर मारी, हादसे में ठेले वाले सहित तीन घायल, कार चालक गिरफ्तार

जागरण मंडला। मंडला के देवदरा में सोमवार रात एक तेज रफ्तार कार ने फुल्की ठेले को टक्कर मार दी। इस हादसे में फुल्की विक्रेता सहित तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है और वाहन जब्त कर लिया गया है।यह घटना जिला मुख्यालय के पास ग्राम देवदरा में रात करीब 10 बजे हुई। सहस्त्रधारा (गोंझी) की ओर से आ रही एक एसयूवी कार बेकाबू होकर सड़क किनारे लगे फुल्की ठेले से टकरा गई। टक्कर के बाद कार आगे जाकर एक पेड़ से जा भिड़ी।ये हुए घायल हादसे में फुल्की विक्रेता मनोज बरमैया, और कार में सवार दो युवक सौरभ ठाकुर और सुमित कोरी घायल हुए हैं। तीनों घायलों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के एयरबैग खुल गए और वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने कार चालक पर नशे में गाड़ी चलाने का आरोप भी लगाया है।सभी को सामान्य चोट जिला अस्पताल के डॉ. हेमेन्द्र चौहान ने बताया कि घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद भर्ती किया गया है। सभी को सामान्य चोटें आई हैं और उनकी एक्स-रे जांच की जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद आगे का इलाज किया जाएगा।सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

जिला मेडिकल बोर्ड का आयोजन आज

पन्ना । सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. आलोक कुमार गुप्ता द्वारा अवगत कराया गया है कि 19 से 22 मार्च 2026 तक निरंतर शासकीय अवकाश होने के कारण जिला चिकित्सालय पन्ना में आयोजित होने वाले जिला मेडिकल बोर्ड का आयोजन बुधवार, 18 मार्च को किया जाएगा। इस संबंध में सर्वसंबंधितों को सूचित किया गया है।

व्यापार सुधार योजना विषय पर कार्यशाला बुधवार को

पन्ना । एमपी औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड भोपाल द्वारा जिला व्यापार सुधार कार्ययोजना विषय पर वर्चुअल सम्मेलन के माध्यम से बुधवार, 18 मार्च को सुबह 11 बजे से कार्यशाला आयोजित की गई है। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक राहुल दुबे द्वारा संबंधित विभाग के अधिकारियों से व्हीसी लिंक के जरिए आयोजित होने वाली कार्यशाला में सहभागिता का आग्रह किया गया है।

सुपर 100 प्रवेश परीक्षा रविवार को

पन्ना । शासकीय मनहर कन्या उ.मा. विद्यालय पन्ना में रविवार, 22 मार्च को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक एवं दोपहर 2:30 बजे से शाम 5 बजे तक सुपर 100 प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी रविप्रकाश खरे ने बताया कि जेईई के लिए 122 तथा नीट के लिए 97 परीक्षार्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे।

भूकंप आपदा प्रबंधन विषय पर विद्यार्थियों को दी जानकारी

पन्ना । जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पन्ना द्वारा आपदा प्रबंध संस्थान गृह विभाग भोपाल के सहयोग से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना के सभाकक्ष में लगभग 250 विद्यार्थियों के साथ एक दिवसीय भूकंप आपदा प्रबंधन विषय पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर संयुक्त कलेक्टर कुशल सिंह गौतम ने छात्र-छात्राओं को भूकंप के दौरान बचाव व आवश्यक उपाय संबंधी जानकारी दी तथा इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त सारगर्भित जानकारी से अन्य लोगों को भी अवगत कराने के लिए कहा। आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल से आए तकनीकी विशेषज्ञ अभिषेक मिश्रा ने भूकंप आपदा की पूर्व तैयारी, सीस्मिक जोन एवं भूकंप के दौरान क्या करें एवं क्या नहीं करें, के बारे में जानकारी प्रदान की। प्राचार्य डॉ. एस.डी. चतुर्वेदी ने कहा कि आपदा का कोई अवकाश नहीं होता। इसलिए आपदा पूर्व तैयारी से ही भूकंप से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। जिला सेनानी होमगार्ड शालिवाहन पाण्डे ने भूकंप की स्थिति में राहत, खोज एवं बचाव संबंधी जानकारी प्रदान की।

पर्यवेक्षक ने रक्तदान कर बचाई बच्चे की जान

पन्ना । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण अभियान कार्यक्रम अंतर्गत चिन्हित कुपोषित बच्चों के बेहतर उपचार और पुनर्वास की कार्यवाही की जा रही है। इस क्रम में देवेन्द्रनगर तहसील क्षेत्र के आदिवासी माता-पिता के बच्चे को आवश्यक उपचार एवं रक्तदान की बदौलत नया जीवन मिला। सुपरवाईजर लक्ष्मी पण्डोले ने रक्तदान कर बच्चे की जान बचाई। उल्लेखनीय है कि आंगनबाड़ी केन्द्र में मासिक वजन वृद्धि निगरानी अभियान के तहत 11 से 20 तारीख तक दस दिवसीय अभियान चलाया जाता है। वजन अभियान के दौरान बाहर रहकर मजदूरी करने वाले रामफल आदिवासी एवं उर्मिला आदिवासी के तीन वर्षीय पुत्र आदित्य का वजन एवं ऊंचाई निर्धारित मानक अनुसार नहीं पाया गया। इस स्थिति पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हीरा कुशवाहा बच्चे को लेकर जिला पुनर्वास केन्द्र पहुंची। इसके पहले भी गत जून माह में कार्यकर्ता द्वारा बच्चे को भर्ती कराया गया था, लेकिन माता-पिता द्वारा निर्धारित 14 दिवस तक बच्चे को केन्द्र पर नहीं रखा गया और इलाज के दौरान ही आंशिक रूप से स्वस्थ्य होने के बाद छुट्टी कराकर ले गए और ग्राम से पलायन पर चले गए। पलायन से घर वापसी पर कार्यकर्ता द्वारा 16 मार्च को एनआरसी में बच्चे का परीक्षण करवाया गया। चिकित्सक द्वारा बच्चे को गंभीर ऐनेमिक बताया गया और अतिशीघ्र ब्लड चढ़ाने की सलाह दी गई। ब्लड बैंक में ए पॉजिटिव ब्लड उपलब्ध न होने के कारण परिवार द्वारा काफी प्रयास किया गया, लेकिन व्यवस्था नहीं होने और बच्चे की हालत अतिगंभीर होने पर परियोजना अधिकारी अशोक विश्वकर्मा तत्काल पर्यवेक्षण के लिए लक्ष्मी पंडोले सेक्टर बराछ पर्यवेक्षक एवं टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान पर्यवेक्षक द्वारा रक्तदान की सहमति दी गई और ब्लड बैंक में ब्लड डोनेट कर मानवता की मिसाल पेश की, जिससे गरीब आदिवासी परिवार के बच्चे को नया जीवन मिल सका। वर्तमान में बच्चे का इलाज जिला चिकित्सालय पन्ना में जारी है।

अग्निशमक वाहन रैपुर क्षेत्र में तत्काल उपलब्ध कराने हेतु क्षेत्र वासियों की मांग

जागरण, पन्ना । रैपुरा क्षेत्र में लगातार बढ़ते तापमान और तेज हवाओं के चलते आगजनी की घटनाओं का खतरा तेजी से बढ़ गया है, जिससे किसानों की चिंता भी बढ़ती जा रही है, क्योंकि इस समय गेहूं, चना, मसूर और सरसों जैसी फसलें पककर खेतों में तैयार खड़ी हैं और एक छोटी सी चिंगारी भी किसानों की महीनों की मेहनत को कुछ ही मिनटों में राख में बदल सकती है। ग्रामीणों के अनुसार हर साल गर्मी के मौसम में शॉर्ट सर्किट, झूलती बिजली की तारें, जर्जर बिजली पोल, असामाजिक तत्वों द्वारा जलती बीड़ी-सिगरेट फेंकना और कृषि कार्य के दौरान मशीनों से निकलने वाली चिंगारी जैसी घटनाएं आग लगने का मुख्य कारण बनती हैं, वहीं तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलकर खेतों से गांवों तक पहुंच जाती है, जिससे फसल के साथ-साथ घरों और पशुधन को भी खतरा उत्पन्न हो जाता है। ऐसी गंभीर स्थिति के बावजूद रैपुरा क्षेत्र में दमकल (फायर ब्रिगेड) वाहन की स्थायी व्यवस्था न होने से समस्या और भी बढ़ जाती है, क्योंकि आग लगने पर तत्काल नियंत्रण नहीं हो पाता और ग्रामीणों को स्वयं टैंकर, मोटर और अन्य साधनों से आग बुझाने का प्रयास करना पड़ता है, जो कई बार नाकाफी साबित होता है। किसानों और ग्रामीणों का कहना है कि यदि रैपुरा मुख्यालय में ही दमकल वाहन तैनात कर दिया जाए तो आगजनी की घटनाओं पर समय रहते काबू पाया जा सकता है और बड़े नुकसान से बचा जा सकता है। उन्होंने शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द रैपुरा में फायर ब्रिगेड वाहन उपलब्ध कराया जाए, ताकि आपात स्थिति में तुरंत राहत और बचाव कार्य किया जा सके, अन्यथा आने वाले दिनों में बड़े हादसे होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता, जिससे क्षेत्र के किसानों और आम नागरिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

पन्ना जिला जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित

जिला मजिस्ट्रेट ने जारी किया आदेश, निजी नलकूप खनन पर प्रतिबंध

जागरण, पन्ना । कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ऊषा परमार ने जनहित में पेयजल एवं अन्य निस्तार समस्याओं के दृष्टिगत तथा आम जनता को पेयजल प्रदाय बनाए रखने, आपूर्ति बढ़ाने एवं पेयजल का समान वितरण सुनिश्चित करने व जनता की आवश्यकता की पूर्ति के उद्देश्य से आदेश जारी कर सम्पूर्ण पन्ना जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है। म.प्र. पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 3 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग कर जारी आदेश में जिले के सभी विकासखंड व नगरीय क्षेत्रों को 16 मार्च से 20 जुलाई 2026 तक की अवधि के लिए जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि सिंचाई इत्यादि कार्यों में भूगर्भीय जल का अत्यधिक दोहन होने के कारण पेयजल स्रोतों के जल स्तर में कमी आई है। नलकूपों एवं अन्य जल स्रोत के जल स्तर में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है। इस कारण जिले में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित होने की संभावना है। इस संबंध में कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड पन्ना द्वारा सार्वजनिक पेयजल स्रोतों की क्षमता प्रभावित न होने के मद्देनजर निजी नलकूप खनन पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने की अनुशंसा की गई थी। आदेश लागू होने के उपरांत अब कोई भी व्यक्ति बगैर अनुमति के शासकीय भूमि पर स्थित जल स्रोतों में पेयजल तथा घरेलू प्रयोजनों को छोड़कर अन्य किसी भी प्रयोजन के लिए नहरों में प्रवाहित जल के अलावा अन्य स्रोतों का जल दोहन किन्हीं भी साधनों द्वारा जल का उपयोग नहीं करेगा।

20 मार्च को पन्ना आएंगे अजय सिंह राहुल भैया, अवंतीबाई लोधी की पुण्यतिथि पर देंगे श्रद्धांजलि

पन्ना । मध्य प्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया 20 मार्च को जिले के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे सुबह 9:00 बजे मड़ला पहुंचेंगे, जहां जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद वे पन्ना के लिए रवाना होंगे। सुबह 10:00 बजे जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पन्ना में वीरांगना अवंतीबाई लोधी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अजय सिंह राहुल भैया शामिल होंगे और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे तथा वरिष्ठ कांग्रेसजनों से सौजन्य मुलाकात भी करेंगे। कार्यक्रम के उपरांत वे देवेंद्रनगर के लिए प्रस्थान करेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी पन्ना के अध्यक्ष अनीश खान ने सभी कांग्रेसजनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रमो को सफल बनाएं।

सुनहरी आभा बिखेरता दुर्लभ पलाश, प्रकृति का अनमोल उपहार

पन्ना । दक्षिण वन मण्डल के सलेहा वन परिक्षेत्र अंतर्गत धरवारा बीट के जंगल इन दिनों एक अनोखी प्राकृतिक छटा से सराबोर हैं। यहां दुर्लभ पीले फूलों वाले पलाश के वृक्ष ने अपनी सुनहरी आभा से पूरे वन क्षेत्र को मानो आलोकित कर दिया है। आमतौर पर पलाश के फूल गहरे केसरिया या नारंगी रंग के होते हैं, जिन्हें उनकी प्रखर चमक के कारण *जंगल की ज्वाला* कहा जाता है। लेकिन धरवारा बीट में खिला यह पीले रंग का पलाश अपनी अलग ही पहचान बना रहा है। इसके कोमल, सुनहरे पुष्प हरियाली के बीच सूर्य की किरणों की भांति दमकते हैं, जो इसे अत्यंत दुर्लभ और मनमोहक बनाते हैं। प्रकृति संरक्षण कार्यकर्ता अजय चौरसिया ने इस दुर्लभ दृश्य को अपने कैमरे में कैद किया है। उनकी यह तस्वीर न केवल एक अनोखी खोज को दर्शाती है।

पशुचारा एवं भूसा के निर्यात व परिवहन पर लगा प्रतिबंध

जागरण, पन्ना । जिला मजिस्ट्रेट ऊषा परमार द्वारा जिले में पशुधन के लिए चारा-भूसा की निरंतर उपलब्धता बनाए रखने के उद्देश्य से जिले के बाहर भूसा चारा के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिला मजिस्ट्रेट ने उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रस्ताव पर मध्यप्रदेश चारा निर्यात नियंत्रण आदेश 2000 में निहित प्रावधानों के तहत तत्काल प्रभाव से आगामी 31 जुलाई तक भूसा चारा के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया है। अब कोई भी कृषक, व्यापारी, निर्यातक व्यक्ति किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित पशुचारा व भूसा का परिवहन किसी वाहन, मोटर या किसी भी यान द्वारा पन्ना जिले के बाहर अन्य जिले में संबंधित क्षेत्र के उपखंड मजिस्ट्रेट की अनुज्ञा के बगैर निर्यात नहीं करेगा। आदेश के क्रियान्वयन व अनुपालन के लिए संबंधित तहसीलदार, नायब तहसीलदार व थाना प्रभारी को दायित्व सौंपा गया है। पशु आहार में आने वाले सभी प्रकार के चारा भूसा को जिले के बाहर सीमावर्ती जिलों में परिवहन एवं निर्यात संबंधी प्रतिबंध के पालन के दौरान संबंधित अधिकारी द्वारा नियत बिंदुओं पर जांच कर उल्लंघन संबंधी प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। जिले में पशु चारा और भूसा की कमी की आशंका के दृष्टिगत पशुओं को पर्याप्त मात्रा में चारा भूसा की आपूर्ति बनाए रखने के संबंध में सीमावर्ती जिलों में पशुचारा व भूसा निर्यात संबंधी प्रतिबंध के तहत नियुक्त अधिकारी पशु चारे के निर्यात के लिए उपयोग में लाए गए साधन को रोककर तलाशी ले सकेंगे या रोकने व तलाशी के लिए किसी व्यक्ति को प्राधिकृत भी कर सकते हैं। इसके अलावा किसी स्थान में प्रवेश कर तलाशी लेने एवं किसी व्यक्ति को प्रवेश करने व तलाशी लेने के लिए भी प्राधिकृत किया जा सकेगा।

कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित किसान मेला का द्वितीय दिवस

कलेक्टर ने निरीक्षण कर ली जानकारी, कृषकों से किया संवाद

जागरण, पन्ना । कृषि विज्ञान केन्द्र में जिला स्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शनी कार्यक्रम के द्वितीय दिवस कलेक्टर ऊषा परमार ने मेला का निरीक्षण किया और विभिन्न गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। इस अवसर पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 586 किसानों ने मेला में सहभागिता की। महिला किसानों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। राज्य मिलेट्स एवं नेशनल इडिबल ऑयल (तिलहन) योजना अंतर्गत तीन दिवसीय किसान मेला में कृषकों को नवीनतम तकनीक के जरिए कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को उन्नत कृषि कार्य की महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्रदान की जा रही हैं। मंगलवार को जिला कलेक्टर ने किसान मेला के निरीक्षण के दौरान कृषकों को मिलेट्स के उपयोग एवं खेती के साथ-साथ फूल की खेती करने के संबंध में भी आवश्यक सुझाव दिए। कृषि विज्ञान केन्द्र प्रक्षेत्र का भ्रमण कर सब्जी, फलदार पेड़ों तथा प्राकृतिक खेती का अवलोकन कर पौधरोपण भी किया। कलेक्टर ने विभागीय स्टॉल का भ्रमण कर विभिन्न कृषि यंत्रों तथा कृषक हितैषी योजना व सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। किसानों से संवाद कर शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया।

सूर्य उपासना कार्यक्रम 19 मार्च को

पन्ना । शासन के निर्देशानुसार भारत के नववर्ष विक्रम सम्वत, गुडी पड़वा गुरूवार, 19 मार्च को जिला मुख्यालयों पर सुबह 10 बजे विक्रमोत्सव 2026 अंतर्गत सूर्य उपासना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस क्रम में श्री जुगल किशोर मंदिर प्रांगण पन्ना में भी सूर्य उपासना कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर सम्राट विक्रमादित्य केन्द्रित नाट्य प्रस्तुति का मंचन किया जाएगा। नाट्य दल निर्देशक अनिरूद्ध मिस्त्री के निर्देशन में अंगना फाउंडेशन पन्ना के कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। सूर्य उपासना कार्यक्रम पर भारत का नववर्ष विक्रम सम्वत् पुस्तिका का वितरण भी होगा। साथ ही जिले के प्रमुख मंदिरों और शासकीय भवनों पर ब्रम्ह ध्वज भी स्थापित किए जाएंगे। सूर्य उपासना के कार्यक्रम में आम नागरिकों से सहभागिता की अपील की गई है।

अग्निवीर भर्ती के लिए रजिस्ट्रेशन एक अप्रैल तक

पन्ना । भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए इच्छुक युवाओं द्वारा आगामी एक अप्रैल तक पंजीयन करवाया जा सकता है। यह भर्ती अग्निवीर सामान्य ड्यूटी, तकनीकी, क्लर्क एवं स्टोरकीपर तथा ट्रेड्समैन के पदों पर की जाएगी। सेना भर्ती कार्यालय भोपाल अंतर्गत आयोजित भर्ती में पन्ना जिले के युवाओं को अवसर मिलेगा।

गुनौर विधायक ने केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी को सौंपा सड़क विकास संबंधी मांग पत्र

पन्ना । गुनौर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश वर्मा ने आज राजधानी दिल्ली में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट कर क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को लेकर मांग पत्र सौंपा। विधायक श्री वर्मा ने अमानगंज-महेबा-गुनौर-लुहरगांव-कटन-गिरवारा-सिमरी से राष्ट्रीय राजमार्ग 943 (पवई-नागौद) तक लगभग 57 किलोमीटर मार्ग तथा पन्ना से पवई तक लगभग 65 किलोमीटर मार्ग को फोरलेन विद पक्के शोल्डर्स के रूप में विकसित किए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि ये दोनों मार्ग क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इन पर प्रतिदिन भारी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है। वर्तमान में सड़क की चौड़ाई एवं स्थिति पर्याप्त नहीं होने के कारण यातायात में कठिनाईयां उत्पन्न होती हैं, जिससे आमजन को असुविधा का सामना करना पड़ता है। विधायक श्री वर्मा ने अपने मांग पत्र में यह भी उल्लेख किया कि सड़कों के उन्नयन से क्षेत्र में आवागमन सुगम एवं सुरक्षित होगा।

KALYAN SINGH SUPER SPECIALTY CANCER INSTITUTE
C.G. City, Sultanpur Road, Lucknow-226002
Website: https://cancerinstitute.edu.in, Email: jdmm.sscih@gmail.com

TENDER NOTICE

On-line offers are invited through Custom bid on GeM portal **GEM/2026/B/7358435 dated: 14-03-2026 for the item- Refrigerated Desk** from Original Equipment Manufacture/Direct Importers/ Authorized Distributors (declared by principal firm only) for the supply & installation of **Refrigerated Desk.**

The Vendors are required to submit their offers on GeM portal only in two bids system i.e. Technical and Financial bid as per norms of GeM Portal with terms and conditions as mentioned against bidding documents.

For more detailed information you may please visit the Gem portal **www.gem.gov.in** or our website **https://cancerinstitute.edu.in**, for reference only.

The Director reserves the right to accept or reject any tender in part or full without assigning any reason thereof.

Advt No. KSSSCI/Tender-31/2025-26 **Joint Director (MM)**

भारतीय गुणवत्ता परिषद् QUALITY COUNCIL OF INDIA QCI Creating an Ecosystem for Quality

विज्ञापन संख्या 02/2026

एनबीक्यूपी में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद के लिए आवेदनों का आमंत्रण

मंत्रिमंडल के निर्णय से राष्ट्रीय प्रत्यायन और गुणवत्ता संवर्धन निकाय के रूप में स्थापित, भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई), एक स्वायत्त निकाय है। यह परिषद् विनिर्माण, व्यापार और सेवाओं के सभी क्षेत्रों में गुणवत्ता मानकों के प्रचार-प्रसार, अंगीकरण और अनुपालन में राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), क्यूसीआई के लिए नोडल प्वाइंट है।

क्यूसीआई, राष्ट्रीय गुणवत्ता संवर्धन बोर्ड (एनबीक्यूपी) में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के एक (01) पद के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करती है। पद का विवरण **https://qcin.org/careers** पर उपलब्ध है।

टिप्पणी:-

i. आवेदन प्रस्तुत करने की विधि: ऑनलाइन, केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख: 09.04.2026, सायं 05:30 बजे तक।
ii. शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों से ही संपर्क किया जाएगा।
iii. क्यूसीआई को यह अधिकार है कि वह, बिना कोई कारण बताए, इस विज्ञापन को रद्द कर दे/ वापस ले ले/ संशोधित कर दे।

हस्ता./-
उप निदेशक, मानव संसाधन एवं प्रशासन

QCI'S BOARDS AND DIVISIONS

Quality Council of India, World Trade Center, J-200, Block J, Narouji Nagar, Safdarjung Enclave, New Delhi- 110029
@QualityCouncilofIndia @QualityCouncil qualitycouncilofindia quality-council-of-india-qci- info@qcin.org

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVERNMENT . OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No. 2785 /22/D-12/SQC /MPRRDA/2026 Bhopal, Dated : 16.03.2026

NOTICE INVITING TENDER FOR SQC CONSULTANCY
(E-Procurement Notice)

Online bids are invited from the consultants fulfilling the required qualification criteria for Supervision and Quality Control Consultancy of Rural Roads being constructed under PMGSY & Other Works for the following districts.

- **No. of Packages – 106**

Name of Districts/PIU –Agar (Malwa), Alirajpur, Annupur, Ashoknagar, Balaghat, Barwani, Betul, Burhanpur, Bhind, Bhopal, Chhatarpur, Chhindwara, Damoh, Datia, Dewas, Dhar, Dindori, Guna, Gwalior, Harda, Narmadapuram, Indore, Jabalpur, Jhabua, Katni, Khandwa, Khargone, Maihar, Mandla, Mandsaur, Mauganj, Morena, Narsinghpur, Neemuch, Niwari, Pandhurana, Panna, Raisen, Rajgarh, Ratlam, Rewa, Sagar, Satna, Sehore, Seoni, Shahdol, Shajapur, Sheopur, Shivpuri, Sidhi, Waidhan, Tikamgarh, Ujjain, Umaria & Vidisha.

- **Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/ Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.**

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in** from 17:30 hrs on **23.03.2026.**
2. Last date of Submission of bid is **date 22.04.2026 upto 17.00 hrs.**

Other details & conditions may be seen in the detailed NIT, Tender document for SQC of Roads and Bridge works **March, 2026** on our Website **http://mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/124947/2026

'मेरी सड़क' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-03032026-270656
CG-DL-E-03032026-270656

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1085] नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 3, 2026/फाल्गुन 12, 1947
No. 1085] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 3, 2026/PHALGUNA 12, 1947

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
अधिसूचना
नई दिल्ली, 3 मार्च, 2026

का.आ. 1137(अ).— केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने के पश्चात् कि मध्य प्रदेश राज्य के रीवा जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-135B के सिरमौर - डभौरा खंड के कि.मी. 36+700 से कि.मी. 73+813 तक के भू-खण्ड के निर्माण (चौड़ीकरण/पेव्ड शोल्डर सहित 2-लेन/4-लेन का बनाना आदि), अनुरक्षण, प्रबन्धन और प्रचालन के लोक प्रयोजन के लिए वह भूमि अपेक्षित है जिसका संक्षिप्त वर्णन नीचे अनुसूची में दिया गया है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

कोई भी व्यक्ति, जो उक्त भूमि में हितबद्ध है, उक्त अधिनियम की धारा 3ग की उप-धारा (1) के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के उपयोग पर राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर अपनी आपत्ति प्रकट कर सकेगा।

ऐसी प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी, अर्थात् अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जबा को लिखित रूप में प्रस्तुत की जाएगी और उसमें उसके आधार अधिकथित किए जाएंगे और सक्षम प्राधिकारी, आपत्तिकर्ता को व्यक्तिगत रूप में या किसी विधिक पेशेवर द्वारा सुने जाने का अवसर देगा और ऐसी आपत्तियों की सुनवाई के पश्चात् तथा ऐसी और जाँच करने के पश्चात्, यदि कोई हो, जिसे सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे, आदेश द्वारा या तो आपत्तियों को अनुज्ञात कर सकेगा या अननुज्ञात कर सकेगा।

उक्त अधिनियम की धारा 3ग की उप-धारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली भूमि के रेखांक और अन्य ब्यौरे सक्षम प्राधिकारी के उक्त कार्यालय में उपलब्ध हैं और उनका हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा निरीक्षण किया जा सकता है।

अनुसूची

मध्य प्रदेश राज्य के रीवा जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-135B के सिरमौर - डभौरा खंड के कि.मी. 43+500 से कि.मी. 73+813 के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना रहित अथवा संरचना सहित भूमि का संक्षिप्त विवरण

राज्य का नाम: मध्य प्रदेश			जिले का नाम: रीवा		
क्रमिक संख्या	सर्वेक्षण संख्या	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	भूमि का क्षेत्रफल (स्थानीय इकाई)	भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर)
1	2	3	4	5	6
तालुक का नाम: जबा					
गांव का नाम: डभौरा					
1	1243/1	सामान्य	कृषि (निजी/सरकारी)	0.0082 (हेक्टेयर)	0.0082
2	1243/6	सामान्य	कृषि (निजी/सरकारी)	0.0133 (हेक्टेयर)	0.0133
गांव का नाम: रमगढवा					
3	442	सरकारी	कृषि	0.0072 (हेक्टेयर)	0.0072
4	52	सामान्य	कृषि/आवासीय (निजी/सरकारी)	0.0105 (हेक्टेयर)	0.0105
5	53	सामान्य	कृषि/आवासीय (निजी/सरकारी)	0.0304 (हेक्टेयर)	0.0304
6	538	सामान्य	कृषि (निजी/सरकारी)	0.0084 (हेक्टेयर)	0.0084
7	539	सामान्य	कृषि (निजी/सरकारी)	0.0469 (हेक्टेयर)	0.0469
8	55	सामान्य	कृषि (निजी/सरकारी)	0.0354 (हेक्टेयर)	0.0354
9	59	सामान्य	कृषि / आवासीय (निजी/सरकारी)	0.0354 (हेक्टेयर)	0.0354
10	60	सामान्य	कृषि (निजी/सरकारी)	0.0054 (हेक्टेयर)	0.0054
11	8	सामान्य	कृषि (निजी/सरकारी)	0.0084 (हेक्टेयर)	0.0084
गांव का नाम: पूछी					
12	10	सामान्य	कृषि (निजी/सरकारी)	0.0062 (हेक्टेयर)	0.0062
13	11	सरकारी	कृषि	0.0236 (हेक्टेयर)	0.0236
14	15	सरकारी	कृषि	0.04 (हेक्टेयर)	0.04
15	9	सामान्य	कृषि (निजी/सरकारी)	0.0316 (हेक्टेयर)	0.0316
गांव का नाम: सीगोटोला					
16	441	सरकारी	आयुर्वेदिक दवा केन्द्र	0.0002 (हेक्टेयर)	0.0002
17	442	सरकारी	आयुर्वेदिक दवा केन्द्र	0.0017 (हेक्टेयर)	0.0017
18	443	सरकारी	सेवा सहकारी समिति	0.0003 (हेक्टेयर)	0.0003
19	584	सरकारी	कृषि/आवासीय	0.0172 (हेक्टेयर)	0.0172
20	585	निजी	कृषि/आवासीय	0.0125 (हेक्टेयर)	0.0125
21	587	निजी	कृषि	0.0073 (हेक्टेयर)	0.0073
22	591	निजी	कृषि	0.0061 (हेक्टेयर)	0.0061
23	592	निजी	कृषि/आवासीय	0.0262 (हेक्टेयर)	0.0262
24	594	निजी	कृषि	0.0412 (हेक्टेयर)	0.0412
25	595	निजी	कृषि	0.0363 (हेक्टेयर)	0.0363
26	597	निजी	कृषि/आवासीय	0.1949 (हेक्टेयर)	0.1949
27	605	निजी	कृषि	0.0001 (हेक्टेयर)	0.0001
28	606	निजी	कृषि/आवासीय	0.0149 (हेक्टेयर)	0.0149
29	607	निजी	कृषि/आवासीय	0.0418 (हेक्टेयर)	0.0418
				Total	0.7116

[फा. सं. CE-ROBPL/30010/77/23-24/3A]
शेख अमीनखान, निदेशक

परिवर्तन संघर्ष और आध्यात्मिक उन्नति का वर्ष होगा : डॉ एन पी मिश्र

नव संवत्सर वर्ष संवत 2083 का शुभारंभ चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 19 मार्च से

जागरण, वैढ़न

नव संवत्सर वर्ष संवत 2083 का शुभारंभ चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा गुरुवार 19 मार्च से हो रहा है। इस वर्ष के संवत्सर का नाम. रौद्र है राजा. गुरु मंत्री. भौम सस्येश. शुक्र दुर्गेश. चंद्र धनेश. गुरु रासेश. सूर्य धन्येश. बुध निरसे . गुरु फ्लेश. चंद्र मेघेश. चंद्र होंगे। ज्योतिषविद् पं डॉ एन पी मिश्र महाप्रबंधक शिवधाम मंदिर वैढ़न के द्वारा नव विक्रम संवत्सर वर्ष आरंभ चक्र एवं सिंगरौली जिले के आरंभ चक्र का ज्योतिषीय विश्लेषण किया गया है। नव विक्रम संवत्सर 2083 के आरंभ के साथ ही चैत्र नवरात्रि भी आरंभ हो रही है जो मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव राम नवमी 27 मार्च शुक्रवार तक रहेगी। बृहस्पति के राजा बनने और वित्तए कृषि व पेट्रोलियम मंत्रालय की जिम्मेदारी भी मिलने के चलते नये व्यापारिक मार्ग खुलेंगे। बारिश तय समय पर होने से फसल अच्छी रहेगी हालांकि साइबर ठगी की घटनाओं का ट्रेंड बदलेगा। नव संवत्सर 2083 के शुरू होते ही ब्रह्मांडीय सत्ता और ग्रहों के मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल देखने को मिलेगा जिसका सीधा प्रभाव जनजीवन और प्रकृति पर पड़ेगा। डॉ एन पी मिश्र के अनुसार प्रत्येक वर्ष का एक विशिष्ट नाम होता

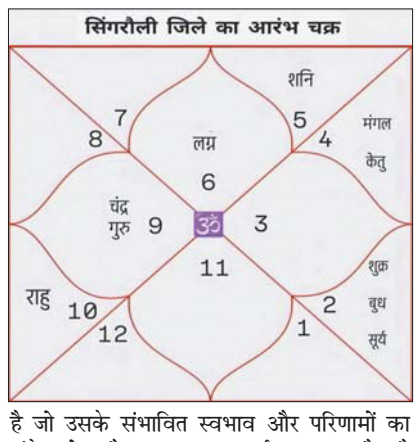

है जो उसके संभावित स्वभाव और परिणामों का संकेत देता है। इस बार नववर्ष का नाम रौद्र है आरंभ उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में हो रहा और उस समय शुक्ल योग के साथ मीन लग्न रहेगा। प्रौद्रष् शब्द का अर्थ तीव्र या उग्र प्रवृत्ति से जुड़ा माना जाता है। इसी आधार पर यह अनुमान लगाया जाता है कि वर्ष के दौरान प्राकृतिक सामाजिक या राजनीतिक स्तर पर उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। शासन प्रशासन को तत्पर रहने की आवश्यकता रहेगी साथ ही राजनीतिक दलों सामाजिक संगठनों स्वयंसेवी संस्थाओं धर्म गुरुओं श्रमिक संगठनों से संवाद बनाए रखने की आवश्यकता रहेगी। क्षेत्र में जन आंदोलन हो सकता है जो राजनीति को अस्थिर करेगा। किसी घटना.दुर्घटना बड़ी जनहानि होने की संभावना है। प्रदूषण अपने चरम पर होगा मौसम और हवाओं से लोग परेशान रहेंगे। गुरु और मंगल का संयोग कुछ विशेष परिवर्तनकारी घटनाओं का रहेगा साथ ही गुरु की अतिचारी गति भी बहुत प्रभावित करेगी। ज्योतिष शास्त्र में इस तरह का संयोग असामान्य परिस्थितियों और तीव्र घटनाक्रमों का घातक माना जाता है। इस वर्ष प्रकृति में भी असाधारण हलचल देखने को मिल सकती हैं प्राकृतिक घटनाएं मौसम में उतार.चढ़ाव और वातावरण में बदलाव लोगों को प्रभावित करेंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष साइबर अपराधों में वृद्धि होने की संभावना है।

सतर्क रहने की आवश्यकता

ज्योतिषविद् पं डॉ एन पी मिश्र ने बताया कि तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ.साथ डिजिटल सुरक्षा को लेकर लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी ओर समाज में धर्म और आध्यात्मिक प्रवृत्तियों का विस्तार भी देखने को मिलेगा। धार्मिक कार्यों पूजा.पाठ और आध्यात्मिक चिंतन की ओर लोगों का झुकाव बढ़ेगा। जो व्यक्ति धार्मिक और संयमी जीवन जीते हैं उनके लिए यह वर्ष विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हो सकता है। भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है सूर्य का प्रकोप अधिक रहेगा जिससे तापमान में असामान्य वृद्धि हो सकती है इसके बावजूद किसानों के लिए यह वर्ष सकारात्मक परिणाम देने वाला माना जा रहा है। कृषि क्षेत्र में सुधार फसल उत्पादन में वृद्धि और मेहनत का फल मिलने के योग बन रहे हैं।

परिवर्तन संघर्ष और आध्यात्मिक उन्नति का वर्ष होगा : डॉ मिश्र

यह समय संयम सतर्कता और धर्म के मार्ग पर चलने वालों के लिए उन्नति और सफलता का संदेश लेकर आएगा। डॉ एन पी मिश्र के अनुसार राजा बृहस्पति होने के कारण देशभर में आध्यात्मिक उन्नति और ज्ञान.विज्ञान के क्षेत्र में अकल्पनीय प्रगति होगी। विशेषकर कृषि और उत्पादन सेक्टर में रिकॉर्ड सफलता मिलने के योग हैं। हलांकि मंगल के मंत्री होने से समाज में उग्रता विवाद और रक्त संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। न्याय के देवता शनि की दृष्टि के कारण खनिज और तेल क्षेत्रों में कुछ प्रतिकूल प्रभाव दिख सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति एक सफल मानसून की ओर संकेत कर रही है लेकिन बुध के प्रभाव से महंगाई में तेजी आ सकती है सोना और चांदी स्वर्ण.रजत की कीमतों में भारी उछाल और उतार.चढ़ाव देखने को मिलेगा। सरकारी राजकोष में वृद्धि होगी लेकिन सुरक्षा और स्वास्थ्य मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ज्योतिषविद् पं डॉ एन पी मिश्र ने बताया कि ग्रहों के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। भगवान शिव और माता दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए।

औद्योगिक संस्थानों में विभिन्न श्रम संबंधी कानूनों की जॉच हेतु

कलेक्टर ने उपखण्ड अधिकारियों के नेतृत्व में दल किया गठित

सिंगरौली। कलेक्टर गौरव बैनल द्वारा सिंगरौली जिला अंतर्गत संचालित कोयला तथा पावर परियोजनाओं सहित अन्य औद्योगिक संस्थानों में विभिन्न श्रम संबंधी कानूनो एवं श्रमिक सुरक्षा संबंधी प्रावधानों तथा औद्योगिक सुरक्षा मापदण्डों का सही ढंग से एवं नियमानुसार पालन किया जा रहा है अथवा नहीं, की जांच हेतु उपखण्ड अधिकारियो के नेतृत्व में दल गठित पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टर द्वारा उपखण्ड सिंगरौली अंतर्गत कार्यरत औद्योगिक संस्थानों की जॉच हेतु उपखण्ड अधिकारी सिंगरौली सुरेश जाधव के नेतृत्व मे दल गठित करते हुयें एन. के. पाण्डेय श्रम पदाधिकारी,रविन्द्र कोरी सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा तथा राहुल प्रधान श्रम निरीक्षक को शामिल किया गया है। इसी तरह से उपखण्ड देवसर में संचालित औद्योगिक कम्पनियों की जॉच एसडीएम देवसर सौरभ मिश्रा सहित दल में शामिल सदस्य एन. के. पाण्डेय श्रम पदाधिकारी,रविन्द्र कोरी सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा तथा राहुल प्रधान श्रम निरीक्षक करेगे। कलेक्टर द्वारा उपखण्ड माड़ा संचालित औद्योगिक कम्पनियो की जॉच हेतु एसडीएम माड़ा के नेतृत्व में दल गठित किया गया है दल में एन. के. पाण्डेय श्रम पदाधिकारी, रविन्द्र कोरी सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा तथा राहुल प्रधान श्रम निरीक्षक को शामिल किया गया है। उपखण्ड चितरंगी में कम्पनियों की जॉच उपखण्ड अधिकारी चितरंगी देवेन्द्र द्विवेदी सहित दल में शामिल सदस्य एन. के. पाण्डेय श्रम पदाधिकारी, रविन्द्र कोरी सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा तथा राहुल प्रधान श्रम निरीक्षक करेगे। वही उपखण्ड माड़ा में कार्यरत महान एनर्जन लिमिटेड के बंधौरा स्थित पावर प्लांट की जॉच हेतु उखण्ड अधिकारी माड़ा नंदन तिवारी सहित एन.के.पाण्डेय श्रम पदाधिकारी, रविन्द्र कोरी सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा तथा राहुल प्रधान श्रम निरीक्षक को निर्देशित करते हुयें निर्धारित समयानुसार सभी तथ्यो की विधिवत जॉच कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गये है।

चितरंगी आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह समारोह में 93 जोड़ों ने लिए सात फेरे

हर मॉ-बाप का सपना होता है कि उसके लाडली की डोली हंसी खुशी उठे : राज्यमंत्री राधा सिंह

सिंगरौली। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चितरंगी के खेल मैदान में आयोजित सामूहिक कन्या विवाह समारोह में 93 जोड़ो ने इश्वर का साक्षीं मानकर पूरे विधि विधान के साथ विवाह बंधन में बधे। सामूहिक कन्या विवाह समारोह का आयोजन राज्यमंत्री माध्यप्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रमीण विकास विभाग श्रीमती राधा सिंह के मुख्य अतिथि में सम्पन्न हुआ। समारोह के दौरान वर वधु पंक्ष के लोगो के लिए स्वदिष्ट व्यंजनो का इंतजाम कराने के साथ ही ढोल ढमाको का भी पूरा प्रबंध किया गया था। समारोह में विवाह बंधन में बधे नव जोड़ो को अपना शुभाशीष देते हुयें राज्यमंत्री श्रीमती सिंह ने कहा कि हर मॉ बाप का सपना होता है कि उनके लाडली बेटी की डोली हसी खुशी के साथ उठे विवाह में किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने कहा कि गरीब माता पिता को इस बात की चिंता सताती रहती थी कि अपनी बेटी के विवाह में खर्च होने वाले धन की व्यवस्था कहा से करे इसके प्रबंध में ही उनको कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था। लेकिन हमारी सरकार ने सकंल्प लिया है कि प्रदेश की हर गरीब बेटी के विवाह की जिम्मेदारी राज्य सरकार उठायेंगी। बेटी के मॉ बाप को किसी भी प्रकार की समस्या नही होगी वे अपनी बेटी की को अपने आगन से हसी खुशी विदा करेगे। वही देवसर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में 8, नगर परिषद बरगवा में 5 तथा नगर परिषद सरई मे आयोजित सामूहिक विवाह समारो में 11 जोड़े परिणय सूत्र में बधे। इस अवसर पर एसडीएम चितरंगी देवेन्द्र द्विवेदी, जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. रविन्द्र सिंह,जनपद अध्यक्ष चितरंगी सिया दुलारी तहसीलदार नागेश्वर पनिका, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मान सिंह सैयाम सहित ग्राम पंचायतो के सरपंच, पंच, वर वधु के परिजन उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित, फरियादियों की समस्याएँ सुनी गईं

जागरण, वैढ़न। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय सिंगरौली में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए आवेदकों ने अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक फरियादी से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएँ गंभीरता से सुनीं। कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया तथा शेष आवेदनों पर त्वरित एवं वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु संबंधित राजपत्रित अधिकारियोंए थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा एसडीओपी चितरंगी राहुल सैयाम प्रभारी नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री रोशनी पटेल थाना प्रभारी कोतवाली अशोक सिंह परिहार थाना प्रभारी विध्यनगर श्रीमती अर्चना दिवेदी थाना प्रभारी नवानगर अनिल पटेल महिला थाना प्रभारी श्रीमती आराधना सिंह परिहार चौकी प्रभारी खुटार उप निरीक्षक श्रीमती शीतला यादव उप निरीक्षक स्वतंत्र रावत सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। महिला फरियादियों की शिकायतों पर विशेष ध्यान देते हुए महिला अधिकारियों द्वारा उनकी काउंसलिंग कराई गई तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

अटल सामुदायिक भवन बिलौजी में आयोजित

मुख्यमंत्री कन्या विवाह में 70 जोड़ों ने थामा एक दूजे का हाथ

विधायक सिंगरौली, देवसर सहित उपस्थित जन प्रतिनिधियों ने जोड़ों पर पुष्प वर्षा कर दी वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं

सिंगरौली। मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के तहत अटल सामुदायिक भवन बिलौजी में सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 70 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। समारोह में उपस्थित सिंगरौली विधानसभा के विधायक राम निवास शाह, देवसर विधानसभा के विधायक राजेन्द्र मेश्राम, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, सिंगरौली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष दिलीप शाह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दर लाल शाह, जिला पंचायत सदस्य संदीप शाह, पार्षद सीमा जयसवाल, रामनेरश शाह, राम गोपाल पाल, नगर निगम आयुक्त सविता प्रधान, उपायुक्त आरपी बैस सहित अन्य अतिथियो ने नव विवाहित जोड़ो के पर पुष्प वर्षा कर उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।आयोजन में नगर निगम क्षेत्र के 13 तथा जनपद पंचायत क्षेत्र बैढ़न क्षेत्र के 57 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ । यह समारोह आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को सम्मानपूर्वक विवाह करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

झींगापालन एवं अन्य मत्स्यपालन गतिविधि का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

सिंगरौली। मछुआ समृद्धि योजना अंतर्गत झींगापालन एवं अन्य मत्स्यपालन गतिविधि का प्रशिक्षण 13 से 16 मार्च तक तक कृषि विज्ञान केंद्र सिंगरौली में वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक जय सिंह के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के तीनों विकास खंडों से 26 प्रशिक्षणार्थियो ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण में मत्स्यपालकों की आय में वृद्धि तथा पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महाझींगा पालन की उन्नत तकनीकों की विस्तृत जानकारी देने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र टीकमगढ़ के वैज्ञानिक डॉ सतेंद्र कुमार एवं दतिया से मत्स्य वैज्ञानिक डॉ योगेश चंद्र रेखारी के द्वारा गूगल मीट के माध्यम से मत्स्य पालकों को विस्तृत जानकारी दी गई वैज्ञानिक अखिलेश कुमार चौबे के द्वारा मछली पालन आधारित समन्वित खेती तथा झींगा पालन एवं अन्य मछलीपालन गतिविधि से संबंधित जानकारी दी गई। इस अवसर पर सहायक संचालक मत्स्योदयोग मनोज अग्रवाल एवं मत्स्य निरीक्षक राकेश कुमार शुक्ला उपस्थित रहे।

डेढ़ वर्ष की गुमशुदा बालिका 2 घंटे में सकुशल बरामद

नवानगर पुलिस की कार्यवाही

जागरण, वैढ़न। नवानगर पुलिस द्वारा त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही करते हुए डेढ़ वर्ष की गुमशुदा बालिका को महज 2 घंटे के भीतर सकुशल दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया गया। थाना नवानगर क्षेत्र में रात्रि लगभग 12.10 बजे डायल 112 के माध्यम से एक डेढ़ वर्ष की बालिका के गुम होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा को अवगत कराया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं उप पुलिस अधीक्षक सुश्री रोशनी कुर्मी के निर्देशन में थाना प्रभारी नवानगर अनिल पटेल अपनी टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। बताया गया कि बालिका की माता शिवकुमारी दोपहर लगभग 2 बजे जंगल में लकड़ी लेने गई थीं तथा बालिका को बड़े पिता बाबादीन के संरक्षण में छोड़ गई थीं। वापस लौटने पर बालिका घर पर नहीं मिली जिसके बाद परिजनों द्वारा काफी खोजबीन की गई परंतु कोई सफलता नहीं मिली और अंततः पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस टीम द्वारा तत्परता के साथ जांच प्रारंभ की। पुलिस द्वारा बालिका की माता एवं परिजनों से सूक्ष्मता से पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि बालिका की मामी बिना बताए उसे अपने मायके ले गई थी। पुलिस द्वारा त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही करते हुए रात्रि लगभग 02. 00 बजे बालिका को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया गया।

इंटरनेशनल मैथ्स ओलंपियाड में तरुण तिवारी का जलवा

प्रदेश में 5वीं रैंक के साथ सीधी का बढ़ाया गौरव क्राइस्ट ज्योति स्कूल के कक्षा 8वीं के छात्र की उपलब्धि परिवार व जिले में खुशी की लहर

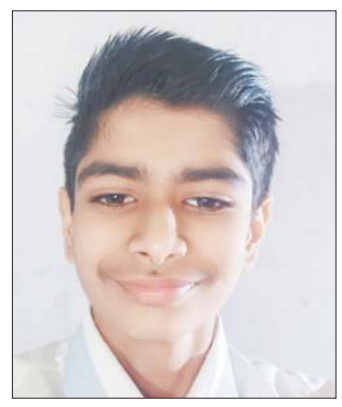

जागरण, वैढ़न। सीधी जिले के छात्र तरुण तिवारी ने इंटरनेशनल मैथ्स ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर 5वीं रैंक हासिल कर सीधी का नाम रोशन किया है। यह परीक्षा इंडियन टैलेंट ओलंपियाड नई दिल्ली द्वारा आयोजित की गई थी। क्राइस्ट ज्योति स्कूल सीधी में कक्षा 8वीं के छात्र तरुण तिवारी ने प्रारंभिक परीक्षा में 100 में से 82 अंक प्राप्त कर मुख्य परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया। इसके बाद मुख्य परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करते हुए उन्होंने प्रदेश में 5वां स्थान प्राप्त किया। तरुण तिवारी के पिता पियूष तिवारी अधिवक्ता हैं जबकि माता स्वर्णा मिश्रा सीएम राइज स्कूल सीधी में शिक्षिका हैं। उनके दादा स्व.रामलखन तिवारी शासकीय चिकित्सालय सीधी में रेडियोग्राफर के पद से सेवानिवृत्त थे एवं दादी यशोगति तिवारी कलेक्टरेट कार्यालय सीधी से क्लर्क पद से सेवानिवृत्त हैं। उनके चाचा पंकज तिवारी भोपाल में भेषजिकी के व्याख्याता हैं। मूलतः हनुमानगढ़ तहसील रामपुर नैकिन जिला सीधी के निवासी तरुण वर्तमान में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सीधी में निवास करते हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार विद्यालय और जिले में हर्ष का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने तरुण की सफलता पर खुशी जताते हुए इसे अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अत्याचार निवारण समिति की बैठक 18 मार्च को

सिंगरौली। जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1995 के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक का आयोजन आगामी 18 मार्च को किया गया है। समिति की बैठक कलेक्टर गौरव बैनल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शांय 4 बजे आयोजित होगी।

ज्वालामुखी मेला समिति के गठन को लेकर क्षेत्र में असंतोष निष्पक्ष जांच की मांग

जागरण, शक्तिनगर। शक्तिनगर क्षेत्र में आयोजित होने वाले प्राचीन ज्वालामुखी मेले के संचालन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी के मंडल महामंत्री गुतेश्वर कुमार सोनी द्वारा उपजिलाधिकारी दुद्धी को पत्र सौंपकर मेला समिति के गठन में अनियमितताओं की शिकायत की गई है। जानकारी के अनुसारए ज्वालामुखी मंदिर पर लगने वाला यह मेला वर्षों से ग्राम पंचायत चिल्का डाड़ के माध्यम से संचालित होता रहा है जिसमें सरकारी व्यवस्था एवं आय.व्यय का समुचित प्रबंधन किया जाता था। सन 2019 में मंदिर के प्राधिकृत पुजारी हेमंत मिश्रा द्वारा उच्च न्यायालय इलाहाबाद में याचिका दाखिल करते हुए ग्राम सभा एवं राजस्व विभाग द्वारा संयुक्त रूप से मिला की भूमि को नीलामी किए जाने पर रोक लगा दिया गया है इसके बाद से विगत 2-.3 वर्षों से मेला समिति का गठन ग्राम पंचायत से अलग कर अन्य व्यक्तियों के माध्यम से कराया जा रहा है जिससे पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। श्री सोनी ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि इस प्रकार की प्रक्रिया न्यायोचित नहीं है और इससे स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न लग रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा मेला समिति का गठन पुनः ग्राम पंचायत चिल्का डाड़ के माध्यम से ही सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई करते हुए स्थानीय जनता की समस्याओं का समाधान किया जाएए ताकि मेला का आयोजन पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

मप्र द्वारा एनटीपीसी विंध्याचल में वृहद औद्योगिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जागरण, विंध्यनगर। औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संचालनालय मध्य प्रदेश द्वारा आज क्षेत्रीय श्रम संस्थान में एक वृहद औद्योगिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी मेजबानी एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में सिंगरौली सतना रीवा सीधी शहडोल एवं अनूपपुर जिलों की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों से 90 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सिंगरौली के कलेक्टर गौरव बेनल द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। इस अवसर पर औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मध्य प्रदेश की निदेशक श्रीमती नमिता तिवारी तथा एनटीपीसी विंध्याचल के परियोजना प्रमुख विंध्याचल संजीब कुमार साहा विशिष्ट रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में आईएएस अधिकारी एवं जिला कलेक्टर सिंगरौली गौरव बेनल ने किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश की निदेशक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा श्रीमती नमिता तिवारी भी उपस्थित थीं। परियोजना प्रमुख विंध्याचल संजीब कुमार साहा विशिष्ट रूप से उपस्थित रहे। साथ ही ए.जे. राजकुमार महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण एम.सुरेश महाप्रबंधक अनुरक्षण एवं एडीएम एस.के. सिन्हा महाप्रबंधक प्रचालन एवं एफएम श्रीमती रूमा दे शर्मा मानव संसाधन प्रमुख विंध्याचल और आशीष अग्रवाल अपर महाप्रबंधक सुरक्षा शामिल रहे। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों का शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। अपने संबोधन में कलेक्टर गौरव बेनल ने सतत औद्योगिक विकास के लिए सुरक्षा मानकों के पालन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने उद्योगों में कार्यरत कर्मियों के नियमित प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए सड़क सुरक्षा एवं खदान सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात कही। श्रीमती नमिता तिवारी ने नवीन व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य एवं कार्यस्थल परिस्थितियां संहिता के प्रावधानों की जानकारी देते हुए सुरक्षा घटनाओं की पारदर्शी रिपोर्टिंग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने श्री श्रम स्टार रेटिंग प्रणाली हर्ट.फ्री डेज् एवं आरोह फायर ऑडिट जैसी महत्वपूर्ण नवाचार पहलों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए जिसमें श्रीमती भावना कस्तूरिया द्वारा एआई आधारित सुरक्षा समाधान रासायनिक प्रबंधन एवं सीमित स्थान सुरक्षा पर प्रस्तुति दी गई। रिलायंस सासन हिंडाल्को महान अडानी पावर तथा एनटीपीसी विंध्याचल सहित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों द्वारा सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया गया वहीं एम/एस करम द्वारा आधुनिक पीपीई एवं उन्नत सुरक्षा उपकरणों का प्रदर्शन किया गया। यह कार्यक्रम ज्ञान साझा करने एवं औद्योगिक इकाइयों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने का एक प्रभावी मंच साबित हुआ। कार्यक्रम का समापन आशीष कुमार अग्रवाल अपर महाप्रबंधक सेफ्टी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

रोहित ने शुरू की तैयारी, नेट्स पर बहाया पसीना

आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से, मुंबई इंडियंस 29 मार्च को केकेआर से भिड़ेगी

मुंबई, जेएनएन। मुंबई इंडियंस (एमआई) के स्टार बल्लेबाज और टीम को पांच बार आईपीएल चैंपियन बनाने वाले रोहित शर्मा ने 2026 सीजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। टीम का प्री-सीजन कैंप शुरू होते ही हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित नेट्स पर उतर गए और शानदार फॉर्म में नजर आए। आईपीएल के 19वें सीजन का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। हार्दिक पंड्या की अगुआई वाली मुंबई अपना अभियान 29 मार्च को शुरू करेगी। मुंबई की पहले मैच में वानखेड़े स्टेडियम पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से टक्कर होगी। प्री सीजन कैंप में हेड कोच महेला जयवर्धने के नेतृत्व में भारतीय खिलाडियों का पहला बैच पहले ही जिम और एजिलिटी ड्रिल्स पूरा कर चुका है। रोहित, शार्दुल ठाकुर के अलावा मयंक मार्कंडे, गजनफर, नमन धीर, राजा अंगद बावा, रॉबिन मिंज, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मालेवार, मोहम्मद इजहार और अश्विनी कुमार भी कैंप में शामिल हो चुके हैं। कप्तान हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह के जल्द टीम से जुड़ने की उम्मीद है। 38 वर्षीय दिग्गज ने अभ्यास के दौरान छक्का जड़ने के बाद ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की टांग खींची, जिसका वीडियो एमआई ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। वीडियो में देखा जा सकता है कि रोहित को शार्दुल बॉलिंग कर रहे थे। वह लेंथ मिस कर गए। उसके बाद, रोहित ने जोरदार छक्का मारा। जब शार्दुल ने गेंद को उड़ते हुए देखा तो रोहित ने मजाक में कहा कैच इट इन द स्टैंड यानी स्टैंड में जाकर लपको। रोहित के इतना कहने के बाद शार्दुल भी मुस्कुराने लगे। शार्दुल लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) से मुंबई इंडियंस में आए हैं। एमआई ने उन्हें 2 करोड़ रुपये में ट्रेड किया।

रोहित पहले से कहीं ज्यादा फिट: महेला जयवर्धने

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने मंगलवार को कहा कि रोहित आईपीएल 2026 से पहले काफी फिट और पूरी तरह प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं तथा उन्होंने अपने कौशल पर जमकर काम किया है। जयवर्धने को उम्मीद है कि भारत और मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान टीम का मार्गदर्शन करना जारी रखेंगे। जयवर्धने ने एमआई जूनियर 2026 फाइनल्स के दौरान कहा, उन्होंने काफी मेहनत की है। पिछले सप्ताह उन्होंने अपने कौशल पर काफी काम किया और अभ्यास शिविर के पहले दिन से ही हमारे साथ जुड़ गए। नेट सत्र में वह लय में दिख रहे हैं।

धोनी शीर्ष छह में बल्लेबाजी करें या फिर हट जाएं: एबी डिविलियर्स

नई दिल्ली, जेएनएन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने मंगलवार को बेबाक राय देते हुए कहा कि महेंद्र सिंह धोनी को आगामी आईपीएल में शीर्ष छह में बल्लेबाजी करनी चाहिए, क्योंकि आठवें या नौवें नंबर पर आने से उनकी मौजूदगी के साथ न्याय नहीं होता। धोनी 44 साल के हो चुके हैं और 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए खेलेंगे और डिविलियर्स ने इस करिश्माई खिलाड़ी से पिछले कुछ वर्षों में बल्लेबाजी क्रम में बहुत नीचे खेलने की रणनीति को बदलने की अपील की। आगामी आईपीएल सत्र में सीएसके में धोनी की भूमिका पर बात करते हुए डिविलियर्स ने कहा कि यह बहुत मुश्किल है और सीधा-सीधा मामला नहीं है। ब्रांड बनने में वर्षों लगते हैं और सीएसके ने धोनी की शख्सियत के साथ कई वर्षों में यह साम्राज्य खड़ा किया है, जो हमेशा से वहां मौजूद रहे हैं। जब आप सीएसके का नाम लेते हैं, तो तुरंत आपके दिमाग में धोनी का नाम आता है।

आईपीएल से पहले टीमों को झटका

हर्षित राणा: केकेआर के तेज गेंदबाज हर्षित राणा पिछले महीने हुई घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं और वह आईपीएल के अधिकतर मैचों से बाहर रह सकते हैं। बीसीसीआई ने अभी तक उनकी वापसी के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है। राणा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के टी-20 विश्व कप के अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। वह अभी रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं।

जोश हेजलवुड: गत चैंपियन आरसीबी तेज गेंदबाज हेजलवुड के बिना अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार नजर आ रही है, जो फिलहाल चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं। 2026 में वह अपनी फ्रेंचाइजी के लिए शुरुआती दो मैच नहीं खेल सकेंगे।

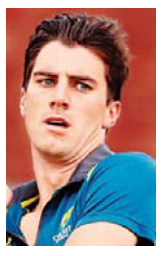

पेट कमिंस: देर से आने वाले खिलाड़ियों की सूची में हेजलवुड के साथ एक और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस का नाम भी जुड़ने की संभावना है। उम्मीद है कि कमिंस भी सनराइजर्स हैदराबाद के शुरुआती कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे।

खेल एक नजर

विश्व कप से पहले मैत्री मैचों के लिए नेमार ब्राजील टीम से बाहर

रियो डी जनेरियो, जेएनएन। स्टार स्ट्राइकर नेमार को इस महीने अमेरिका में होने वाले मैत्री मैचों के लिए ब्राजील की फुटबॉल टीम में नहीं चुना गया है, जिससे उनके विश्व कप में खेलने को लेकर संदेह पैदा हो गया है। ब्राजील के पूर्व कप्तान 34 साल के नेमार अक्टूबर 2023 में चोटिल होने के बाद से पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ब्राजील 26 मार्च को बोस्टन में फ्रांस के खिलाफ और चार दिन बाद ऑरलैंडो में क्रोएशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगा। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को कहा कि यह एक ऐसी टीम है, जिसमें उन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो पूरी तरह से फिट हैं। ब्राजीली लीग में सैंटोस और कोरिंथियंस के बीच 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में नेमार का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। नेमार ने साओ पाउलो में एक कार्यक्रम में मीडिया से कहा कि दो मैत्री मैचों के लिए ब्राजील की टीम में शामिल न होने से वह दुखी और निराश हैं, लेकिन उन्हें अभी उम्मीद है कि वह विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने में सफल रहेंगे। उन्होंने कहा कि मेरा पूरा ध्यान हर अभ्यास सत्र और हर मैच में अच्छा प्रदर्शन करने पर है। विश्व कप टीम की घोषणा 18 मई को की जाएगी। टीम का आखिरी अभ्यास मैच 31 मई को रियो डी जनेरियो में पनामा के खिलाफ होगा।

मैदान से हटकर

एनिवर्सरी पर बुमराह ने लिखा दो शब्द का कैप्शन

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हाल ही अपनी शादी की पांचवीं सालगिरह मनाई। इस खास मौके पर उन्होंने अपनी पत्नी और स्पोर्ट्स प्रेजेंटर संजना गणेशन के साथ इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। हालांकि, बुमराह का कैप्शन सिर्फ दो शब्दों का था 'हैप्पी एनिवर्सरी', जिसे लेकर सोशल मीडिया पर मजेदार माहौल बन गया। संजना ने भी इस पोस्ट पर मजाकिया अंदाज में जवाब देते हुए लिखा, यार दिल छू लेने वाला कैप्शन है। उनका यह कमेंट फैंस को काफी पसंद आया और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद संजना ने भी बुमराह के साथ अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं और एक भावुक कैप्शन लिखा। उन्होंने कहा कि चाहे जिंदगी उन्हें कहीं भी ले जाए या दुनिया कितनी भी शोर क्यों न करे, उनके लिए सबसे खास चीज हमेशा उनका साथ और एक-दूसरे का प्यार रहेगा। उन्होंने लिखा कि पांच साल अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ शादीशुदा जिंदगी बिताना उनकी सबसे पसंदीदा कहानी है। हाल ही में टी-20 विव कप के फाइनल में भी बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने चार ओवर में चार विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर लगातार दूसरा टी-20 विश्व कप खिताब अपने नाम किया। बुमराह इस टूर्नामेंट में सबसे च्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल रहे, जहां उनके साथ वरुण चक्रवर्ती भी संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे। (जेएनएन)

दूसरे टी-20 में कीवियों ने दक्षिण अफ्रीकी टीम को 68 रन से हराया

न्यूजीलैंड ने टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को दी सबसे बड़ी हार, सीरीज बराबर की

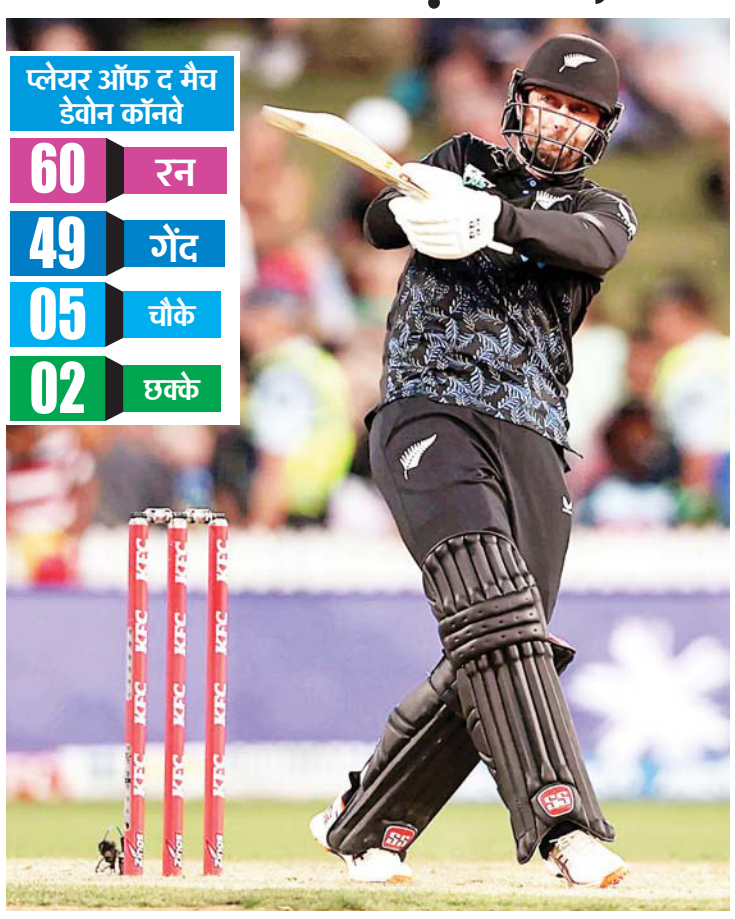

जेएनएन, हैमिल्टन

सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने 60 रन की आकर्षक पारी खेली, जबकि तेज गेंदबाज बेन सीयर्स और लॉकी फर्ग्यूसन ने तीन-तीन विकेट लिए, जिससे न्यूजीलैंड ने मंगलवार को दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 68 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। यह न्यूजीलैंड की दक्षिण अफ्रीका पर सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने दक्षिण अफ्रीका को 32 रन से हराया था। प्लेयर ऑफ द मैच कॉनवे की 49 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया, जिसमें जोश क्लर्कसन नाबाद 26 रन बनाकर दूसरे बड़े स्कोरर रहे। इससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 175 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 15.3 ओवर में 107 रन पर आउट हो गई। उसके बल्लेबाजों को पिच की गति और उछाल से सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई। उनकी टाइमिंग सही नहीं थी, जिसके कारण उसके सभी बल्लेबाज कैच आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका ने अपने आखिरी छह विकेट 40 रन पर गंवाए। जॉर्ज लिंडे की तूफानी पारी के दम पर ही वह 100 रन की संख्या पार कर पाया। लिंडे ने 12 गेंदों में तीन चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से 33 रन बनाए। हाल ही में टी-20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के रिजर्व खिलाड़ी रहे सियर्स ने 14 रन देकर तीन, जबकि फर्ग्यूसन ने 16 रन देकर तीन विकेट लिए। तीसरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाएगा।

मंधाना वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार, हरमनप्रीत को फायदा

जेएनएन, दुबई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं, जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान पर कायम हैं। रैंकिंग में यह बदलाव न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन के दो स्थान फिसलकर नौवें नंबर पर आने के बाद हुआ। भारत की जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बरकरार हैं। न्यूजीलैंड की बल्लेबाज मैडी ग्रीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 'आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज' के अंतिम मैच में 94 रनों की शानदार पारी खेलकर रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। 33 वर्षीय ग्रीन की डुनेडीन में खेली गई 73 गेंदों की पारी की बदौलत उनकी टीम ने 200 रन से जीत दर्ज करते हुए सीरीज में 3-0 से सूपड़ा साफ किया। इस प्रदर्शन से वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर 610 रेटिंग अंकों के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। न्यूजीलैंड की हरफनमौला अमेलिया केर ने आखिरी वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए 80 रन बनाने के साथ 22 रन देकर पांच विकेट झटके और प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार अपने नाम किया। इस बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। इस प्रदर्शन से केर 21वें स्थान से संयुक्त 19वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

सलमान आगा का रनआउट नियमों के तहत: एमसीसी

लंदन, जेएनएन। क्रिकेट नियमों के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने कहा है कि तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे में पाकिस्तान के सलमान अली आगा को बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज द्वारा गेंदबाजी छोर पर रनआउट किया जाना नियमों के तहत पूरी तरह सही फैसला था। यह विवादित घटना 39वें ओवर में हुई जब मोहम्मद रिजवान ने गेंद को सीधे गेंदबाज की ओर खेला। मेहदी से हल्की टक्कर के बाद आगा गेंद को 'डेड' समझते हुए क्रीज से बाहर निकलकर गेंद उठाने के लिए झुके, लेकिन मेहदी ने गेंद उठाकर स्टंप्स पर मार दी। उस समय आगा क्रीज से काफी बाहर थे। एमसीसी ने कहा, नियमों के अनुसार अंपायर के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था। नॉन-स्ट्राइकर (गेंदबाजी छोर के पास खड़ा बल्लेबाज) स्पष्ट रूप से क्रीज से बाहर था। जब गेंद को विकेट पर थ्रो किया गया, तब वह खेल का हिस्सा था। ऐसे में यह आउट था।

ओलंपिक में चार दिन पहले शुरू हो जाएंगे फुटबॉल मैच

लॉस एंजिलिस, जेएनएन। लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में पुरुषों और महिलाओं के फुटबॉल मैच उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले शुरू होंगे और इन्हें अमेरिका के सात शहरों में आयोजित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने जो कार्यक्रम तैयार किया है उसके अनुसार शुरुआत से ही टीमों को पिछले ओलंपिक की तुलना में विश्राम के लिए दो अतिरिक्त दिवस मिलेंगे। ओलंपिक में फुटबॉल के मैच 10 जुलाई से शुरू होंगे। इसके ग्रुप चरण और क्वार्टर फाइनल के मैच न्यूयॉर्क, कोलंबस, ओहियो, नैशविले, टेनेसी और सेंट लुई में खेले जाएंगे। नॉकआउट राउंड के बाकी मैच कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में होंगे। स्वर्ण पदक के लिए होने वाला मैच रोज बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा। इसी स्टेडियम में 1994 का पुरुष विश्व कप का फाइनल, 1999 का महिला विश्व कप का फाइनल और 1984 के ओलंपिक खेलों का स्वर्ण पदक का मैच आयोजित किया गया था। टूर्नामेंट का विस्तृत कार्यक्रम इस साल के आखिर में जारी किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया एशियाई कप के फाइनल में

पर्थ, जेएनएन। सैम केर के दूसरे हाफ में दागे गोल की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को गत चैंपियन चीन को 2-1 से हराकर महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। मध्यांतर तक मुकाबला 1-1 से बराबर था, जिसके बाद चेल्सी की अनुभवी फारवर्ड केर ने 58वें मिनट में बाएं पैर से शॉट लगाकर गोल दागकर स्कोर 2-1 किया, जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। इससे पहले केटलिन फूर्ड ने 17वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई थी, जबकि चीन ने 26वें मिनट में पेनल्टी पर दागे झांग लिनयेन के गोल से बराबरी हासिल की। ऑस्ट्रेलिया की टीम फाइनल में जापान और दक्षिण कोरिया के बीच बुधवार को होने वाले सेमीफाइनल की विजेता टीम से भिड़ेगी।

ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने वाली ईरान की खिलाड़ियों ने शुरू किया अभ्यास

ब्रिस्बेन, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने वाली ईरान की महिला फुटबॉल टीम की दो खिलाड़ियों ने ब्रिस्बेन में एक पेशेवर क्लब के साथ अभ्यास शुरू कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने के बाद यह पहला अवसर है, जबकि वह सार्वजनिक रूप से सामने आई हैं। ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित ए-लीग महिला घरेलू प्रतियोगिता में खेलने वाली टीम ब्रिस्बेन रोर ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें ईरान की खिलाड़ी फातिमेह पसंदिदेह और अतेफेह रामेजानीसादेह को क्लब की महिला टीम के साथ दिखाया गया है, जिसमें उन्होंने क्लब की जर्सी पहन रखी है और वे मुस्कुरा रही हैं। यह तस्वीर ऐसे समय में सामने आई है, जब ईरान की टीम के बाकी सदस्य मलेशिया से ओमान के लिए रवाना हो गए।

आकर्षी ने ऑरलियन्स मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया

ऑरलियन्स, जेएनएन। भारत की आकर्षी कश्यप ने मंगलवार को ऑरलियन्स मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वालिफाइंग दौर में दो जीत दर्ज करते हुए महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज आकर्षी ने पहले मुकाबले में हमवतन श्रीयांशी वलीशेट्टी को 21-19, 17-21, 21-13 से हराया और फिर अगले मैच में ताइपे की ली वाई एच को 21-17, 21-19 से मात दी। पुरुष एकल के क्वालिफाइंग राउंड में एस सुब्रमणियन को मलेशिया के ली जी जिया से 12-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। महिला युगल में, भारतीय जोड़ी अश्विनी भट के और शिखा गौतम को रुई हिरोकामी और सायका होबारा की जापान की जोड़ी के खिलाफ वॉकओवर मिला।

स्मिथ व वॉर्नर सहित कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी लीग में खेलेंगे

पीएसएल: पाक ने विदेशी खिलाड़ियों की सुरक्षा चिंताओं को किया खारिज

कराची, जेएनएन। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में शामिल होने वाले विदेशी खिलाड़ियों की सुरक्षा और यात्रा प्लान को लेकर चिंताओं को पूरी तरह खारिज कर दिया है। गल्फ क्षेत्र में लगातार तनाव बढ़ रहा है, जिससे विदेशी खिलाड़ियों, विशेषकर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की चिंता बढ़ गई है। पीएसएल का 11वां सीजन 26 मार्च से शुरू हो रहा है। पीएसएल में कई विदेशी खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। अब पीसीबी के एक सूत्र ने उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें कहा गया था कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और पड़ोसी अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान के सीमा विवाद के कारण ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को देश की यात्रा करने में हिचकिचाहट है। सूत्र ने कहा, सभी यात्रा व्यवस्थाएं और योजनाएं पूरी हो चुकी हैं और पीएसएल के 11वें सीजन के लिए अनुबंध करने वाले सभी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अगले सप्ताह से आना शुरू कर देंगे। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में मंगलवार को हुए एक भीषण एयरस्ट्राइक में सैकड़ों निर्दोष लोगों की जान चली गई। हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने खिलाड़ियों को पेशावर की यात्रा नहीं करने की सलाह दी है।

फुटबॉल विश्व कप: अपने मैच अमेरिका से मेक्सिको स्थानांतरित करना चाहता है ईरान

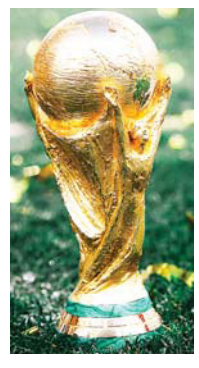

मेक्सिको सिटी, जेएनएन। मेक्सिको स्थित ईरान के दूतावास ने मंगलवार को कहा कि ईरान अपने विश्व कप मैचों को अमेरिका से मेक्सिको स्थानांतरित करने के लिए फीफा से बातचीत कर रहा है। यह कदम उस समय सामने आया है, जब सह मेजबान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए ईरान को टूर्नामेंट में भाग लेने से हतोत्साहित किया। फीफा की ओर से अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि इस तरह की कोई औपचारिक बातचीत चल रही है या नहीं। फीफा ने इस मामले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। ईरान के अधिकारियों ने पहले कहा था कि विश्व कप के दौरान टीम की सुरक्षा सुनिश्चित करना फीफा और अमेरिका की जिम्मेदारी है। दूतावास ने ईरान फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज के हवाले से बयान जारी करते हुए कहा कि खिलाड़ी और अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईरान अपने ग्रुप चरण के मैच मेक्सिको में कराना चाहता है। इस बयान के मुताबिक, जब ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह ईरान की राष्ट्रीय टीम की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते, तो हम निश्चित रूप से अमेरिका की यात्रा नहीं करेंगे। हम वर्तमान में फीफा के साथ बातचीत कर रहे हैं कि विश्व कप में ईरान के मैच मेक्सिको में आयोजित किए जाएं। यह विश्व कप अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की संयुक्त मेजबानी में आयोजित हो रहा है। ईरान को 16 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ कैलिफोर्निया के इंगलवुड में मैच खेलने हैं, जबकि 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ ग्रुप चरण का अंतिम मुकाबला निर्धारित है। विश्व कप शुरू होने से तीन महीने से भी कम समय पहले मैचों का स्थान बदलना अभूतपूर्व कदम होगा। ट्रंप ने पिछले सप्ताह कहा था कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बावजूद ईरान टीम का स्वागत है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि अपने जीवन और सुरक्षा के लिए उनका वहां होना उचित है।

दैनिक जागरण
सतना जागरण
www.dainikjagranmpcg.com
रीवा, 18 मार्च , 2026
12

प्री-ऑक्शन कमेटी की बैठक आज मैहर में

सतना। मैहर जिले में स्थित प्रमुख खनिज ब्लॉकों की नीलामी से पूर्व आवश्यक प्रक्रियाओं के संबंध में प्री-ऑक्शन कमेटी की बैठक कलेक्टर मैहर रानी बाटड की अध्यक्षता में 18 मार्च 2026 को दोपहर 12.30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक के पश्चात आयोजित होगी। खनि अधिकारी मैहर ने सभी संबंधित अधिकारियों से निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

व्यंकटेश लोक में सूर्य उपासना पर्व पर आयोजन

सतना। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग एवं विश्व गीता प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में नव संवत्सर (विक्रम संवत् 2083) के शुभ अवसर पर सूर्य उपासना पर्व का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (गुड़ी पड़वा) के दिन 19 मार्च गुरुवार को प्रातः 5.30 बजे से प्रातः 7 बजे तक व्यंकटेष लोक मुख्यद्वारगंज सतना में आयोजित होगा। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्री श्री 108 धारणीधराचार्य महराज बड़ा अखाड़ा सोहवल उपस्थित रहेंगे।

जिला आपूर्ति अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी

सीएम हेल्पलाइन निराकरण में कमजोर स्थिति पर कलेक्टर ने की कार्यवाही

जागरण सतना

सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत आने वाली शिकायतो का निराकरण बेहद कम मात्रा में पाये जाने के कारण कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने खाद्य विभाग के जिला आपूर्ति अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में कलेक्टर ने कहा है कि ग्रेडिंग की स्थिति संतोष प्रद नही है जिसमें सुधार लाने की बेहद आवश्यकता है। फरवरी माह एवं 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतो का निराकरण गंभीरता से नही कराये जाने के कारण जिले की ग्रेडिंग प्रभावित हुई है। कलेक्टर ने जारी की गई नोटिस में स्पष्ट कहा है कि समाधान आनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा खुद मुख्यमंत्री द्वारा की जाती है इसके बावजूद खाद्य विभाग द्वारा प्राप्त शिकायतो में संतुष्टि पूर्वक निराकरण का स्तर बेहद कम पाया गया है। जिससे ग्रेडिंग पूरी तरह प्रभावित हुई है।

चरित्रावली में अंकित होगी टीप

कलेक्टर सतीश कुमार एस ने कहा है कि बार-बार निर्देशित करने के बाद भी शिकायतो के निराकरण में गंभीरता नही दिखाई जाती जो घोर लापरवाही की श्रेणी में आता है। उन्होने कहा है कि आगामी समीक्षा बैठक में समस्त लंबित

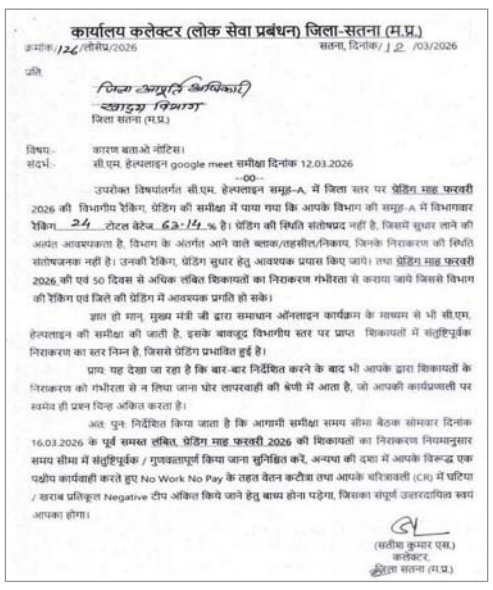

कार्यालय कलेक्टर (लोक सेवा प्रबंधन) जिला-सतना (म.प्र.)
क्रमांक/12/लोसेप्र/2026 सतना, दिनांक/12/03/2026

प्रति,
जिला आपूर्ति अधिकारी
खाद्य विभाग
जिला सतना (म.प्र.)

विषयः- कारण बताओ नोटिस।
संदर्भः- सी.एम. हेल्पलाइन google meet समीक्षा दिनांक 12.03.2026
--00--

उपरोक्त विषयांतर्गत सी.एम. हेल्पलाइन समूह-A में जिला स्तर पर ग्रेडिंग माह फरवरी 2026 की विभागीय रैंकिंग, ग्रेडिंग की समीक्षा में पाया गया कि आपके विभाग की समूह-A में विभागवार रैंकिंग 24 टोटल वेटेज 63.14 % है। ग्रेडिंग की स्थिति संतोषप्रद नहीं है, जिसमें सुधार लाने की अत्यंत आवश्यकता है, विभाग के अंतर्गत आने वाले ब्लाक/तहसील/निकाय, जिनके निराकरण की स्थिति संतोषजनक नहीं है। उनकी रैंकिंग, ग्रेडिंग सुधार हेतु आवश्यक प्रयास किए जावें। तथा ग्रेडिंग माह फरवरी 2026 की एवं 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का निराकरण गंभीरता से कराया जावे जिससे विभाग की रैंकिंग एवं जिले की ग्रेडिंग में आवश्यक प्रगति हो सके।

ज्ञात हो मान. मुख्य मंत्री जी द्वारा समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से भी सी.एम. हेल्पलाइन की समीक्षा की जाती है, इसके बावजूद विभागीय स्तर पर प्राप्त शिकायतों में संतुष्टिपूर्वक निराकरण का स्तर निम्न है, जिससे ग्रेडिंग प्रभावित हुई है।

प्राय: यह देखा जा रहा है कि बार-बार निर्देशित करने के बाद भी आपके द्वारा शिकायतों के निराकरण को गंभीरता से न लिया जाना घोर लापरवाही की श्रेणी में आता है, जो आपकी कार्यप्रणाली पर स्वमेव ही प्रश्न चिन्ह अंकित करता है।

अत: पुन: निर्देशित किया जाता है कि आगामी समीक्षा समय सीमा बैठक सोमवार दिनांक 16.03.2026 के पूर्व समस्त लंबित, ग्रेडिंग माह फरवरी 2026 की शिकायतों का निराकरण नियमानुसार समय सीमा में संतुष्टिपूर्वक / गुणवत्तापूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें, अन्यथा की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए No Work No Pay के तहत वेतन कटौत्रा तथा आपके चरित्रावली (CR) में घटिया / खराब प्रतिकूल Negative टीप अंकित किये जाने हेतु बाध्य होना पड़ेगा, जिसका संपूर्ण उत्तरदायित्व स्वयं आपका होगा।

(सतीश कुमार एस.)
कलेक्टर,
जिला सतना (म.प्र.)

ग्रेडिंग माह फरवरी की शिकायतो का निराकरण नियमानुसार समय सीमा में संतुष्टिपूर्वक किया जाना सुनिश्चित करें अन्यथा एक पक्षीय कार्यवाही करते हुये नो वर्क नो पे के तहत वेतन कटौती कर चरित्रावली में निगेटिव टीप अंकित किये जाने हेतु बाध्य होना पडेगा।

भावनात्मक संतुलन से प्रभावी भीड़ नियंत्रण करने पुलिस लाइन मैहर में सेमिनार

एएसपी सीएसपी सहित टीआई रहे मौजूद

जागरण सतना। पुलिस लाइन मैहर में भावनात्मक एवम भीड़ नियंत्रण विषय पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार में श्याम शाह मेडिकल कॉलेज रीवा के मनोवैज्ञानिक दिवाकर सिंह सिकरवार द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भीड़ नियंत्रण के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान श्री सिकरवार ने पुलिस स्टाफ को बताया कि भीड़.भाड़ वाले आयोजनोंए मेलों एवं संवेदनशील परिस्थितियों में उत्पन्न होने वाले तनाव एवं गुस्से को कैसे नियंत्रित किया जाए। उन्होंने भावनात्मक के महत्व को समझाते हुए बताया कि कठिन परिस्थितियों में धैर्य संयम एवं सकारात्मक संवाद के माध्यम से प्रभावी भीड़ नियंत्रण किया जा सकता है। सेमिनार के दौरान उपस्थित अधिकारियों द्वारा विभिन्न परिस्थितियों जैसेकृअचानक भीड़ के उग्र होने अफ्वाह फैलने अथवा अव्यवस्था की स्थिति में गुस्से को नियंत्रित करने के संबंध में प्रश्न पूछे गए जिनका विशेषज्ञ द्वारा व्यवहारिक एवं उपयोगी समाधान प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ चंचल नागर सीएससी महेंद्र सिंह चौहान रक्षित निरीक्षक नृपेंद्र सिंह समस्त थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस बल को मानसिक रूप से सशक्त बनाते हुए तनावपूर्ण परिस्थितियों में प्रभावी एवं संवेदनशील ढंग से कार्य करने हेतु प्रशिक्षित करना रहा।

सैम कैम इंदौर के साथ एमओयू साइन छात्रों को मिलेगा व्यावहारिक प्रशिक्षण

जागरण सतना। श्री रामा कृष्णा कॉलेज ऑफफार्मेसी ने उच्च शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सैम कैमए इंदौर के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य छात्रों को आधुनिक तकनीक प्रशिक्षण और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के अधिकारियों ने कहा कि इस एमओयू के माध्यम से छात्रों को इंडस्ट्री.ओरिएंटेड प्रशिक्षण,कार्यशालाएं, सेमिनार और इंटर्नशिप के अवसर मिलेंगे। इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ.साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होगा। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि शिक्षा संस्थानों और उद्योग के बीच इस प्रकार की साझेदारी से छात्रों के कौशल विकास और करियर निर्माण में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। समारोह के दौरान दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर कर इस सहयोग को औपचारिक रूप दिया। इस अवसर पर शिक्षकए छात्र एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जैव प्रौद्योगिकी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन उत्साह और पुरस्कारों के साथ सम्पन्न

सतना। एकेएस विश्वविद्यालय सतना के जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने नॉलेज पार्टनर के रूप में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसर्च इनोवेशन एंड वूमेन एम्पावरमेंट इन सस्टेनेबल एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट के अंतर्गत प्रस्तुतिकरण सत्रों के सफल समापन और परिणामों की घोषणा के साथ सम्मेलन को गरिमामय रूप से संपन्न किया। यह सम्मेलन एडु.मेंटर्स सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट तथा एडु.मेंटर्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आयोजित किया गया। सम्मेलन में विभिन्न संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने चार विषयगत ट्रैकों में अपने नवाचारपूर्ण शोध कार्यों का मौखिक प्रस्तुतिकरण किया। ट्रैक.1 में अनुराग त्रिपाठी बंटी एवं डॉ प्रणिता भटेलेय , ट्रैक.2 में सृष्टि सोनी संजना सोनी एवं वर्षा सिंह , ट्रैक.3 में डॉ पंकज कुमार गौतम नीलेश श्रीवास्तव एवं दीक्षा चौधरीय जबकि ट्रैक.4 में हरजीत कौर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता स्थान प्राप्त किया।

चित्रकला प्रदर्शनी में परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत समन्वय प्रदर्शित

जागरण सतना। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी में प्रदर्शित विशिष्ट चित्रों ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो आलोक चौबे और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती डॉ सुषमा चौबे की उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार सुश्री गीता दास और बीनू गुप्ता दिल्ली ने अपने अपने चित्र की थीम एवं भावार्थ को विस्तार से प्रस्तुत किया। सुश्री गीता दास ने बताया कि यह चित्र भारतीय संस्कृति की गहरी जड़ों और आधुनिक तकनीकी युग के मध्य सेतु का कार्य करता है। चित्र में आध्यात्मिक चेतनाए गुरु.शिष्य परंपराए देवी.देवताओं की उपस्थिति के साथ.साथ वर्तमान समय के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास को एक ही फ्रेम में संयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि चित्र का मूल भाव यह है कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा आज भी आधुनिक विज्ञान और तकनीक की दिशा निर्धारित करने में सक्षम है।

नवरात्रि मेले में तैनात रहेंगे 14 कार्यपालिक मजिस्ट्रेट

जागरण सतना। मैहर में नवदिवसीय चैत्र नवरात्रि मेले में मां शारदा देवी मंदिर में आने वाले अत्यधिक संख्या में श्रृद्धालु और दर्शनार्थी की संभावना के दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मैहर रानी बाटड ने विभिन्न स्थानों पर 14 कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तैनात किये है। इसके अनुसार कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अपने कर्तव्य स्थल पर सहयोगी कर्मचारी के साथ निर्धारित पाली में तैनात रहेंगे। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशानुसार रोपवे कन्ट्रोल रूम में प्रातः 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक संयुक्त कलेक्टर एवं अनुभाग मजिस्ट्रेट अमरपाटन डॉ. आरती सिंह एवं प्रभारी राजस्व निरीक्षक लालमन साकेत तथा दोपहर 1 बजे से रात्रि पट बंद होने तक नायब तहसीलदार अमदरा षिवभूषण सिंह एवं राजस्व निरीक्षक कमल सिंह बागरी को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है।

इसी प्रकार सीसीटीवी कन्ट्रोल रूम डयोढ़ी में प्रातः 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक डिप्टी कलेक्टर आषिमा पटेल एवं पटवारी विवेक कुमार वर्मा तथा दोपहर 1 बजे से रात्रि पट बंद होने तक तहसीलदार जितेन्द्र पटेल एवं पटवारी जितेन्द्र कुमार दाहिया को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। मंदिर प्रांगण ऊपर प्रातः 3 बजे से दोपहर 1 बजे तक की पाली में नायब तहसीलदार प्रवीण कुमार त्रिपाठी एवं पटवारी संजय गर्ग तथा दोपहर 1 बजे से रात्रि पट बंद होने तक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामनगर षिवप्रकाष मिश्रा एवं पटवारी अरूण सिंह को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। सेकण्ड राउण्ड सीढ़ी में प्रातः 3 बजे से दोपहर 1 बजे तक की पाली में परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास अखिलेष दीपांकर तिवारी एवं पटवारी रामप्रकाष पाण्डेय तथा दोपहर 1 बजे से रात्रि पट बंद होने तक तहसीलदार प्रेमलाल चौधरी एवं पटवारी भूपेन्द्र खंगार को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। व्हीआईपी तल सीढ़ी चैनल गेट में प्रातः 3 बजे से दोपहर 1 बजे तक नायब तहसीलदार ललित धार्वे एवं दोपहर 1 बजे से रात्रि में पट बंद होने तक तहसीलदार रामनगर अनामिका सिंह एवं प्रभारी राजस्व निरीक्षक दिवाकर मिश्रा को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। मेला प्रांगण फारेस्ट बैरियर से लालगेट प्रातः 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक नायब तहसीलदार अनिल सिंह एवं पटवारी लालमन सिंह और दोपहर 1 बजे से रात्रि पट बंद होने तक नायब तहसीलदार रोशनलाल रावत एवं दिलीप परस्ते, मंदिर प्रांगण ऊपर रोवने चैनल गेट प्रातः 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक नायब तहसीलदार रामप्रकाष पाण्डेय एवं पटवारी असेन्द्र सिंह तथा दोपहर 1 बजे से रात्रि पट बंद होने तक परियोजना अधिकारी विद्याचरण तिवारी एवं पटवारी जितेन्द्र कुमार विष्वकर्मा को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

नवरात्रि के दौरान मैहर में मांस, मछली, अंडे के विक्रय पर रोक

सतना। शारदेय चैत्र नवरात्रि के अवसर पर जिले के प्रसिद्ध स्थल मैहर में मां शारदा नवरात्रि मेला संचालित रहेगा। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मैहर दिव्या पटेल ने नवरात्रि के दौरान 19 मार्च से 27 मार्च तक की मध्य रात्रि तक सम्पूर्ण मैहर क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत मांस, मछली एवं अण्डा के क्रय-विक्रय पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया है। मैहर मध्यप्रदेश शासन पर्यटन विभाग द्वारा धार्मिक नगरी घोषित है तथा मां शारदा देवी के दर्शनार्थी देश के कोने-कोने से श्रद्धा भाव से ओत-प्रोत श्रद्धालु प्रतिदिन लाखों की संख्या में मैहर आते हैं।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433
9981287311

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
समय-प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्शः- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेषः- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/-
परामर्श क्लीनिकः शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्प्लेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

तो क्या अधूरे निर्माण के चलते हैण्ड ओवर नही ले रही पंचायते?

जलप्रदाय योजना का मामला, जल निगम के अधिकारी ने 126 गांवों में पूर्ण बता दी योजना

जागरण सतना। जल निगम द्वारा ग्राम पंचायतों में कराये जाने वाले नल से जल के जिन कार्यो को पूर्ण बताया है और यह भी बताया कि काम पूर्ण हो जाने के बाद भी ग्राम पंचायतों द्वारा उन्हे हैण्ड ओवर नही लिया जा रहा यह पूरा मामला उस समय सामने आया जब सोमवार को जिला पंचायत सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल , उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह परिहार एवं संचार संकर्म समिति के सभापति ज्ञानेन्द्र सिंह व सहकारिता सभापति रमाकान्त पयासी की मौजूदगी में पेयजल की समीक्षा की जा रही थी। तभी जल निगम के जीएम ने जानकारी देते हुये बताया कि मैहर जिले के अंतर्गत 126 गांवों में जल प्रदाय योजना के कार्य पूर्ण कर लिये गये है लेकिन पंचायतो द्वारा उक्त कार्यो को हैण्डओवर नही लिया जा रहा। अब सवाल यह उठता है कि जल निगम द्वारा कराये गये कार्य कहीं अधूरे तो नही है। जिसको लेकर पंचायते उक्त योजनाओ को हैण्ड ओवर नही ले रहे। कई जगह तो यह भी बताया जा रहा है कि सिर्फ पाईप डालकर छोड दिया गया है और उन जगहो पर नल नही लगाये गये। मामला चाहे जो भी लेकिन जल निगम द्वारा दी गई जानकारी के बाद कुछ इसी तरह का सवाल सामने आ रहा है मगर सूत्र यह भी बताते है कि जिला पंचायत द्वारा अब उन सभी गांवों में जांच कराकर कार्यो का सत्यापन कराने की योजना बना रही है। यदि कार्य अधूरे पाये गये तो विभागीय अधिकारियों पर जिला पंचायत सीईओ द्वारा शिकंजा कसा जा सकता है।

इन जगहों पर जल प्रदाय के कार्य बताया पूर्ण

रामनगर के ईटमा, खारा और मंझियार, मैहर के हिनौता खुर्द , बिहरा खुर्द, जोवा, बंदरिया, बंदारी, बठिया, टिकर खुर्द, करमित्या, बरकुला, बराखुर्द, मोहरबा, उमदौर, गोडिन, घोटरी, गोडा, भदनपुर , ककरा, कुबरी, बराकला, लटा गांव, परसरामपुर, बडेरा, गुगवार, भरेवा, बिहरा कला, टिकर कला, मंड, धर्मपुरा, आमा तारा, बंजरिया, गोरईया, पिपरा, वरवंड, रिवाडा, झांझवडी, पचौहा, कृष्णापुर, रूझौडी, भैली, मौदहा, सारंग, भर्रोह, देवरी, रामनगर के सुकवारी, कुदारी कला, कुदारी खुर्द, सुरखमा, दत्तौर, मन्नी, नाडो , बडवार, धनवाही, मैदटोला, बाबूपुर, गोडहा, हर्रेइ, टटेहरा टोला, अमिलिया, मुरगौती, बटइया, जाजनगर, करौंदी, कोलहाई, केदारी, रामपुर , मनकहरी, हाहुर, झुसी, रामचुआ, भदरोका, रसादेवरा, हरदुआ, गणेश नगर, गंजास, बिहिया कला, मोहनी , सिंहपुर, मडकरा, पडवी, पुरैना, बौलिहा, गुडवा, चितहा, भडरा, गोरहाई, कितहा, मडवार, पटना, चंदवार, हरदुआ, अर्जुन देवरा, विदवान, देवरा, कोठार, देवरी, गोरसरी, गोरसरी खुर्द, बंदरिया, धोधा, गैलहरी, हिनौता, झिरिया, मोगहा, सोहौला, कुम्हारवारा, देवरा मोलहाइ, पिपरी कोठार, कर्रा, गिधौला, मोहरवा, गिधौला गांव, गंगा सागर, गिधौला, सेंदुरा, बगदरी न 3 , कोलडिहा न 2, बगदरी न 2, सगौनी खुर्द, सोनडी, दधीच टोला, गधिया टोला, सेमरिया में कार्य को पूरा बताया गया है साथ ही ग्राम पंचायतो पर हैण्ड ओवर नही करने के आरोप लगाये है।

विंध्य के वरिष्ठ डॉक्टर
डॉ प्रदीप निगम
MD, DrNB (गैस्ट्रो)
उपलब्ध सुविधा
• एंडोस्कोपी
• कोलोनोस्कोपी
• फाइब्रोस्केन
• ERCP
पेट, लीवर, पित, आंत पैंक्रियाज एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
Call Now
8770352872,7566926696
पता -बाल भारती स्कूल के सामने, समदड़िया गोल्ड सिरमौर चौराहा रीवा

मेट्रो हॉस्पिटल, रीवा
अब आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत नि:शुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध विभाग
• हड्डी रोग (आर्थोपेडिक्स)
• प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी
• कैंसर रोग एवं कीमोथैरेपी
• जनरल मेडिसिन
• जनरल सर्जरी
• यूरोलॉजी
• पीडियाट्रिक
• पॉलीट्रामा
• पल्मोनरी
• मेडिसिन
न्यू बस स्टैंड के पास, शारदा पुरम रोड, रीवा
अपॉइंटमेन्ट के लिए सम्पर्क करें: 07662-314775,7771000668

मिनर्वा आई.वी.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
• IUI, IVF, ICSI
• फ्रोजन एम्ब्रिया ट्रांसफर साइकिल (FET)
• एग फ्रीजिंग
• एम्ब्रियो फ्रीजिंग
• स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
निःसंतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

24x7 Helpline: 7876977777
www.drorthooil.com
जोड़ों के दर्द की बेजोड़ दवा
Dr. Juneja's
डा.ऑर्थो®
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment
ASIA'S MOST PROMISING BRAND
Dr. Ortho Oil
An Ayurvedic Medicine
Helpful in Painful Conditions
20% EXTRA
100ml + 20ml FREE
8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल जोड़ों के दर्द को जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें।
मिलते-जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान
Clinically Tested*
*For its safety & efficacy to reduce joint pain and inflammation.
Helpful Ayurvedic Medicine for Knee Pain, Shoulder Pain, Neck Pain, Back Pain, Wrist Pain, etc.

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना की तिथियों का निर्धारण

सतना। गरीब, जरूरतमंद, निराश्रित परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए आयोजित किए जाने वाले मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह योजना के लिए तिथियों का निर्धारण किया गया है। इनमें अक्षय तृतीया 19 अप्रैल 2026, देवउठनी ग्यारस (तुलसी विवाह) 20 नवंबर 2026, बसंत पंचमी 11 फरवरी 2027 तथा एक अन्य तिथि स्थानीय मांग और कलेक्टर के निर्णय अनुसार निर्धारित की जा सकती है। वर्ष 2026-27 में पक्ष 44 हजार से अधिक विवाह करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस पर राज्य सरकार 242 करोड़ से अधिक राशि व्यय करेगी। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाय योजना के प्रभावी व्यवस्थि और गरिमापूर्ण ढंग से आयोजन के लिए विभाग द्वारा सामूहिक विवाह समारोह में भाग लेने वाले जोड़ों की न्यूनतम संख्या 11 और अधिकतम संख्या 200 निर्धारित की गई है। प्रदेश के 55 जिलों में इन अवसरों पर 800 जोड़े यानिकी 44 हजार जोड़ों का विवाह संभव हो सकेगा।

44 हजार जोड़े हो सकेंगे लाभान्वित

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com